'हनुमान अंश' की सफलता के बाद संत प्रेमानंद महाराज पर बनेगी 'राधा अंश'

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 35
न्यूनतम - 26

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 254 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर रविवार 13 सितम्बर 2026 | भाद्रपद शुक्ल 2 विक्रमी संवत | पृष्ठ12 | मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

प्रज्जवल रेवन्ना के मोबाइल में पोर्न वीडियो की पुष्टि

- जेल से जब्त हुआ था, रेप केस में काट रहा उम्रकैद

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिलने की बात सामने आई है। शनिवार को फोन और अन्य डिवाइस की फोरेंसिक जांच में इसका पता चला। क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में छापा मारा था। इस दौरान रेवन्ना को जेल की कोठरी में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़ा गया। अधिकारियों ने मोबाइल, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की थी। प्रज्वल, जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह नौकरानी से रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। जेल में मोबाइल, पेन ड्राइव या नशीली चीजें मिलने पर कैदी की सुविधाएं कम की जा सकती हैं या उसे अलग सेल में रखा जा सकता है। उसके खिलाफ नया केस दर्ज हो सकता है और अतिरिक्त जेल की सजा भी हो सकती है। जांच में सामने आया कि बाहर करीब 10 हजार रुपए का फोन जेल के अंदर 75 हजार से 2 लाख रुपए तक में बेचा जाता था। पुलिस को शक है कि जेल के अंदर फोन पहुंचाने में कुछ स्टाफ की भूमिका रही। पिछले 8 महीनों में परप्पना अग्रहारा जेल से 300 से ज्यादा मोबाइल फोन जब्त किए जाने की बात जेल अधिकारियों ने कही है।

पीए के घर छापे के बाद संकट में हरीश रावत

- उत्तराखंड के पूर्व सीएम बोले- कांग्रेस के सारे पद छोड़ दूंगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों को छोड़ने की पेशकश की है। इसको लेकर रावत ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखी है। रावत फिलहाल कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। ऐसे समय में मेरे किसी मामले से अगर पार्टी के संघर्ष को नुकसान पहुंचता है तो मैं ऐसा नहीं चाहूंगा। इसलिए मैं पार्टी में मिली दोनों जिम्मेदारियों से हटना चाहता हूं। 10 सितंबर को रावत के पूर्व ओएसडी चंदन सिंह जीना के घर प्रवर्तन निदेशालय की रेड हुई थी। इसमें 1.28 करोड़ की संपत्तियां जब्त की गई थीं। जीना वर्तमान में रावत के पर्सनल असिस्टेंट हैं। रावत ने कहा कि मैं इस समय किसी सरकारी पद पर नहीं हूं, इसलिए वहां से इस्तीफा देने का सवाल नहीं है। चंदन सिंह जीना को लेकर रावत ने कहा कि वह मेरे ओएसडी रह चुके हैं। मेरे मुख्यमंत्री रहने के दौरान पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते थे। फिलहाल जांच के बाद ही तथ्य स्पष्ट होंगे।

यूपी में उफान पर नदियां, मकान-पेड़ घाघरा में समाए

- लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद नदी में लटकी, 60 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। पीलीभीत में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। तेज बहाव में किनारे पर बने मकान और विशाल पेड़ नदी में समा गए। लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद का आधा हिस्सा सरयू नदी में लटका हुआ है। कभी भी मस्जिद नदी में समा सकती है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। संगम के प्रमुख घाट पानी में डूबे हैं। लेटे हनुमान जी 14 दिन से जलमग्न हैं।

बलिया में गंगा खतरे के निशान से 1.5 मीटर ऊपर

बलिया में गंगा और सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इससे सदर, बैरिया और बांसडीह तहसील के कई गांवों और शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। शनिवार सुबह 8 बजे गायघाट गेज पर गंगा का जलस्तर 59.16 मीटर दर्ज हुआ। यह खतरे के निशान 57.615 मीटर से 1.545 मीटर ऊपर है। वहीं, चांदपुर गेज पर सरयू का जलस्तर 59.25 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 58 मीटर से 1.25 मीटर अधिक है। हालांकि, सरयू का जलस्तर अब स्थिर हो गया है। सोनभद्र के रेणुकूट-पिपरी स्थित रिहंद बांध में पानी की आवक कम होने के बावजूद जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी हुई है।

फर्रुखाबाद में 60 गांव बाढ़ की चपेट में आए

फर्रुखाबाद के अमृतपुर तहसील क्षेत्र में डेढ़ महीने से गंगा की बाढ़ का प्रकोप बना हुआ है। अब रामगंगा के विकराल रूप लेने से हालात और बिगड़ गए हैं। शनिवार को गंगा का जलस्तर 137.10 मीटर यानी खतरे के निशान पर रहा, जबकि रामगंगा 137.20 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 10 सेमी ऊपर है। शनिवार सुबह खो, हरेली और रामनगर बैराज से 7,227 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। गंगा की बाढ़ से चित्रकूट, सबलपुर, जोगराजपुर, कंचनपुर, इमादपुर, तीसराम की मड़ैया, नगला माखन, नगला फखरपुर और मंझा की मड़ैया समेत करीब 50 गांव प्रभावित हैं। रामगंगा का पानी बढ़ने से अमैयापुर डिप (पुलिया) पर करीब 3 फीट पानी बह रहा है। इसके बावजूद लोग जोखिम उठाकर आवागमन कर रहे हैं। कोला, सोता, हरपालपुर, रामनगर, भुवनपुर, कड़क्का, कड़हर, भावन, गुलरिया और अर्जुनपुर समेत करीब एक दर्जन गांवों में भी रामगंगा का बाढ़ का पानी पहुंच गया है। गंगा और रामगंगा दोनों नदियों का जलस्तर बढ़ने से अमृतपुर क्षेत्र में लोगों को दोहरी बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है।

ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणापत्र को दी मंजूरी

किसी ने भी नहीं जताई आपत्ति, पीएम मोदी ने किया ऐलान

संयुक्त बयान में एकतरफा टैरिफ को लेकर हुई गंभीर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दिल्ली घोषणापत्र को मंजूरी दे दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र 2026 को सर्वसम्मति से अपनाए जाने की घोषणा की। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि किसी भी सदस्य ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। नई दिल्ली घोषणापत्र 2026 को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया है। रॉयटर्स के अनुसार, संयुक्त घोषणापत्र में संघर्ष को रोकने के प्रयासों, जिसमें उनके मूल कारणों को संबोधित करना भी शामिल है, पर जोर दिया गया। इसमें बातचीत, परामर्श और कूटनीति के माध्यम से विवादों का समाधान निकलेगा।

संयुक्त बयान पर ब्रिक्स देशों में आम सहमति

ब्रिक्स देश शनिवार सुबह 4 बजे तक चली गहन बातचीत के बाद एक संयुक्त बयान पर आम सहमति पर पहुंचे। बातचीत के दौरान कई विवादास्पद मुद्दों पर मतभेद सामने आए। भारत ने परस्पर विरोधी स्थितियों को पाटने और सदस्यों के बीच आम सहमति बनाने के लिए लगातार विचार विमर्श करता रहा। यह सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सभी एक ही मंच का हिस्सा हैं, इसके बावजूद आमसहमति बनी है।

बेंगलुरु से लापता लड़की 7 महीने बाद ओटीपी से मिली

सरकारी योजना के लिए पति के नंबर से रजिस्ट्रेशन कराया था, पुलिस ने ट्रैक किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में जनवरी से लापता 18 साल की छात्रा को पुलिस ने करीब 7 महीने बाद ओटीपी की मदद से खोज निकाला। वह 31 जनवरी को नाबालिग सहेली के साथ कॉलेज जाने का कहकर घर से निकली थी। दोनों मोबाइल फोन और सिम कार्ड घर पर छोड़ गई थीं। उनके पास सिर्फ आधार कार्ड और कॉलेज बैग था। काफी समय तक पुलिस को दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। बाद में छात्रा ने एक आधार कार्ड से एक सरकारी स्वास्थ्य योजना के लिए आवेदन किया। इसमें उसने अपने पति का मोबाइल नंबर दिया था। आवेदन के दौरान इसी नंबर पर ओटीपी आया। सीआईडी ने नंबर को ट्रेस किया और छात्रा तक पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने शादी कर ली है और वह गर्भवती है। हाईकोर्ट में पेश करने के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। उसके साथ घर से निकली नाबालिग अभी तक लापता है।

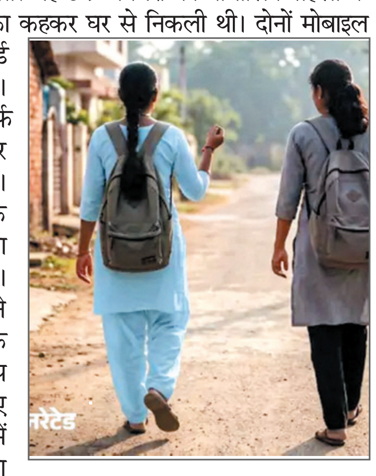

ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे भारतीय वायुसेना के तीन जांबाज पायलट

- इतिहास में पहली बार रॉयल एयर फोर्स के पायलटों के गुरु बने अफसर

लंदन (एजेंसी)। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय वायु सेना के तीन पायलट ट्रेनर के तौर पर रॉयल एयर फोर्स में शामिल हुए हैं। वे वेल्स में यूके वैली में युवा ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे। यह घटना 1932 में औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजों की तरफ से शुरुआती वायु सेना स्थापित किए जाने के लगभग एक सदी बाद हुई है। आईएएफ के तीन पायलट क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर के तौर पर

शामिल हुए हैं। यह पहली बार है जब भारतीय फोर्स को यूके में रॉयल पायलटों को फ्लाइंग ट्रेनिंग देने के लिए भेजा गया है। उनकी तैनाती शुरू में दो साल के लिए होगी। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में तीनों पायलटों की एक तस्वीर शेयर की और कहा आईएएफ के तीन जवान रॉयल एयर फोर्स के पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए वेल्स के वैली में शामिल हुए हैं। यह यूके में भारतीय एयरफोर्स की पहली तैनाती है। आईएएफ ने इस कदम को प्रोफेशनल एक्सीलेंस, इंटरऑपरेबिलिटी और भारत-यूके के बीच मजबूत रिश्तों के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

एकेडमी में ट्रेनर बने भारतीय वायुसेना के तीन पायलट

इस टीम की अगुवाई स्क्वाड्रन लीडर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। भारतीय इंस्ट्रक्टर रॉयल पायलटों को एयरक्राफ्ट पर ट्रेनिंग देंगे। इस एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल रॉयल फोर्स भी अपने फाइटर पायलटों की आखिरी ट्रेनिंग के लिए करती है। हॉक, विमान का एडवांस जेट ट्रेनर है। यह पायलटों की ट्रेनिंग का आखिरी चरण होता है जिसके बाद वे फंटलाइन, भारी और तेज रफ्तार वाले एयरक्राफ्ट उड़ाने के लिए तैयार हो जाते हैं। आईएएफ पायलटों को यूके भेजने का फैसला इस साल फरवरी में लिया गया था।

डोडा में पाकिस्तानी आतंकी का सड़ा शव किया गया बरामद

एम 4 राइफल भी मिली, 1980 में अमेरिकी सेना ने किया था इस्तेमाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी आतंकी का शव सुरक्षाबलों ने शनिवार को बरामद किया। इसके पास से नाइट विजन क्षमता वाली एम 4 राइफल भी बरामद हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, बीएसएफ डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को सर्च के दौरान आतंकी के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। 1980 के दशक की एम 4 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल अफगानिस्तान युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिकी सेना करती थी। युद्ध और शहरी संघर्ष के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक हल्की, गैस-संचालित राइफल है।

हिंदू होने के कारण मेरी मां को भी भागकर आना पड़ा था भारत

- चिन्मय प्रभु के आंसू देख मुख्यमंत्री शुभेंदु ने याद किया अतीत

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश में करीब दो वर्षों से जेल में बंद चिन्मय प्रभु को मां के निधन पर महज पांच घंटे की पैरोल मिलने और अंतिम दर्शन के दौरान उनकी आंखों से छलके आंसुओं का उल्लेख करते हुए बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को अतीत में अपने परिवार के विस्थापन की पीड़ा साझा की। कोलकाता के केष्टोपुर में गणेश पूजा के उद्घाटन के मौके पर हिंदू मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू होने के कारण मेरी मां को भी अपने पिता का हाथ पकड़कर एक कपड़े में भागकर भारत आना पड़ा था। उन्होंने कहा कि चिन्मय प्रभु की पीड़ा ने सनातनियों के हृदय को झकझोर दिया है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि बंगाली हिंदुओं की रक्षा और उनके लिए अलग मातृभूमि के निर्माण में भारत केसरी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद और स्वामी प्रणवा नंद ने प्रयास किया था।

बंगाल का विभाजन एक भयावह त्रासदी थी

शुभेंदु ने कहा कि बंगाल का विभाजन एक भयावह त्रासदी थी, जिसने अविभाजित बंगाल के लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल को ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की कोशिश हुई। मुख्यमंत्री ने अपने निजी जीवन की पीड़ा साझा करते हुए कहा कि उनकी मां गायत्री देवी मूल रूप से पूर्वी बंगाल (अभी का बांग्लादेश) की रहने वाली थीं। देश विभाजन के दौरान कथित तौर पर धार्मिक कट्टरपंथियों के अत्याचार के कारण उनके नाना को परिवार के साथ भारत आना पड़ा था। शुभेंदु ने कहा कि हिंदू होने के कारण उनकी मां को भी अपने पिता के साथ एक कपड़े में वहां से पलायन करना पड़ा था।

ब्रिक्स समिट में 'ब्रांड बिहार' का बज रहा डंका!

- विदेशी मेहमानों को तोहफे में मिलेगा सत्तू और मखाना
- मिथिला पेंटिंग्स ने जीता दिल, स्थानीय उत्पादों की धूम

पटना/दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर धूम देखने को मिल रही है। सम्मेलन में शामिल हुए विदेशी प्रतिनिधियों और मेहमानों को एक खास 'गुड्डी बैग' गिफ्ट में दिया जा रहा है। इस बैग में बिहार का प्रसिद्ध सत्तू और मखाना, केले के चिप्स, ओडिशा की खास कॉफी और गुजरात का ब्लॉक प्रिंटेड दुपट्टा (स्टोल) शामिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विदेशी मेहमानों को भारतीय संस्कृति, विविधता और अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक स्वादों से परिचित कराना है। इसके अलावा मिथिला पेंटिंग्स की गैलरी में भी विदेशी मेहमानों की भी काफी मौजूदगी दिखी। ब्रिक्स जैसे बड़े मंच पर 'ब्रांड बिहार' की इस उपस्थिति से देश की 'लोकल टू ग्लोबल' की सोच को और ज्यादा मजबूती मिल रही है।

सत्तू-मखाना और मिथिला पेंटिंग को शामिल करने से गदगद संजय झा- सोशल मीडिया एक्स पर जेडीयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने लिखा, बिहार की शान, सत्तू और मखाना के जरिए पहचान दुनिया के सामने आ रही है। यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स समिट में भारतीय और विदेशी पत्रकारों के लिए तैयार किए गए गिफ्ट हैम्पर्स में बिहार के मखाने और हमारे सुपरफूड सत्तू को जगह मिली है। ये हमारे किसानों के लिए एक बेहतरीन सम्मान है। बिहार के खेतों से लेकर ग्लोबल मंच तक, हमारे मखाने और सत्तू राज्य की समृद्ध विरासत और अनोखे उत्पादों को दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं। इसके अलावा संजय झा ने ब्रिक्स समिट की गैलरी में मिथिला पेंटिंग्स को जगह मिलने पर खुशी जाहिर की।

ब्रिक्स के मेहमानों को गिफ्ट में सत्तू-मखाना सीएम सम्राट खुश

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में विदेशी मेहमानों को बिहार का सत्तू और मखाना भी परोसा गया। सीएम सम्राट चौधरी ने भी इस पर खुशी जताई है। सीएम ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन में वेलकम किट में सत्तू और मखाना को शामिल किया जाना हमारे प्रदेश के स्वाद, परंपरा और उद्यमिता की पहचान है। सीएम ने इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया है। कहा कि प्रधानमंत्री लोकल टू ग्लोबल के संकल्प को साकार किया है। लिखा है कि नए बिहार की नई पहचान, बिहार का स्वाद अब दुनिया के सामने है।

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले मायावती की 'सरप्राइज एंट्री'

भतीजी दीपिका आनंद संभालेंगी बीएसपी की कमान!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के भीतर चल रहा राजनीतिक विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले बड़े भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया। उन्हें राजनीतिक उत्तराधिकारी तक घोषित कर दिया। लेकिन, पिछले तीन वर्षों में तीन बार बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को तीन बार तमाम पदों से हटाया। दूसरी बार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। दूसरे भतीजे ईशान आनंद को वह राजनीति में एंट्री दे चुकी हैं। उन्हें पार्टी में नॉर्थ इंडिया का प्रभारी बनाया गया। अब मायावती ने राजनीति उत्तराधिकारी के मसले पर स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने साफ किया है कि उनके भाई आनंद कुमार के बेटों में किसी को अब बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। इस मामले में उन्होंने आनंद कुमार की इकलौती बेटी दीपिका आनंद के नाम का प्रस्ताव उनको राजनीतिक मदद के लिए दिया है। साथ ही, आनंद कुमार के बेटों की एंट्री नो-एंट्री की बात कही गई है।

अनमोल वचन

व्यवहारिक रूप से तो आप कह सकते हैं कि यह भूमि, मकान, स्त्री, पुत्र हमारे हैं, परन्तु इनके प्रति अधिक मोह-आसक्ति न रखी जाये क्योंकि आसक्ति तथा मोह अशान्ति पैदा करने वाले हैं। मोह-आसक्ति में जितनी वृद्धि होती जायेगी, अशान्ति भी उसी गति से बढ़ती जायेगी। यह शरीर 'मैं' नहीं हूँ। पंच महाभूत (पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु, आकाश), अहंकार, बुद्धि, इन्द्रियां यह सब शरीर के अन्तर्गत हैं। प्रत्यक्ष में 'मैं' इस शरीर का स्वामी हूँ, परन्तु यथार्थ रूप 'मैं' इसका स्वामी नहीं हूँ। चिन्तन करें कि क्या चिर काल तक मैं इसे अपनी इच्छा से वर्तमान दशा में रख सकता हूँ? क्या आयु के साथ होने वाले परिवर्तनों को रोक सकता हूँ? क्या इसे मृत्यु से बचा सकता हूँ? सबका उत्तर 'नहीं' है। जब यह शरीर मेरा नहीं है, फिर जो मेरा है या मैं जो हूँ, उसके कल्याण के विषय में ही क्यों न सोचा जाये? जो 'मैं' नहीं हूँ उसको संवारने, सुन्दर बनाने में ही लगे रहकर अपने लक्ष्य को भूल जाना कहाँ की बुद्धिमानी है? बुद्धिमानी तो इस बात में है कि 'मैं' द्वारा इस शरीर के माध्यम से ऐसे शुभ कर्म किये जायें कि उनके फल के रूप में उस लक्ष्य को प्राप्त किया जाये, जिस लक्ष्य को पाने के लिये यह मानव शरीर प्राप्त हुआ है और वह लक्ष्य है- 'मैं' को इस आवागमन के चक्र से मुक्ति मिले, मोक्ष की प्राप्ति हो।

17 सितंबर की महापंचायत को ऐतिहासिक बनाने में जुटी भाकियू

चौकड़ा में नुक्कड़ सभा कर किसानों से की अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील, गन्ना मूल्य वृद्धि, बिजली के बढ़े लोड, एमएसपी कानून और अमेरिका से व्यापार समझौते समेत किसानों से जुड़े मुद्दे उठेंगे

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन ने 17 सितंबर को प्रस्तावित महापंचायत को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। भाकियू नेता एवं जिला पंचायत सदस्य विकास शर्मा के नेतृत्व में गांव-गांव और घर-घर संपर्क अभियान चलाकर किसानों से महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम चौकड़ा में नुक्कड़ सभा का आयोजन कर किसानों को महापंचायत के मुद्दों और कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

गांव-गांव नुक्कड़ सभाओं के जरिए किसानों को जोड़ा जा रहा

विकास शर्मा ने कहा कि 17 सितंबर को होने वाली महापंचायत किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने का बड़ा मंच बनेगी। उन्होंने कहा कि महापंचायत को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाकियू कार्यकर्ता लगातार गांवों का दौरा कर रहे हैं और किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। डोर-टू-डोर संपर्क के साथ ही गांवों में नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर किसानों को महापंचायत में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

गन्ना मूल्य वृद्धि से लेकर बिजली के बढ़े लोड तक मुद्दे

चौकड़ा में आयोजित सभा में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। विकास शर्मा ने कहा कि महापंचायत में गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी, बिजली विभाग द्वारा

किसानों पर बढ़ाए जा रहे लोड और उससे संबंधित समस्याओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिलना चाहिए और खेती की लागत लगातार बढ़ने के बीच गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी जरूरी है। बिजली के बढ़े हुए लोड और विभागीय कार्रवाई को लेकर भी किसानों की समस्याओं को महापंचायत के मंच से उठाया जाएगा।

एमएसपी कानून और अमेरिका से व्यापार समझौते पर भी होगी चर्चा

महापंचायत में न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी गारंटी देने की मांग को लेकर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से कृषि और किसानों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर भी किसान नेताओं द्वारा अपनी बात रखी जाएगी। विकास शर्मा ने कहा कि खेती और पशुपालन से जुड़े मुद्दों को भी महापंचायत में प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने गांव और क्षेत्र की समस्याओं के साथ महापंचायत में पहुंचे, ताकि किसानों की सामूहिक आवाज को मजबूती से सामने रखा जा सके।

महापंचायत किसानों की एकजुटता का संदेश देगी

विकास शर्मा ने कहा कि 17 सितंबर की महापंचायत केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता और उनके अधिकारों की आवाज को बुलंद करने का माध्यम होगी। उन्होंने दावा किया कि किसानों की बड़ी भागीदारी के साथ महापंचायत को ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। चौकड़ा में हुई नुक्कड़ सभा में पवन त्यागी, नीटू त्यागी, सरफराज त्यागी, ब्रजपाल ठाकुर, राजेंद्र भगत, संजू प्रधान, हरिओम त्यागी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान मौजूद रहे।

समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष बनाए गए मुत्तालिब त्यागी

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी में लंबे समय से सक्रिय रहे मुत्तालिब त्यागी को समाजवादी व्यापार सभा, मुजफ्फरनगर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन से पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है। कार्यकताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। मुत्तालिब त्यागी लंबे समय से समाजवादी पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, संघर्ष और समर्पण को देखते हुए उन्हें व्यापार सभा की जिला इकाई की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिलाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मुत्तालिब त्यागी के सामने व्यापारी समाज को संगठन से जोड़ने और व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की चुनौती होगी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में समाजवादी व्यापार सभा मुजफ्फरनगर में संगठन को और मजबूत करेगी तथा व्यापारी समाज की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाएगी।

मुत्तालिब त्यागी के समर्थकों ने कहा कि वह पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ नई जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।

चौरावाला गांव में खड़े ट्रक से बैटरियां चोरी: पीड़ित को 25 हजार का नुकसान, पुलिस में मामला दर्ज

ककरौली पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

मोरना(मुजफ्फरनगर)। मोरना क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर लगाम कसने के पुलिसिया दावों के बीच चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला ककरौली थाना क्षेत्र के ग्राम चौरावाला से सामने आया है, जहां शुक्रवार की रात बेखौफ चोरों ने मुख्य मार्ग के किनारे खड़े एक ट्रक को अपना निशाना बनाते हुए उसकी दो बैटरियां चोरी कर लीं। घटना से क्षेत्र के वाहन स्वामियों में दहशत और आक्रोश व्याप्त है। सुबह बैटरी बॉक्स खुला देख उड़े होश, 25 हजार रुपये का हुआ नुकसान प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चौरावाला निवासी तरीकत का ट्रक गांव के मुख्य मार्ग के किनारे खड़ा हुआ था। शनिवार की सुबह जब तरीकत अपने काम के सिलसिले में ट्रक के पास पहुंचा, तो उसने देखा कि गाड़ी का बैटरी बॉक्स खुला और टूटा हुआ पड़ा था।

25 हजार रुपये का हुआ नुकसान

गाडी के अंदर झांकने पर पता चला कि चोर गाड़ी में लगी दो कीमती बैटरियां

गायब कर चुके थे। पीड़ित वाहन स्वामी तरीकत के अनुसार, इस चोरी की घटना से उसे लगभग 25 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

सूचना पर पहुंची डायल 112, पुलिस जांच में जुटी

चोरी का पता चलते ही पीड़ित ने तत्काल आपातकालीन सेवा डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना करते हुए पीड़ित से मामले की विस्तृत जानकारी ली।

सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में जुटी पुलिस

मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ककरौली दीपक चौधरी ने बताया कि गांव चौरावाला में ट्रक से बैटरी चोरी होने की सूचना प्राप्त हुई है। पुलिस की टीम आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही चोरों की पहचान कर घटना का पदार्फाश किया जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मीरापुर के किथोड़ा में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी: जांच में जुटी पुलिस

मीरापुर। कस्बा व देहात क्षेत्र में वाहन चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला मीरापुर थाना क्षेत्र के ग्राम किथोड़ा से सामने आया है, जहां चोरों ने एक मकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल पार कर दी। सुबह उठने पर बाइक गायब मिलने से पीड़ित के होश उड़ गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

रात में घर के बाहर खड़ी की थी बाइक प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम किथोड़ा निवासी आरिफ पुत्र मुगलदीन (निवासी पॉपुलर बैंड के पीछे) ने रोजाना की तरह अपनी मोटरसाइकिल रात में अपने घर के बाहर खड़ी की थी। शनिवार सुबह जब वह किसी काम से बाहर जाने के लिए निकला, तो बाइक अपने नियत स्थान पर नहीं थी। बाइक को गायब देख पीड़ित के होश उड़ गए और उसने तत्काल परिजनों को इसकी सूचना दी।

काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

पीड़ित आरिफ ने आसपास के इलाकों, मोहल्ले और संभावित स्थानों पर बाइक की काफी खोजबीन की। जान-पहचान के लोगों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की गई, लेकिन वाहन का कोई सुराग नहीं लग सका। अज्ञात चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक को आसानी से चुरा ले जाने में कामयाब रहे।

तहरीर पर पुलिस ने शुरू की जांच

बाइक का कोई सुराग न मिलने पर पीड़ित आरिफ ने मीरापुर थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित तहरीर दी और कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों का सुराग लगाकर जल्द ही घटना का अनावरण किया जा सके।

जिला आर्य प्रतिनिधि सभा की कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव संपन्न

हरिओम त्यागी आर्य बने प्रधान, अनुप सिंह राठी आर्य लगातार चौथी बार मंत्री निर्वाचित

मुजफ्फरनगर। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा मुजफ्फरनगर की अंतरंग सभा (कार्यकारिणी) का त्रिवार्षिक चुनाव वर्ष 2026-2029 के लिए आर्य समाज मुजफ्फरनगर में शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी प्रदीप कुमार मलिक आर्य तथा चुनाव पर्यवेक्षक अशोक कुमार आर्य एवं आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक अनुराग आर्य की देखरेख में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव में सभी पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में प्रधान पद पर हरिओम त्यागी आर्य, वरिष्ठ उपप्रधान पद पर राजीव कुमार बुढाना, उपप्रधान पद पर ओमप्रकाश आर्य, संगीता आर्य एवं राजेन्द्र आर्य को चुना गया।

मंत्री पद पर अनुप सिंह राठी आर्य एडवोकेट को लगातार चौथी बार निर्विरोध निर्वाचित किया गया। वहीं वरिष्ठ उपमंत्री पद पर संजीव पंवार आर्य, उपमंत्री पद पर महेश पालीवाल एडवोकेट एवं अनिल कुमार आर्य निर्वाचित हुए।

इसी क्रम में कोषाध्यक्ष पद पर सुरेन्द्र कुमार पंडीर एडवोकेट, आर्यवीर दल अधिष्ठाता पद पर सुरेन्द्र पाल आर्य एडवोकेट तथा मीडिया प्रभारी पद पर शक्तिदेव आर्य का सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों का भी निर्विरोध निर्वाचन किया गया।

सभा में पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी और आर्य समाज के सिद्धांतों एवं सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने की अपेक्षा जताई।

सरकारी भूमि पर पेड़ कटवाने का मामला, आरोपियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम कैथोड़ा में सरकारी भूमि पर खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ों को काटे जाने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा काटे गए पेड़ों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। बताया गया कि ग्राम मुकल्लमपुरा निवासी संजीव और अंकित के खेत के निकट सरकारी भूमि पर यूकेलिप्टस के कई पेड़ खड़े थे। आरोप है कि इन लोगों ने मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे उक्त पेड़ों को कटवा दिया। पेड़ काटे जाने की सूचना कुछ लोगों ने वन विभाग को दी, जिसके बाद वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद तहसीलदार अजय सिंह, कानूनगो संजीव शर्मा, लेखपाल ओमवीर सिंह तथा वन क्षेत्राधिकारी अशोक शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

अधिकारियों ने मौके पर काटे गए पेड़ों को कब्जे में लिया और पेड़ काटने वाले लोगों को मौके पर बुलाने का प्रयास किया। बताया गया कि अधिकारियों के पहुंचने की जानकारी मिलते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। वन विभाग के कर्मचारियों ने एनएचएआई के कर्मचारियों से भी मामले को लेकर जानकारी ली। पूछताछ में एनएचएआई कर्मचारियों ने बताया कि जिन स्थानों पर पेड़ खड़े थे, वह सरकारी भूमि है और पेड़ों से किसानों का कोई संबंध नहीं है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच करेंगे। जांच के बाद सरकारी पेड़ काटने के आरोप में संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो नाबालिग बहनों के लापता होने से मचा था हड़कंप, पंजाब में मिलीं

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम कासमपुर से आठ सितंबर को घर से अचानक लापता हुईं दो नाबालिग सगी बहनों के पंजाब के व्यास आश्रम में मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। दोनों के अचानक गायब होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। परिजन लगातार दोनों की तलाश में जुटे हुए थे। मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार दोनों नाबालिग युवतियां आठ सितंबर को अचानक घर से लापता हो गई थीं। काफी तलाश करने के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका। इसी दौरान 11 सितंबर को एक युवती का फोन परिजनों के पास आया और उसने बताया कि दोनों पंजाब स्थित व्यास आश्रम में हैं। जानकारी मिलते ही परिजन पंजाब पहुंचे और दोनों को अपने साथ वापस लेकर मीरापुर थाने पहुंचे।

परिजनों ने आरोप लगाया कि पड़ोसी गांव राजपुर कला निवासी ऋतिक पुत्र ब्रजवीर दोनों नाबालिगों को बहला-फुसलाकर पहले मेरठ और बाद में दिल्ली ले गया। परिजनों ने एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म की आशंका भी जताई है। आरोप है कि बाद में युवक दोनों को ट्रेन में बैठाकर वहां से फरार हो गया। इसके बाद दोनों भटकते हुए पंजाब के व्यास आश्रम पहुंचीं, जहां आश्रम के लोगों ने उनकी सहायता की। बाद में एक नाबालिग ने फोन कर परिजनों को जानकारी दी। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि आरोपी युवक की तलाश की जा रही है और शीघ्र ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने दोनों नाबालिगों के बयान दर्ज कर लिए हैं तथा चिकित्सकीय परीक्षण के लिए उन्हें जिला चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि जांच और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ाना में अवैध क्लीनिक सील: स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से झोलाछापों में हड़कंप, दो क्लीनिकों को थमाया नोटिस

स्वास्थ्य विभाग ने बिना रजिस्ट्रेशन अस्पतालों को दी कडी चेतावनी

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। कस्बे में अवैध व बिना पंजीकरण के धड़ल्ले से चलाए जा रहे फर्जी क्लीनिकों और नर्सिंग होम पर स्वास्थ्य विभाग ने अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कांधला रोड पर अचानक छापेमारी की कार्रवाई करते हुए एक बिना दस्तावेज चल रहे क्लीनिक को सील कर दिया। इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में अवैध रूप से दुकान सजाए झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है।

पंजीकृत डॉक्टर की जगह इलाज कर रहा था अप्रशिक्षित व्यक्ति

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम को कांधला रोड पर इसरार राणा के नाम से एक क्लीनिक के अवैध रूप से संचालित होने की सूचना मिली थी। टीम ने जब मौके पर छापा मारा तो स्थिति चौंकाने वाली मिली। जांच के दौरान पाया गया कि क्लीनिक में किसी पंजीकृत चिकित्सक के बजाय एक अप्रशिक्षित व्यक्ति मरीजों का इलाज कर रहा था। टीम द्वारा पूछताछ करने पर वह व्यक्ति इलाज करने से संबंधित कोई भी मेडिकल डिग्री या वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं

कर सका।

दस्तावेज न मिलने पर मौके पर सीलिंग, दो क्लीनिकों को नोटिस

कार्रवाई की अगुवाई कर रहे सीएचसी प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान संबंधित व्यक्ति से क्लीनिक के पंजीकरण और चिकित्सीय योग्यता के दस्तावेज मांगे गए थे, लेकिन वह एक भी वैध प्रमाण पत्र नहीं दिखा पाया। जनस्वास्थ्य के खिलवाड़ को देखते हुए मौके पर ही उक्त क्लीनिक को सील कर दिया गया।

दो क्लीनिकों को जारी किया नोटिस

डॉ. तेवतिया ने आगे बताया कि स्थानीय लोगों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए क्षेत्र के 'दीवान क्लीनिक' और 'चौधरी क्लीनिक' को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की इस सख्त कार्रवाई के बाद से कस्बे के फर्जी डॉक्टरों में भगदड़ जैसी स्थिति बनी रही। कई झोलाछाप दुकानें बंद कर फरार हो गए। मरीजों से हो रहा खिलवाड स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कस्बे और देहात क्षेत्र में लंबे समय से दर्जनों संदिग्ध क्लीनिक बिना किसी बोर्ड या पहचान पत्र के अवैध रूप से चलाए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि ऐसे फर्जी सेंटरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 4.41 लाख प्रकरणों का निस्तारण, करोड़ों रुपये के मामलों का हुआ समाधान

मुजफ्फरनगर जनपद न्यायालय में दीप प्रज्ज्वलन के साथ लोक अदालत का शुभारंभ, समझौते से मामलों के निस्तारण पर जोर–मोटर दुर्घटना के 107 वादों में 9.45 करोड़ रुपये का प्रतिकर, 13 हजार से अधिक राजस्व मामलों का भी निस्तारण

मुजफ्फरनगर। जनपद न्यायालय मुजफ्फरनगर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती गरिमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों और बड़ी संख्या में वादकारियों की मौजूदगी रही। लोक अदालत में आपसी सुलह-समझौते के आधार पर बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण किया गया।

लोक अदालत में हार-जीत का सवाल नहीं, आपसी सौहार्द बना रहता है

शुभारंभ अवसर पर प्रभारी जनपद न्यायाधीश गरिमा सिंह ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर होने वाले फैसलों में हार-जीत का प्रश्न नहीं रह जाता। जब वादकारी अपनी सहमति से विवाद का समाधान करते हैं तो उनके बीच आपसी सौहार्द बना रहता है। साथ ही मुकदमेबाजी में लगने वाले समय और धन की भी बचत होती है।

उन्होंने कहा कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य वादकारियों को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। लोक अदालत के माध्यम से ऐसे मामलों का भी शीघ्र समाधान संभव होता है, जिनमें लंबे समय तक न्यायालय में कार्यवाही चलती रहती है।

बैंक अधिकारियों को ऋण मामलों में अधिकतम छूट देने के निर्देश

प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने लोक अदालत में मौजूद विभिन्न बैंकों के अधिकारियों को ऋण संबंधी मामलों के निस्तारण में अधिकतम छूट देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारी वादकारियों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आपसी समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि बैंक और ऋण लेने वाले दोनों पक्षों के विवाद समाप्त हो सकें।

परिवार न्यायालयों ने 125 मामलों का कराया निस्तारण

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्री खलीकुज्जमा ने पारिवारिक विवादों को सुलह-समझौते के माध्यम से समाप्त किए जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक मामलों में समझौते के माध्यम से विवाद समाप्त होने से परिवारों में आपसी संबंध और सौहार्द बनाए रखने में मदद मिलती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान परिवार न्यायालयों द्वारा 125 पारिवारिक मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया।

लोक अदालत कमजोर और वंचित वर्ग के लिए वरदान

लोक अदालत के नोडल अधिकारी अपर जिला जज एवं एफटीसी कोर्ट संख्या-03 रवि कुमार दिवाकर ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत विवादों को सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित कराने का एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह त्वरित न्याय प्राप्त करने का महत्वपूर्ण साधन है और समाज के वंचित तथा कमजोर वर्ग के लोगों के लिए लोक अदालत किसी वरदान से कम नहीं है।

4 लाख 41 हजार 556 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सिविल जज वरिष्ठ प्रभाग एवं सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 4,41,556 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। बड़ी संख्या में मामलों के निस्तारण से जहां वादकारियों को राहत मिली, वहीं न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में भी मदद मिली।

मोटर दुर्घटना के 107 मामलों में 9.45 करोड़ रुपये का प्रतिकर

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण की पीठासीन अधिकारी श्रीमती आदेश नैन की अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान 107 वादों का निस्तारण किया गया। इन मामलों में पीड़ित पक्षों को कुल 9 करोड़ 45 लाख 82 हजार रुपये का प्रतिकर प्रदान किया गया।

फौजदारी और दीवानी मामलों में भी बड़ी संख्या में निस्तारण

जनपद न्यायालय के विभिन्न न्यायालयों द्वारा कुल 5,630 शमनीय फौजदारी वादों तथा 34 दीवानी वादों का निस्तारण किया गया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 13 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

भोपा क्षेत्र में दबंगो के हौंसले बुलंद:खुलेआम हाथों में तमंचे लहराते फोटो वायरल, युवकों से की मारपीट, पुलिस मौन

भोपा पुलिस की शिथिलता से नाराज ग्रामीण एसएसपी से मिले, कार्रवाई की मांग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद में पुलिस प्रशासन के कानून व्यवस्था को चुस्त दुरस्त करने के दावों के बावजूद भोपा थाना क्षेत्र में दबंगों के हौसले इतने बुलंद हैं, कि वायरल वीडियो और फोटों में दबंग गांवो में खुलेआम तमंचे लहराकर दहशत फैलाते नजर आ रहे है। सिताबपुरी गांव में कंदूरी के एक धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे युवकों को रास्ते में रोककर दबंगों ने न केवल गाली-गलौज और जानलेवा मारपीट भी की। इतना सबकुछ होते हुए भी भोपा पुलिस दबंगो के खिलाफ कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। इस मामले में पुलिस की शिथिलता से नाराज पीड़ित परिवार ने शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर के दरबार में गुहार लगाकर आरोपियों

के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की मांग की है।

कंदूरी कार्यक्रम के बाद घर लौटते वक्त घेरा

प्राप्त विवरण के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के ग्राम महाराजनगर निवासी राजेश पुत्र वीर सिंह के घर पर बीते 30 अगस्त 2026 को कंदूरी का कार्यक्रम आयोजित था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गांव मानवाला से मोहित पुत्र चंद्रभान तथा कनखल से शिशांत पुत्र कावेंद्र आए हुए थे। शाम लगभग 4 बजे पीड़ित के परिवार के नीरज पुत्र सीताराम व सुमित पुत्र चंद्रपाल, अतिथि शिशांत व मोहित को छोड़ने के लिए लक्सर जा रहे थे।

सिताबपुरी के पास तमंचे लहराते मिले दबंग पीड़ित राजेश ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि जैसे ही उनके परिजन और मेहमान ग्राम सिताबपुरी (थाना भोपा) के पास पहुंचे, तो वहां पहले से घात लगाए बैठे मोहित पुत्र ज्ञानचंद, शिवम पुत्र जगत सिंह और जीवन पुत्र यशपाल ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि तीनों दबंग हाथों में अवैध तमंचे लिए हुए थे। आरोपियों ने शिशांत, मोहित, शिवम, जीवन और मोहित पुत्र चंद्रभान के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से गंभीर मारपीट की।

वायरल फोटो के बाद भी पुलिस मौन

पीड़ित का आरोप है कि घटना के दौरान आरोपियों के हाथों में तमंचे लहराते हुए फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इसके बावजूद 'ढ्ढ' पुलिस (भोपा थाना) ने अब तक आरोपियों पर कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की है। खुले घूम रहे दबंगों के कारण पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। राजेश ने आशंका जताई है कि आरोपी आइंदा उनके परिवार के साथ किसी बड़ी गंभीर घटना को अंजाम दे सकते हैं या जानी-माली नुकसान पहुंचा सकते हैं।

सख्त कार्रवाई और जेल भेजने की मांग

पीड़ित राजेश ने एसएसपी मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र के साथ वायरल वीडियो और तस्वीरों के प्रिंटआउट संलग्न कर सौंपे हैं। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि थानाध्यक्ष भोपा को तत्काल निर्देशित कर आरोपी मोहित, शिवम और जीवन के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई जाए और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए।

मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल: मरीज को रेफर करने के लिए नर्स ने मांगे तीन हजार रुपये, सीएमओ ने किया निलंबित

स्टाफ नर्स का वीडियो वायरलः तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित, सेवा समाप्ति की तैयारी

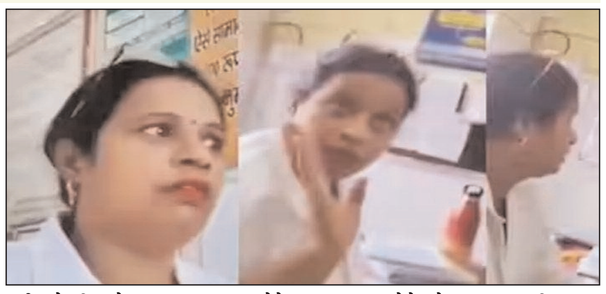

मुजफ्फरनगर। जिला चिकित्सालय के आपातकालीन वार्ड में मानवता को शर्मसार करने वाली एक तस्वीर सामने आई है। यहां इलाज के नाम पर अस्पताल को वसूली का अड्डा बनाने वाली एक संविदा स्टाफ नर्स पर गाज गिर गई है। भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले घायल मरीज सत्यम को हायर सेंटर रेफर करने के नाम पर तीन हजार रुपये की अवैध वसूली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने नर्स को निलंबित करते हुए उसके विरुद्ध जांच के निर्देश जारी किए।

जिला चिकित्सालय के आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीज (सत्यम) को हायर सेंटर रेफर करने के एवज में एनएचएम संविदा स्टाफ नर्स पूजा द्वारा तीन हजार रुपये लेने का मामला सामने आया। तीमारदारों से पैसे लेते हुए नर्स का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें कोर्ट में गवाही देने की बात भी कही गई। सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने आरोपी नर्स पूजा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। जिला अस्पताल में रिश्वत के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने तुरंत कड़ा एक्शन लेते हुए एनएचएम के तहत कार्यरत आरोपी स्टाफ नर्स पूजा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वीडियो में साफ तौर पर देखा गया कि नर्स किस बेखौफ अंदाज में तीमारदारों से पैसे ले रही है और बदले में कोर्ट में गवाही देने का सौदा कर रही है।

पहले भी आ चुका है कारनामों का इतिहास

सूत्रों के अनुसार, आरोपी नर्स पूजा का विवादों से पुराना नाता रहा है। कुछ महीने पहले जब वह महिला चिकित्सालय में तैनात थीं, तब भी उनका एक रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल हुआ था। उस समय विभागीय स्तर पर लीपापोती करते हुए उन्हें केवल जिला चिकित्सालय स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन उनकी कार्यशैली में कोई सुधार नहीं आया। अब दोबारा वीडियो वायरल होने के बाद आखिरकार प्रशासन को कड़ा कदम उठाना पड़ा है। सीएमओ ने स्पष्ट किया है कि मामले की गहन जांच कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जांच के लिए बनी विशेष कमेटी

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय कुमार द्वारा रिपोर्ट भेजे जाने के बाद सीएमओ ने इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। एसीएमओ डॉ. दिव्या वर्मा, डॉ. विपिन कुमार और डॉ. अशोक को इस समिति में शामिल किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच समिति की रिपोर्ट मिलते ही आरोपी नर्स की सेवा समाप्ति का प्रस्ताव शासन और विभागीय उच्च समिति को भेजा जाएगा, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को इस तरह के भ्रष्टाचार से मुक्त रखा जा सके।

खालापार पुलिस ने पांच घंटे में खोली चोरी की वारदात, शातिर चोर गिरफ्तार

निमार्णाधीन मकान से बिजली फिटिंग के तारों के बंडल चोरी कर कॉपर निकालकर बेचने जा रहा था आरोपी, 1200 ग्राम कॉपर बरामद

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का महज पांच घंटे में खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए बिजली फिटिंग के तारों को जलाकर निकाला गया करीब 1200 ग्राम कॉपर बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी चोरी के तारों से कॉपर निकालकर उसे बेचने की फिराक में था। बरामद कॉपर उसी चोरी की घटना से संबंधित बताया गया है।

निमार्णाधीन मकान से चोरी हुए थे बिजली के तारों के बंडल

थाना खालापार प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार को आस मोहम्मद पुत्र तौसीफ निवासी कूंगर पट्टी, सूजडू ने थाना खालापार पहुंचकर तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि कूंगर पट्टी सूजडू में स्थित उनके मकान से किसी अज्ञात व्यक्ति ने बिजली फिटिंग के तारों के कुछ बंडल चोरी कर लिए हैं। तहरीर के आधार पर थाना खालापार पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक महेंद्र प्रताप सिंह को सौंपी गई। सीसीटीवी कैमरों की जांच और मुखबिर तंत्र से मिली कामयाबी

घटना के खुलासे और चोरी के माल की

बरामदगी के लिए थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही पुलिस ने मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया। पुलिस के मुताबिक जांच और सुरागों के आधार पर टीम आरोपी तक पहुंचने में जुटी रही। इसी क्रम में रात मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने शामली बाईपास रोड स्थित वहलना पुल के नीचे घेराबंदी की।

वहलना पुल के नीचे से आरोपी अकरम गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने वहलना पुल के नीचे से अकरम पुत्र यामीन कुरैशी निवासी मोहल्ला लिकड़ा पट्टी, ग्राम सूजड़ू, थाना खालापार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से बिजली फिटिंग के तारों को जलाकर निकाला गया करीब 1200 ग्राम कॉपर बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद कॉपर को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

तार जलाकर निकाला था कॉपर, बेचने की तैयारी में था आरोपी

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि उसके पास बरामद सामान बिजली के तारों से निकाला गया कॉपर है। उसके अनुसार 11 सितंबर को कूंगर पट्टी, सूजडू में एक निमार्णाधीन मकान में बिजली के तारों के बंडल रखे हुए दिखाई दिए थे। उसने मौका देखकर तारों के बंडल चोरी कर लिए।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बाद में बिजली के तारों को जलाकर उनमें से कॉपर निकाल लिया था और इसी कॉपर को बेचने के लिए ले जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि बरामद कॉपर चोरी की घटना से संबंधित पाया गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। आरोपी को समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

बीएसए कार्यालय पर शिक्षा मित्रों का प्रदर्शन: मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मानदेय बढ़ाने और स्थायी समायोजन की मांग को लेकर की नारेबाजी

मुजफ्फरनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय परिसर उस समय अखाड़े में तब्दील हो गया जब बड़ी संख्या में शिक्षा मित्र अपनी लंबित मांगों को लेकर वहां एकत्र हुए और जोरदार प्रदर्शन किया। लंबे समय से आर्थिक तंगी और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे शिक्षा मित्रों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रोष प्रकट किया। मानदेय वृद्धि पर ठोस नीति बनाए सरकार

शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के बैनर तले में शिक्षा मित्रों ने बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्षों से अल्प मानदेय पर कार्य कर रहे शिक्षा मित्रों का जीवन यापन बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि उनके स्थायी समायोजन और सम्मानजनक मानदेय वृद्धि को लेकर ठोस नीति बनाई जाए। प्रदर्शन के अंत में शिक्षा मित्रों ने एक प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा, जिसमें चेतावनी दी गई कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इन मांगों के लिए उठाई मांग

प्रदर्शन के दौरान मांग की गई कि शिक्षा मित्रों को सेवारत शिक्षकों की भांति विशेष टेट कराए जाने, 62 वर्ष की स्थाई सेवा नियमावली बनाए जाने, जिले के अंदर व बाहर स्थानांतरण कराया जाए। इस दौरान जिला अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान ने कहा कि सरकार सेवारत शिक्षकों को विशेष टेट करा रही है। शिक्षामित्र को बीटीसी प्रशिक्षण भी सेवारत मानते हुए कराया गया है। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष नीरज त्यागी, नाजमा जैदी, जिला उपाध्यक्ष लियाकत अली, भारती देवी, तबस्सुम, नीरज बालियां, मोनिका देवी,वीरपाल सिंह, गौहर खातून आदि शिक्षामित्र मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में रोलिंग मिल पर सीजीएसटी का छापा: टैक्स चोरी के संदेह में जांच, उद्योगपतियों में हड़कंप

अंबा रोलिंग मिल से कब्जे में लिये वित्तीय दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य

मुजफ्फरनगर। नगर के व्यस्त मेरठ रोड स्थित एक प्रमुख रोलिंग मिल पर केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) देहरादून मुख्यालय की टीम ने अचानक छापेमारी कर बड़े पैमाने पर जांच-पड़ताल की। केंद्र सरकार की इस अप्रत्याशित कार्रवाई से मेरठ रोड स्थित संपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र तथा आसपास संचालित अन्य रोलिंग मिलों के संचालकों व लोहा कारोबारियों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई की भनक मिलते ही क्षेत्र के कई अन्य व्यापारी अपनी दुकानों, कार्यालयों और औद्योगिक इकाइयों के कागजात समेटते नजर आए।

गुप्त सूचना पर पहुंची विशेष टीम

सूत्रों के अनुसार, कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की पुख्ता गुप्त सूचना के आधार पर CGST देहरादून की विशेष टीम कई वाहनों के काफिले के साथ अचानक मेरठ रोड स्थित अंबा रोलिंग मिल परिसर पहुंची। टीम के सदस्यों ने मिल परिसर में प्रवेश करते ही सुरक्षा के लिहाज से मुख्य दरवाजों को बंद करवा दिया। इसके बाद अंदर मौजूद खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, स्टॉक रजिस्टर, बिलिंग फाइलों और कंप्यूटर डेटा की बारीकी से पड़ताल शुरू की गई। भौतिक सत्यापन और साक्ष्यों की जब्ती जांच दल ने मिल में मौजूद तैयार माल और कच्चे माल के स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी किया। अधिकारियों ने घंटों तक कागजातों का मिलान किया और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को आगे की कानूनी जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया।

हालांकि, कार्रवाई के दौरान सीजीएसटी टीम के अधिकारियों ने मीडिया से पूरी दूरी बनाए रखी। अधिकारियों का कहना है कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह समाप्त होने के बाद ही इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। दूसरी ओर, इस अचानक हुई छापेमारी के चलते जिले भर के प्रमुख उद्योगपतियों और लोहा व्यापारियों में दिनभर अनिश्चितता और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मोरना चीनी मिल के विस्तारीकरण का टेंडर फिर निरस्त:किसानों ने जताई गहरी नाराजगी, अब 14 सितंबर को होगी पांचवीं बार बोली

पितृ पक्ष के बाद मुख्यमंत्री करेंगे मिल का शिलान्यासः सांसद चंदन चौहान

मुजफ्फरनगर। मोरना क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित सहकारी चीनी मिल मोरना के विस्तारीकरण का मामला एक बार फिर अटका गया है। लखनऊ में हुई प्रक्रिया में चौथी बार भी मिल के विस्तारीकरण का टेंडर निरस्त हो गया। नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के लिए न्यूनतम चार कंपनियों का होना अनिवार्य है, लेकिन इस बार मात्र दो ही कंपनियों ने इसमें रुचि दिखाई। अब जेम पोर्टल के माध्यम से पांचवीं बार आगामी 14 सितंबर को कंपनियां बोली लगाएंगी, जिसके बाद ही तस्वीर साफ हो सकेगी। मिल प्रबंधक बीपी पांडेय ने 14 सितंबर को प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद जताई है। सांसद चंदन चौहान ने दी सफाई, किसानों का छलका दर्द

इस मामले पर बिजनौर के राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) सांसद चंदन चौहान ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार मिल के विस्तारीकरण को लेकर पूरी तरह गंभीर है। पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया के तहत 35 हजार क्विंटल गन्ना पेराई क्षमता वाली नई यूनिट स्थापित की जाएगी, जिसका निर्माण कार्य दो पेराई सत्रों में पूरा होगा। उन्होंने संभावना जताई कि पितृ पक्ष समाप्त होने के बाद किसी शुभ मुहूर्त में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद मोरना आकर इस परियोजना का शिलान्यास कर सकते हैं।

किसानों में भारी रोष व्याप्त

दूसरी ओर, बार-बार टेंडर रद्द होने से क्षेत्र के किसानों में भारी रोष व्याप्त है। गांव यूसुफपुर के किसान टीनू चौधरी का कहना है कि कागजों से बाहर धरातल पर कोई काम नजर नहीं आ रहा है, जिससे प्रशासन और सरकार पर से भरोसा डगमगा रहा है। बेहड़ा सादात के प्रधान बबलू चौधरी और भोकरहेड़ी के प्रदीप सहरावत ने सरकार से नियमों में थोड़ी ढील देने या त्वरित पैरवी कर प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की है। वहीं, अथाई गांव के किसान श्यामवीर सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि 14 सितंबर को भी टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो किसान चुप नहीं बैठेंगे।

हिंदू संगठन के नाम पर दलाली और अवैध उगाई कर रहे नेता के खिलाफ कार्यवाही की मांग

मुजफ्फरनगर। हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने सीओ सिटी से मुलाकात कर अपने ही एक पूर्व कार्यकर्ता प्रहलाद पाहूजा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। और कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायती पत्र सौंपा है। हिंदू युवा वाहिनी के नेताओं का आरोप है कि प्रहलाद पाहूजा को उनकी गलत गतिविधियों, जमीनों व प्लॉटों पर अवैध कब्जे और फजीर्वाड़े करने और अवैध वसूली करने के कारण पहले ही संगठन से निष्कासित किया जा चुका था। इसके बाद उसने 'राष्ट्रीय हिंदू युवा वाहिनी' नाम से एक समांतर फर्जी संगठन बना लिया और लोगों में अभी भी हिंदू युवा वाहिनी के नाम

से डर और भय पैदा कर अवैध उगाही कर रहा है। पदाधिकारियों का कहना है कि हिंदू युवा वाहिनी एक पंजीकृत (रजिस्टर्ड) संगठन है जिसका ट्रेडमार्क उनके पास है, जबकि प्रहलाद पाहूजा इसके नाम का दुरुपयोग कर दलाली और समाज विरोधी बयानबाजी कर रहा है। हिंदू युवा वाहिनी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष चौधरी अतुल अहलावत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अकद्वारा बनाई गई फर्जी फोटो लगाकर जनता को भ्रमित करने का भी गंभीर आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा प्रशासन इस पर ठोस कार्यवाही करें और यदि कहीं पर भी हमें हिंदू युवा वाहिनी संगठन का नाम इस्तेमाल करता हुआ प्रहलाद पहुंचा या उससे जुड़े लोग मिल गए तो हम अपने हिसाब से भी उसका इलाज कर देंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रहलाद पाहुजा के दलाली और अवैध उगाही से संबंधित के ही जरूरी दस्तावेज हमारे पास मौजूद है जो हमने पुलिस अधिकारियों को भी दिए हैं। उन्होंने बताया कि आज सीओ सिटी साहब ने ठोस कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

किन्नर के साथ फरार पति की सफाई, बोला- राबिया को नहीं दिया तीन तलाक

जोया नाम की किन्नर से पुराने संबंधों की बात स्वीकार की, कहा- करीब आठ महीने पहले खत्म हो चुका रिश्ता; ओडिशा से वीडियो जारी कर पति ने कहा- राबिया आज भी मेरी पत्नी, उसके साथ रहना चाहता हूं

मुजफ्फरनगर। तीन बच्चों की मां राबिया और उसके पति के बीच चल रहे विवाद में शनिवार सुबह नया मोड़ आ गया। राबिया द्वारा पुलिस कार्यालय पहुंचकर पति पर उसे छोड़ने, तीन तलाक देने और जोया नाम की किन्नर के साथ चले जाने के आरोप लगाए जाने के बाद पति का वीडियो सामने आया है। ओडिशा में रह रहे पति ने शनिवार सुबह करीब सात बजे वीडियो जारी कर अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई दी। पति का कहना है कि उसने राबिया को तीन तलाक नहीं दिया है। उसका दावा है कि राबिया आज भी उसकी पत्नी है और वह उसके साथ रहना चाहता है।

पत्नी के आरोपों के बाद सामने आया पति का पक्ष

राबिया ने पुलिस कार्यालय पहुंचकर पति पर गंभीर आरोप लगाए थे। उसका कहना था कि पति उसे छोड़कर जोया के साथ चला गया और उसे तीन तलाक दे दिया। राबिया ने पुलिस से मामले में इंसाफ की गुहार लगाई थी और अपने पास मौजूद वीडियो पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही थी। इसके बाद शनिवार सुबह पति की ओर से वीडियो सामने आया। उसने अपने बयान में कहा कि दोनों के बीच विवाद जरूर हुए हैं, लेकिन उसने राबिया को तलाक नहीं दिया। पति के मुताबिक, वह अपनी पत्नी को छोड़ना नहीं चाहता और उसके साथ ही रहना चाहता है।

जोया के साथ पुराने संबंधों की बात पति ने मानी

पति ने वीडियो में जोया के साथ अपने पुराने संबंधों की बात स्वीकार की। उसने कहा कि जोया के साथ उसकी दोस्ती और प्रेम संबंध रहे थे, लेकिन दोनों करीब आठ महीने पहले ही अलग हो चुके हैं। पति का दावा है कि अब उसका जोया के साथ कोई संबंध नहीं है। उसने राबिया को छोड़कर जोया के साथ रहने के आरोप को भी गलत बताया। उसके अनुसार, पुराने रिश्ते को वर्तमान स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है।

पति का दावा- राबिया को पहले से थी संबंधों की जानकारी

पति ने वीडियो में दावा किया कि राबिया को उसके और जोया के संबंधों की जानकारी पहले से थी। उसके अनुसार, राबिया और जोया के बीच भी परिचय

था और दोनों एक-दूसरे को जानती थीं। पति का दावा है कि जोया ने राबिया की आर्थिक मदद भी की थी। उसने कहा कि जोया ने राबिया का ब्यूटी पार्लर खुलवाने में आर्थिक सहयोग किया और काफी समय तक उसके खर्च में भी मदद की। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पति ने जोया से अपनी पहली मुलाकात को लेकर भी सफाई दी। उसका दावा है कि उसकी मुलाकात जोया से किसी बाहरी व्यक्ति के माध्यम से नहीं हुई थी। पति के मुताबिक, राबिया के भाई ने ही उसकी मुलाकात जोया से कराई थी। उसने दावा किया कि मुलाकात के बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में यह संबंध प्रेम संबंध में बदल गया। पति का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी राबिया को भी थी। जोया की पहचान को लेकर पति ने किया दावा वीडियो में पति ने जोया की पहचान को लेकर भी अपनी बात रखी। उसका कहना है कि जोया पहले किन्नर के रूप में पहचानी जाती थी, लेकिन बाद में उसने जेंडर से संबंधित चिकित्सकीय प्रक्रिया कराई और अब खुद को महिला के रूप में पहचानती है। पति ने दावा किया कि इस प्रक्रिया में करीब पांच लाख रुपये खर्च हुए। हालांकि, चिकित्सकीय प्रक्रिया और खर्च की इस जानकारी की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो वायरल होने के बाद नौकरी जाने का दावा पति ने दावा किया कि राबिया की ओर से जोया से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए थे। उसके मुताबिक, वीडियो वायरल होने के बाद उसकी नौकरी चली गई। उसने बताया कि मुजफ्फरनगर में काम नहीं मिलने के बाद वह ओडिशा चला गया। फिलहाल वह ओडिशा में फल के गोदाम में काम कर रहा है। पति का कहना है कि नौकरी जाने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हुई। पति ने राबिया की बीमारी को लेकर भी कुछ दावे किए। उसका कहना है कि राबिया दो गंभीर बीमारियों से जूझ रही है और उसके इलाज का खर्च भी जोया उठाती रही है। पति ने दावा किया कि राबिया की ओर से लगातार आर्थिक मदद और रुपये की मांग की जाती थी, जिसे लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद होता रहा। उसके मुताबिक, इन्हीं परिस्थितियों के बीच जोया ने करीब आठ महीने पहले उससे संबंध खत्म कर लिए थे। तीन तलाक के आरोप को पति ने बताया गलत

मामले में सबसे बड़ा विरोधाभास तीन तलाक को लेकर सामने आया है। राबिया का आरोप है कि पति ने उसे तीन तलाक देकर छोड़ दिया, जबकि पति ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसने राबिया को तलाक नहीं दिया। पति का कहना है कि दोनों के बीच घरेलू विवाद और मतभेद जरूर हुए हैं, लेकिन उसने अपनी पत्नी से रिश्ता खत्म नहीं किया। उसने वीडियो में यह भी कहा कि राबिया आज भी उसकी पत्नी है और वह उसके साथ रहना चाहता है।

संपादकीय

लोकतंत्र में प्रदर्शन की आज़ादी और पुलिस की बेलगाम कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और नोएडा मजिस्ट्रेट द्वारा दिए गए नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करार दिया है। कुछ समय पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर काकरोच जनता पार्टी की अगुआई में विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस ने जिस तरह की बेलगाम कार्रवाई की थी, उस पर हर तरफ से तीखे सवाल उठे थे।यह भी कहा गया कि अगर विद्यार्थियों का अपने मुद्दों पर बात करना, सरकार से खामियों को दुरुस्त करने की मांग करना इतना मुश्किल है और इसके बदले उन्हें पुलिस की बेरहम कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, तो यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे के कितना अनुरूप है।यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मसले पर तीखी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और मारपीट देखना बेहद दुखद है। अदालत ने यह भी कहा कि पुलिस अफसरों से अपेक्षित तटस्थता भी गायब होती दिख रही है। कायदे से पुलिस-प्रशासन और सरकार को अदालत की इस टिप्पणी पर गौर करते हुए अपने रवैये में सुधार करने की जरूरत थी। मगर शीर्ष अदालत की टिप्पणियों की पुलिस को कितनी फिक्र है, यह सिर्फ इतने से ही समझा सकता है कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने को कारण बता कर विद्यार्थियों को नोटिस देना शुरू कर दिया गया है। जबकि इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट पुलिस के रवैये पर नाराजगी जता चुका है।गौरतलब है कि जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के एक छात्र के खिलाफ नोटिस जारी कर दिया था। इस मसले पर सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने साफ शब्दों में कहा कि शीर्ष अदालत के पहले के आदेश के बावजूद मजिस्ट्रेट ने ऐसा नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की।दरअसल, अदालत ने अपने पहले के आदेश में साफ तौर पर कहा था कि किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी। जाहिर है, दिल्ली में प्रदर्शन और उसमें हुई कार्रवाई के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्पष्ट लहजे में पुलिस और प्रशासन को एक बार फिर उसकी सीमा याद दिलाई है। हालांकि छात्र को जारी नोटिस बाद में वापस ले लिया गया, लेकिन यह विचित्र है कि नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट को यह कार्रवाई करते हुए अदालत के निर्देश का खयाल रखने की जरूरत महसूस नहीं हुई थी।सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद अगर किसी छात्र को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है, इस दुस्साहस का स्रोत आखिर क्या है? क्या ऐसा परोक्ष रूप से सरकार के संरक्षण और निर्देश की वजह से किया जाता है? अगर ऐसा नहीं है, तो पुलिस या प्रशासन की नजर में शीर्ष अदालत के निर्देशों की क्या अहमियत है? यह समझना मुश्किल है कि जब पुलिस को किसी आंदोलन से निपटने के लिए तैनात किया जाता है, तो संवाद के जरिए समाधान की राह खोजने के बजाय कई बार वह बिना किसी हिचक के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अधिकतम बेरहम क्यों हो जाती है।

एक और छोटी सी बात ने सबका ध्यान खींचा। जब मोदी जा रहे थे, तो पुतिन उन्हें हवाई अड्डे तक छोड़ने गए। भारतीय अधिकारियों ने इस भाव को सहज बताया। मोदी के जाने से पहले दोनों नेताओं ने फिर से बात की। सोची सम्मेलन ने एक ऐसी बात स्थापित की जो आने वाले वर्षों में बार-बार दोहराई जाएगी। जब मोदी और पुतिन मिलते हैं, तो सबसे महत्वपूर्ण बातचीत जरूरी नहीं कि औपचारिक शिखर सम्मेलन की मेज पर ही हो। कुछ ही महीनों में यह प्रयोग दोहराया गया। पुतिन अक्टूबर 2018 में वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली पहुंचे। औपचारिक कार्यक्रम से पहले, मोदी ने अपने आधिकारिक आवास पर उनके लिए एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस रात्रिभोज को सोची में हुई उनकी बातचीत की निरंतरता के रूप में देखा गया। भारतीय अधिकारियों ने इस रिश्ते को एक लेन-देन से कहीं अधिक स्थायी बताया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेता दीर्घकालिक संबंधों के बारे में सोच रहे हैं।

भारत-रूस की दोस्ती का 'पावर शो'! दुनिया को दिया साफ संदेश

(विवेक अवस्थी)

यह तस्वीर द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की है। दोनों नेता एक कार में सवार होकर भारत मंडपम में प्रदर्शनी के लिए जा रहे हैं। दुनिया की तमाम उठापठक और अमेरिका-ईरान युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक खास तस्वीर निकलकर सामने आई। इस तस्वीर को लेकर तमाम एक्सपर्ट अपने-अपने तरीके से इसका विश्लेषण कर रहे हैं।दरअसल, यह तस्वीर द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की है। दोनों नेता एक कार में सवार होकर भारत मंडपम में प्रदर्शनी के लिए जा रहे हैं। इससे पहले दिल्ली में शुक्रवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात की। दोनों की यह मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली। इस अहम सम्मेलन में दुनिया की नजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात पर रहेंगी। दोनों नेताओं की यह बैठक ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के शुरू होने से एक दिन पहले हुई है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत-रूस संबंध एक जटिल अंतरराष्ट्रीय माहौल से गुजर रहे हैं, जिसमें यूक्रेन युद्ध, चीन पर रूस की बढ़ती निर्भरता और अमेरिका के साथ भारत के बढ़ते संबंध रणनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। फिर भी, मोदी और पुतिन के बीच व्यक्तिगत संबंध उल्लेखनीय रूप से स्थिर रहे हैं। इसका एक कारण रक्षा सौदों और राजनयिक बयानों से कहीं अधिक स्पष्ट हो सकता है। पिछले एक दशक में, दोनों नेताओं ने अनौपचारिक रूप से बातचीत और मेलजोल के लिए बार-बार निजी, अनौपचारिक समय निकाला है और धीरे-धीरे इसे अपने संबंधों की एक विशिष्ट विशेषता बना लिया।

मॉस्को की वो शाम जब मामला व्यक्तिगत लगने लगा – इस अनौपचारिक मुलाकात की जड़ें दिसंबर 2015 में देखी जा सकती हैं, जब मोदी वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए मॉस्को गए थे। पुतिन ने औपचारिक शिखर सम्मेलन का इंतजार किए बिना ही प्रधानमंत्री के साथ कुछ निजी समय बिताने का फैसला किया। उन्होंने क्रेमलिन में मोदी से मुलाकात की और फिर मॉस्को के बाहर स्थित अपने आवास नोवो-ओगार्योवो में उन्हें रात्रि भोज पर आमंत्रित किया। क्रेमलिन ने इस मुलाकात को अनौपचारिक बताया था और कहा कि इसमें कोई पत्रकार मौजूद नहीं था। यह दोनों नेताओं के बीच एक निजी बातचीत थी। भारतीय विदेश

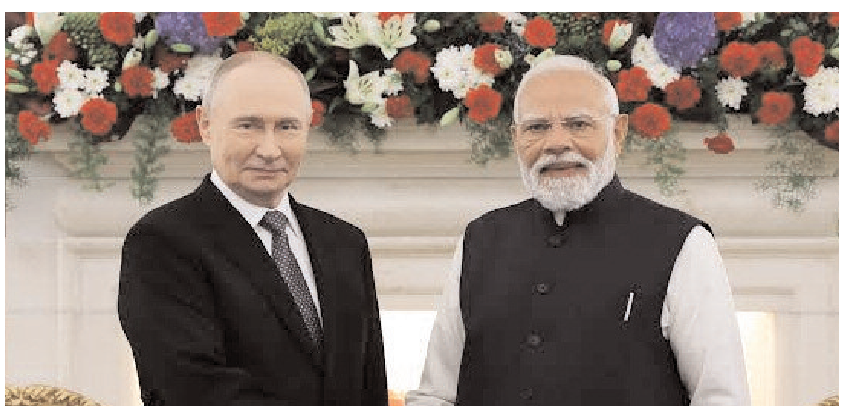

मंत्रालय के प्रवक्ता ने तो इस मुलाकात को रात्रि भोज पर दोस्ती का निर्माण तक कह दिया था। यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि नोवो-ओगार्योवो मात्र एक सरकारी इमारत नहीं है। यह पुतिन का निजी कार्यालय है और वह स्थान है जहां उन्होंने कई विदेशी नेताओं की निजी समारोहों में मेजबानी की है। मोदी को वहां ले जाने के निर्णय से संकेत मिलता है कि रूसी राष्ट्रपति आगामी औपचारिक शिखर सम्मेलन से अलग माहौल बनाना चाहते थे। उस शाम ने एक महत्वपूर्ण मिसाल भी कायम की थी। दोनों नेता अपने प्रतिनिधिमंडलों की मौजूदगी के बिना ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर सके। इसका मतलब यह नहीं था कि वे केवल निजी मामलों पर ही बात कर रहे थे। इसके विपरीत, निजी बातचीत में अक्सर रणनीतिक प्रश्न शामिल होते थे। जो बात बदली वह थी उन प्रश्नों पर चर्चा करने का माहौल।

सोची ने अनौपचारिकता को प्रारूप बनाया – तीन साल बाद, पुतिन और मोदी ने इस विचार को और आगे बढ़ाया। 21 मई, 2018 को, मोदी लोकप्रिय पर्यटन स्थल, खूबसूरत काला सागर रिसॉर्ट सोची गए, जिसे भारतीय सरकार ने आधिकारिक तौर पर उनकी पहली अनौपचारिक शिखर बैठक बताया। वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के विपरीत यह किसी समझौतों की लंबी सूची या औपचारिक वार्ता एजेंडा पर आधारित नहीं था। नेताओं से अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर निजी तौर पर कई घंटे बातचीत करने की उम्मीद थी। प्रस्तावित चर्चाएं बिना किसी एजेंडा और औपचारिक, औपचारिक राजनयिक संरचना के थीं। मोदी सुबह सोची पहुंचे। उन्होंने और पुतिन ने सीमित वार्ता की, जिसके बाद दोपहर का भोजन और आमने-सामने की बातचीत हुई। फिर उन्होंने मोया रूस एथनोग्राफिक सेंटर और सीरियस एजुकेशनल सेंटर का दौरा किया। उन्होंने बोचारोव क्रीक से ओलंपिक पार्क की ओर काला सागर में नाव से यात्रा भी की। नाव की सवारी बैठक की सबसे यादगार तस्वीरों में से एक बन गई, लेकिन इसका महत्व तस्वीर से कहीं अधिक था। दोनों नेता अपने-अपने कार्यक्रमों के बीच आते-जाते भी बातचीत जारी रख सके, बजाय इसके कि वे हर मिनट को एक सुनियोजित शिखर सम्मेलन कार्यक्रम का हिस्सा मानें। उन्होंने लगभग छह घंटे साथ बिताए। चर्चा के विषय मामूली नहीं थे। इनमें अफगानिस्तान, आतंकवाद, ईरान परमाणु समझौता और व्यापक अंतरराष्ट्रीय स्थिति शामिल थी। अनौपचारिक माहौल का मतलब यह नहीं था कि गंभीर कूटनीति का अभाव था। बल्कि इसने औपचारिकताओं के बिना गंभीर कूटनीति को संभव बनाया। एक और छोटी सी बात ने सबका ध्यान खींचा। जब मोदी जा रहे थे, तो पुतिन उन्हें हवाई अड्डे तक छोड़ने गए। भारतीय अधिकारियों ने इस भाव को सहज बताया। मोदी के जाने से पहले दोनों नेताओं ने फिर से बात की। सोची सम्मेलन ने एक ऐसी बात स्थापित की जो आने वाले वर्षों में बार-बार दोहराई जाएगी। जब मोदी और पुतिन मिलते हैं, तो सबसे महत्वपूर्ण बातचीत जरूरी नहीं कि औपचारिक शिखर सम्मेलन की मेज पर ही हो।

सोची की भावना दिल्ली पहुंचीं – कुछ ही महीनों में यह प्रयोग दोहराया गया। पुतिन अक्टूबर 2018 में वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली पहुंचे। औपचारिक कार्यक्रम से पहले, मोदी ने अपने आधिकारिक आवास पर उनके लिए एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस रात्रिभोज को सोची में हुई उनकी बातचीत की निरंतरता के रूप में देखा गया। भारतीय अधिकारियों ने इस रिश्ते को एक लेन-देन से कहीं अधिक स्थायी बताया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेता दीर्घकालिक संबंधों के बारे में सोच रहे हैं। वह निजी रात्रिभोज इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि यह औपचारिक कार्यक्रम के साथ-साथ हुआ, न कि उसके स्थान पर। वार्षिक शिखर सम्मेलन में रक्षा, व्यापार और अन्य सरकारी मुद्दों पर चर्चा हुई। नेताओं ने बस अपने लिए एक और माध्यम बना लिया। इस समय तक, भारत-रूस कूटनीति और मोदी-पुतिन कूटनीति के बीच का अंतर अधिक स्पष्ट होता जा रहा था।

व्लादिवोस्तोक ने इस रिश्ते को सार्वजनिक रूप दिया – सितंबर 2019 में पूर्वी आर्थिक मंच और वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए मोदी की रूस यात्रा के दौरान भी यही सिलसिला जारी रहा। पुतिन व्यक्तिगत रूप से मोदी के साथ ज़्वेज़्दा जहाज निर्माण परिसर के दौरे पर गए। दोनों नेता नाव से परिसर तक गए, जिससे उन्हें औपचारिक सम्मेलन कक्ष से दूर कुछ समय बिताने का मौका मिला। मोदी ने बाद में कहा कि वे इसे बहुत प्रभावित हुए। पुतिन ने मोदी के साथ एकांत रात्रिभोज भी किया। रूसी अधिकारियों ने ऐसी निजी बातचीत को नेताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय समस्याओं पर खुलकर और गोपनीय रूप से चर्चा करने का अवसर बताया। दो नेताओं का रात्रिभोज करना कोई असामान्य बात नहीं थी। असामान्य बात यह थी कि मोदी और पुतिन कितनी बार औपचारिक शिखर सम्मेलन के माहौल से अलग होने के अवसर तलाश रहे थे। यह रिश्ता अपनी एक अलग राह बना रहा था। एक निजी बातचीत, कुछ समय साथ यात्रा करना, भोजन, शायद कोई भ्रमण, और फिर आधिकारिक बैठक। फिर यूक्रेन का मुद्दा आया, और इस निजी संपर्क का महत्व और बढ़ गया। यूक्रेन युद्ध ने इस रिश्ते के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा खड़ी कर दी। भारत ने रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी अभियान में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन मोदी ने भी पुतिन के युद्ध का समर्थन नहीं किया। सितंबर 2022 में समरकंद में एससीओ शिखर सम्मेलन में मोदी ने पुतिन से सार्वजनिक रूप से कहा कि आज का युग युद्ध का नहीं है। इस टिप्पणी को व्यापक रूप से रूसी राष्ट्रपति के लिए एक सीधा संदेश माना गया। फिर भी इससे उनके संबंधों में कोई दरार नहीं आई। यहीं पर वर्षों की निजी बातचीत महत्वपूर्ण हो जाती है। दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर भी सीधा संपर्क बनाए रखा। युद्ध के शुरुआती महीनों के दौरान, मोदी ने पुतिन से यूक्रेन से भारतीय छात्रों की निकासी के बारे में बात की और उनसे यूक्रेनी नेतृत्व के साथ सीधे बातचीत करने का आग्रह किया। इसलिए, यह संबंध असहमति की अनुपस्थिति पर आधारित नहीं था।

बच्चों को बेहतर जिंदगी देने की चाह में छोटा हुआ परिवार, क्या बुजुर्गों का संसार भी सिमट गया?

(श्याम यादव)

सिमटते परिवारों के बीच रिश्तों और बुजुर्ग माता-पिता के अकेलेपन का सवाल गंभीर हो रहा है। बच्चे आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन दूरियां बढ़ रही हैं। तकनीक संपर्क तो बढ़ाती है, पर अपनापन और साथ नहीं दे सकती। माता-पिता जब बच्चे को बड़ा करते हैं, तो उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि आगे चलकर बच्चा उनके लिए क्या करेगा। उनकी चिंता यह होती है कि बच्चे को वह सब मिल जाए, जो वे उसे देना चाहते हैं। जो सुविधाएं उन्हें नहीं मिलीं, वे बच्चे को मिलें। जिस रास्ते पर उन्हें मुश्किलें आईं, बच्चे के लिए वह रास्ता कुछ आसान हो। शायद इसी इच्छा ने परिवारों की सोच भी बदली है। दो बच्चों के छोटे परिवार के बाद अब एक-संतान परिवार की धारणा भी इसी बदलाव का हिस्सा है। एक बच्चा हो, तो उसकी पढ़ाई-लिखाई पर अधिक खर्च किया जा सकता है, उसकी पसंद और जरूरतों को समझने के लिए अधिक समय दिया जा सकता है और उसके बेहतर भविष्य की तैयारी की जा सकती है। एक बच्चे को अधिक अवसर देने की इच्छा आज बहुत-से माता-पिता के फैसलों में दिखाई देती है। इसमें कुछ अस्वाभाविक भी नहीं है। मगर सवाल यह है कि परिवार छोटा होने के साथ क्या बच्चे का अपना संसार भी कुछ छोटा हो जाता है? एक समय घर में भाई-बहन होते थे और रिश्तेदारों की आवाजाही भी बनी रहती थी। दादा-दादी के पास बैठना, चाचा-चाची से झगड़ना, मामा-मौसी के घर जाना- इन सबका अपना महत्त्व था। बच्चा इन्हीं संबंधों के बीच बड़ा होता था। उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगता था कि हर बात अपनी इच्छा के अनुसार नहीं होती। कभी किसी की सुननी पड़ती थी, कभी अपनी चीज बांटनी पड़ती थी और कभी बिना किसी खास कारण के किसी के काम आना पड़ता था। एक बच्चे वाले परिवार में माता-पिता का ध्यान स्वाभाविक रूप से उसी पर अधिक रहता है। उसकी पढ़ाई, स्वास्थ्य, पसंद और भविष्य घर की बातचीत का बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। कभी-कभी माता-पिता अपनी अधूरी इच्छाओं को भी बच्चे के भविष्य से जोड़ देते हैं। बच्चा सफल होता है तो लगता है जैसे उनकी मेहनत सफल हुई। फिर वही बच्चा बड़ा होकर अपनी राह पर निकलता है। पढ़ाई के लिए बाहर जाता है, नौकरी दूसरे शहर में मिलती है और फिर अपनी गृहस्थी तथा जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाता है। माता-पिता उसके आगे बढ़ने से खुश होते हैं। आखिर उन्होंने उसे रोकने के लिए तो नहीं पाला था! बच्चों की जिंदगी जितनी फैलती जाती है, कई बार माता-पिता का संसार उतना ही सिमटता जाता है। फोन है, वीडियो काल है, कभी त्योहार पर मुलाकात हो जाती है। जरूरत हो, तो पैसे भेज दिए जाते हैं। बीमारी में डाक्टर से सलाह भी मिल जाती है। बहुत-सी चीजें आसान हुई हैं। फिर भी उम्र के एक पड़ाव पर शायद इंसान को केवल सुविधा नहीं, किसी अपने की मौजूदगी की जरूरत भी होती है। हाल में एक बुजुर्ग पिता की मृत्यु से जुड़ी एक घटना सामने आई। उनकी संतानें अपने-अपने जीवन में दूर थीं और अंतिम समय में उनके पास पहुंच पाना संभव नहीं हुआ। आर्थिक मदद और वीडियो काल के जरिए अंतिम विदाई की बात सामने आई। यह घटना एक सवाल छोड़ती है कि क्या रिश्तों की जगह धीरे-धीरे व्यवस्थाएं ले रही हैं? किसी बुजुर्ग की दवा का इंतजाम किया जा सकता है। पैसे भेजे जा सकते हैं। किसी देखभाल करने वाले को रखा जा सकता है। यह सब जरूरी भी है, लेकिन इन सबके बीच वह व्यक्ति कहां है, जो उसके पास बैठकर उसकी बात सुन सके? बीमारी का खर्च उठाना और बीमारी के समय पास बैठना एक ही बात नहीं है। तकनीक ने दूरियों को कम करने में बहुत मदद की है। आज हजारों किलोमीटर दूर बैठे बच्चे भी अपने माता-पिता को रोज देख सकते हैं, लेकिन स्क्रीन पर दिखाई देने वाला चेहरा और सामने बैठा हुआ व्यक्ति एक जैसा अनुभव नहीं देते। शायद इसलिए संपर्क बढ़ने के बावजूद अकेलापन हमेशा कम नहीं हुआ है। एकल-संतान परिवारों के संदर्भ में यह बात और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। एक बच्चे के लिए माता-पिता बहुत कुछ कर पाते हैं। अपनी आय, समय और ध्यान का बड़ा हिस्सा उसी पर लगा सकते हैं, लेकिन आगे चलकर वही बच्चा अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाए, तो माता-पिता के पास अपने भावनात्मक संसार को साझा करने वाले लोग भी कम हो सकते हैं। यह एक बच्चे के होने की समस्या नहीं, बल्कि छोटे होते पारिवारिक दायरे की एक चुनौती है। जीवन बदल चुका है। लोगों के रहने और काम करने के तरीके बदल गए हैं। मगर रिश्तों का अर्थ शायद इतना नहीं बदला है कि उनमें उपस्थिति की जरूरत ही न रहे। माता-पिता अगर बच्चे को अपना पूरा संसार बना लें, तो उसके दूर जाने पर उनका अकेलापन बढ़ सकता है। उम्र के साथ अपने मित्रों, रुचियों और सामाजिक जीवन को बनाए रखना भी जरूरी है। परिवार जीवन का बड़ा हिस्सा है, पूरा जीवन नहीं। फिर भी बच्चे को स्वतंत्र बनाना और उसे रिश्तों से मुक्त कर देना- इन दोनों में फर्क है। उसे अच्छी शिक्षा देना जितना जरूरी है, उतना ही यह समझ देना भी जरूरी है कि जीवन में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जिन्हें सुविधा के हिसाब से नहीं निभाया जाता। परिवार छोटा होना कोई समस्या नहीं।

नशे की गिरफ्त में भारत- करोड़ों लोग कर रहे ड्रग्स का इस्तेमाल, युवाओं पर सबसे बड़ा संकट

मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर जैसे उत्तर-पूर्वी राज्य ओपियोइड और नशीली दवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिंथेटिक मादक पदार्थों और हेरोइन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। दरअसल, भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों के बीच फंसा हुआ है।

(प्रमोद कुमार बाजपेई)

भारत में नशे की लत गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। करोड़ों लोग शराब, कैनबिस और ओपियोइड्स की गिरफ्त में हैं। युवाओं को बचाने के लिए इलाज, जागरूकता और सख्त कार्रवाई जरूरी है। उस व्यक्ति की त्रासदी का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसका बेटा नशे का आदी हो चुका है। इसी वजह से उसकी पढ़ाई छूट चुकी है और अब वह दिन भर कंप्यूटर गेम खेलता रहता है या दिन भर ट्रक के अड्डे पर जुआ खेलता रहता है। पिता इसलिए परेशान हैं कि वह अब उसके मादक पदार्थों पर भी हाथ साफ करने लगा है और उसे अपने बेटे के भविष्य का अनुमान है और अब वह इसी को लेकर फिक्रमंद है। हालांकि खुद पचास का पिता भी नशे के जाल में इस कदर फंसा हुआ है, उसके हाथ कांपने लगे हैं और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पाता है। बीते कुछ महीने के भीतर ऐसे मामले अब तेजी से बढ़ने लगे हैं। जिनका नशे की लत की वजह से सब कुछ बर्बाद हो चुका है, वैसे लोग अब परामर्श और आपात हस्तक्षेप तक के लिए मनोचिकित्सकों या काउंसलरों के पास पहुंचने लगे हैं। संकट की भयावहता के चलते केंद्र सरकार अब नशा मुक्त भारत अभियान की बात कर रही है और राज्यों के मुख्यमंत्री भी नशाखोरी के विरुद्ध बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं। युवाओं को शपथ दिलवाया जा रहा है, स्कूल-कालेजों को नशे के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं नशे के खिलाफ लड़ाई के लिए पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त किया जा रहा है तथा बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मगर इसी बीच यह खबर भी आती है कि पंजाब में एक ग्रामीण ने जब मादक पदार्थों की धड़ल्ले से आपूर्ति पर सवाल उठाया, तो उसे प्रताड़ित किया गया और आखिर उसने आत्महत्या कर ली। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एम्स के 'नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर' के सहयोग से जारी की गई आधिकारिक रिपोर्ट 'मैग्नीट्यूड आफ सब्सटेंस यूज इन इंडिया' के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि मादक

पदार्थों की खरीद-बिक्री और नशे की समस्या अब केवल कुछ महानगरों या सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही। यह एक सर्वव्यापी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 10 से 75 वर्ष की आयु वर्ग के बीच लगभग 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते हैं, जिनमें से 5.7 करोड़ से अधिक लोगों को तत्काल चिकित्सीय उपचार की आवश्यकता है। वहीं, लगभग 3.1 करोड़ लोग भांग, गांजा या चरस जैसे कैनबिस उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति ओपियोइड्स (अफीम, हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स) के मामले में है। भारत में ओपियोइड का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना अधिक है। देश में करीब 2.26 करोड़ ओपियोइड उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से साठ लाख से अधिक लोग इस लत के गंभीर दुश्चक्र में फंस चुके हैं। इससे भी अधिक विचलित करने वाला तथ्य यह है कि देश के लगभग 1.7 फीसद बच्चे और किशोर (यानी करीब अठारह लाख बच्चे) 'इन्हेलेंट्स' यानी सूंघने वाले नशे जैसे थिनर, फ्लूइड, सरेष आदि के जाल में फंस चुके हैं। हाल के वर्षों में एमडीएमए, मेथमफेटामाइन और अवैध दवाओं (सिंथेटिक ओपियोइड्स) की मांग और जब्ती में आया भारी उछाल यह साबित करता है कि नशे का बाजार अब पारंपरिक से बदलकर अत्यधिक घातक रासायनिक स्वरूप अख्तियार कर चुका है।

मादक पदार्थों की यह विभीषिका पूरे देश में फैली है, लेकिन भौगोलिक और सामरिक कारणों से कुछ राज्य इसके गढ़ बन गए हैं। मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर जैसे उत्तर-पूर्वी राज्य ओपियोइड और नशीली दवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिंथेटिक मादक पदार्थों और हेरोइन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। दरअसल, भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों के बीच फंसा हुआ है। इसके पश्चिम में 'गोल्डन क्रिसेंट' (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान) है और पूर्व में 'गोल्डन ट्रायंगल' (म्यांमार, लाओस और थाईलैंड) है। इससे भारत न केवल मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक प्रमुख 'ट्रांजिट रूट' बना, बल्कि धीरे-धीरे एक विशाल उपभोक्ता बाजार में भी तब्दील हो गया। वर्तमान में डार्कवेब, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन तकनीक के माध्यम से होने वाली उच्च-तकनीक तस्करी के संजाल ने इस चुनौती को कई गुना बढ़ा दिया है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति को केवल एक 'अपराधी' या 'चरित्रहीन' के चश्मे से देखना हमारी भूल होगी। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मादक पदार्थों या ड्रग की लत एक मानसिक बीमारी है। शुरुआत में युवा वर्ग गलाकाट प्रतिस्पर्धा, करिअर की अनिश्चितता, बेरोजगारी जनित अवसाद या सहकर्मियों के दबाव के कारण अनजाने में इस दलदल में कदम रखता है, लेकिन धीरे-धीरे रासायनिक निर्भरता के कारण व्यक्ति का अपने मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं रहता। जब कोई व्यक्ति इस लत से बाहर निकलना चाहता है, तो सबसे बड़ी बाधा 'विड्राल सिम्प्टम्स' यानी तड़प और शारीरिक कष्ट तथा समाज में व्याप्त 'सामाजिक लांछन' बनते हैं। सामाजिक बहिष्कार के डर से पीड़ित या उसका परिवार समय पर मदद मांगने या नशामुक्ति केंद्र जाने से कतराता है। परिणामत~ यह समस्या बंद कमरों के भीतर ही सुलगती रहती है और आखिरकार आत्महत्या या गंभीर अपराधों के रूप में सामने आती है। महंगी लत को पूरा करने के लिए युवा वर्ग चोरी, झपटमारी और यहां तक कि जघन्य अपराधों की राह पकड़ लेता है। इस महामारी से निपटने के लिए वर्तमान में आपूर्ति, मांग और नुकसान में कमी की त्रिआयामी रणनीति पर काम किया जा रहा है। एक ओर कड़े एनडीपीएस अधिनियम के तहत तस्करों की गिरफ्तारियां कर संपत्तियां कुर्क की जा रही हैं, तो दूसरी ओर देश में सरकारी ओर मान्यता प्राप्त नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ा कर 780 से अधिक की गई है, जिनके माध्यम से 8.20 लाख से अधिक लोगों को इलाज और पुनर्वास का लाभ मिल चुका है। मगर कड़े कानूनों और पुलिसिया कार्रवाइयों की अपनी एक सीमा है। वे केवल आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं।

शामली में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन, 1.92 लाख से अधिक मुकदमों का हुआ निस्तारण

कैराना परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 3.25 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का हुआ सैटलमेन्ट

शामलीः जिला एवं सत्र न्यायालय, शामली में स्थित कैराना परिसर के भीतर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के साथ-साथ माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में आज दिनांक 12.09.2026 को आयोजित हुआ। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री इंदर प्रीत सिंह जोश जी के द्वारा दीप प्रज्वलन कर इस राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, बैंक के पदाधिकारीगण, विद्वान अधिवक्तागण और अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।राष्ट्रीय लोक अदालत में मुकदमों के निपटारे के लिए अलग-अलग पीठों द्वारा सुनवाई की

गई। श्री इन्दर प्रीत सिंह जोश, जिला एवं सत्र न्यायाधीश शामली द्वारा 02 मामलों का निस्तारण किया गया। श्री ब्रिजेश कुमार शर्मा, प्रधान न्यायाधीश-पारिवार न्यायालय शामली द्वारा 33 मामले निपटाए गए। श्री नवीन कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कैराना द्वारा 02 मामलों का समाधान किया गया, वहीं श्री अशोक भारतेन्दु, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पोक्सो कोर्ट) द्वारा भी 02 मामलों को निपटाया गया। श्री सुरेन्द्र राय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एस.सी./एस.टी.एक्ट) शामली द्वारा 127 मामलों का समाधान कराया गया। इसके अलावा श्रीमति ऋतु नागर, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफ०टी०सी०) शामली द्वारा 02 मामले निपटाए गए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अक्षयदीप यादव द्वारा 4807 मामले निपटाए गए। श्रीमति आंचल कसाना, सिविल जज सी०डि०/ए०सी०जे०एम०, शामली द्वारा 302 मामलों का निपटारा किया गया। कैराना के सिविल जज सी०डि०/ए०सी०जे०एम श्री गंधर्व पटेल द्वारा 634 मामले, कैराना की सिविल जज जू०डि० कैराना सुश्री जीनत परवीन द्वारा 123 मामले और श्रीमति दिव्या चन्द्रा, न्यायिक मजिस्ट्रेट शामली द्वारा 611 मामलों का निस्तारण किया गया। राजस्व और प्री-लिटीगेशन के वादों का समाधान जनपद शामली में स्थित सभी न्यायालयों की ओर से कुल मिलाकर 6645 वादों का निस्तारण किया गया। इन मुकदमों के निस्तारण में कुल मिलाकर 5206534/- रुपये की धनराशि का सैटलमेन्ट हुआ। इसी प्रकार राजस्व न्यायालयों के द्वारा भी बड़ी संख्या में कुल 185064 मामलों का निस्तारण किया गया। राजस्व अदालतों में निपटाए गए मामलों के तहत कुल 4712417/- रुपये की धनराशि का समझौता कराया गया। इसके साथ ही बैंक और टेलीफोन बिलों से जुड़े हुए कुल 455 प्री-लिटीगेशन वादों का भी समाधान किया गया। इन प्री-लिटीगेशन मुकदमों में कुल 2,26,38,215/- रुपये की राशि का सैटलमेन्ट किया गया।कुल निस्तारित मामले और आभार प्रदर्शन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण-शामली के अध्यक्ष एवं माननीय जनपद न्यायाधीश श्री इंदर प्रीत सिंह जोश के कुशल मार्गदर्शन में इस राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस संपूर्ण आयोजन के दौरान कुल 192164 वादों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया, जिनमें कुल मिलाकर 3,25,57,166/- रुपये की धनराशि का सैटलमेन्ट हुआ। आयोजन की समाप्ति पर प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण-शामली द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन और आयोजन के लिए उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया गया।

सहारनपुर में विवाहिता से मिलने पहुंचे युवक की बेरहमी से पिटाई, रस्सियों से बांधकर उल्टा लटकाया; वीडियो वायरल

मिजार्पुर थाना क्षेत्र का मामला, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोबारा शुरू की जांच; पहले दोनों पक्षों में हुआ था समझौता

सहारनपुर। मिजार्पुर थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे रस्सियों से बांधकर उल्टा लटकाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ लोग युवक को रस्सियों के सहारे बांधकर उल्टा लटकाए नजर आ रहे हैं और उसके साथ मारपीट की जा रही है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का दोबारा संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।बताया जा रहा है कि मिजार्पुर क्षेत्र का रहने वाला युवक रात के समय पास के गांव में रहने वाली एक विवाहिता से मिलने उसके घर पहुंचा था। जानकारी के मुताबिक, युवक और विवाहिता के बीच कथित तौर पर काफी समय से प्रेम संबंध था और इसकी जानकारी महिला के परिजनों को भी थी।आरोप है कि युवक के घर पहुंचने की जानकारी मिलते ही विवाहिता के परिजनों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद युवक को रस्सियों से

बांधकर उल्टा लटका दिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। बाद में उसे रस्सियों के सहारे लकड़ी की बल्ली से बांध दिया गया। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वीडियो वायरल होने के बाद घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। वीडियो में युवक के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, उसे लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं।बताया गया है कि घटना की जानकारी मिलने पर मिजार्पुर पुलिस मौके पर पहुंची थी और युवक को थाने ले आई थी। पुलिस के अनुसार, उस समय दोनों पक्षों के बीच थाने के बाहर ही समझौता हो गया था। किसी भी पक्ष की ओर से लिखित तहरीर नहीं दी गई थी। इसके बाद युवक के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई की गई थी। अब घटना का कुछ दिन पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को फिर से गंभीरता से लिया है। पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है और युवक के साथ मारपीट करने तथा उसे रस्सियों से बांधकर उल्टा लटकाने के आरोपों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शामली सदर कोतवाली में समाधान दिवस की खुली पोल ! अधिकारी नदारद, मौके पर सिर्फ 4 कर्मचारी मिले मौजूद

शामली। जनपद की सदर कोतवाली में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में अधिकारियों और कर्मचारियों की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल खड़े हो गए। शासन और उच्च अधिकारियों के निर्देश के बावजूद निर्धारित समय तक अधिकांश विभागों के अधिकारी-कर्मचारी समाधान दिवस में नहीं पहुंचे। सुबह करीब 10:30 बजे तक सदर कोतवाली में महज एक दरोगा, राजस्व विभाग के दो कर्मचारी और नगर पालिका का एक कर्मचारी ही मौजूद दिखाई दिया।समाधान दिवस का उद्देश्य पुलिस, राजस्व, नगर पालिका समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही निस्तारण करना है। इसके लिए शासन स्तर से अधिकारियों को

निर्धारित समय पर समाधान दिवस में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।लेकिन सदर कोतवाली में शनिवार को स्थिति इसके विपरीत नजर आई। निर्धारित समय तक अधिकांश विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे। ऐसे में अपनी शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों को संबंधित विभाग के अधिकारियों का इंतजार करना पड़ा। मौके की तस्वीरों में भी समाधान दिवस की व्यवस्था की स्थिति साफ नजर आ रही है। जहां फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों की मौजूदगी जरूरी थी, वहीं कई विभागों के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी नदारद रहे।इससे शासन के निर्देशों के अनुपालन और समाधान दिवस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना होगा कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों की ओर से गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है या फिर समाधान दिवस महज औपचारिकता बनकर रह जाता है।

अंकित बालियान हत्याकांड में खाप चौधरियों का अल्टीमेटम ! डीएम - एसपी से मुलाकात, 5 अक्टूबर तक फरार शूटरों की गिरफ्तारी की मांग

शामली। हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान हत्याकांड में फरार चल रहे दो शूटरों की गिरफ्तारी को लेकर खाप चौधरियों ने पुलिस-प्रशासन से निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को खाप चौधरियों के नेतृत्व में सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम व एसपी से मुलाकात कर मामले में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी ली। काफी देर तक चली बातचीत के बाद पुलिस-प्रशासन और खाप चौधरियों के बीच 5 अक्टूबर तक फरार शूटरों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने पर सहमति बनी।खाप चौधरियों ने इस दौरान मृतक अंकित बालियान के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी प्रशासन के सामने रखी।जिम से निकलते ही गोलियों से भून दिया था

बता दें कि 26 अगस्त को हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान की जिम से बाहर निकलते ही चार शूटरों ने कथित तौर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी।पुलिस के अनुसार इस मामले में हरियाणा निवासी दो आरोपियों की मुठभेड़ में मौत हो चुकी है, जबकि हरियाणा के ही दो अन्य कथित शूटर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है।दो दिन से चल रही थी पंचायत

फरार शूटरों की गिरफ्तारी और परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर पिछले दो दिनों से अंकित बालियान के घर पर खाप चौधरियों की पंचायतों का दौर चल रहा था। इसी क्रम में भाकियू नेता नरेश टिकैत समेत कई खाप चौधरी और समाज के सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे।

प्रतिनिधिमंडल ने डीएम और एसपी से मुलाकात कर पूरे मामले में पुलिस कार्रवाई की जानकारी ली और फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही मृतक परिवार को आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग भी उठाई गई।

5 अक्टूबर तक कार्रवाई पर बनी सहमति

बैठक के दौरान डीएम और एसपी ने खाप चौधरियों को पुलिस की ओर से की जा रही कार्रवाई के बारे में जानकारी दी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच 5 अक्टूबर तक फरार शूटरों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने को लेकर सहमति बनी।

बैठक के बाद खाप चौधरी और उनके साथ पहुंचे लोग वापस लौट गए।

नरेश टिकैत बोले- पुलिस लगातार कर रही प्रयास

भाकियू नेता नरेश टिकैत ने कहा कि पुलिस-प्रशासन से उनकी बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है और फिलहाल प्रशासन को कार्रवाई के लिए समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस पर जरूरत से ज्यादा दबाव बनाना उचित नहीं है।

अब खाप चौधरियों और मृतक के परिजनों की नजर 5 अक्टूबर तक पुलिस की कार्रवाई पर रहेगी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही इस मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

शामली जिला अस्पताल में चोरों का आतंक ! मां को दिखाने पहुंचे युवक की बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

शामली। जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में वाहन चोरी की घटना सामने आने से अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। अपनी मां का उपचार कराने अस्पताल पहुंचे युवक की बाइक को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक संदिग्ध बाइक चोरी करते हुए कैद दिखाई दिया।जानकारी के अनुसार गांव बुटराड़ी निवासी राघव अपनी मां को उपचार के लिए थाना आदर्श मंडी क्षेत्र स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय लेकर आया था। युवक ने अपनी बाइक अस्पताल परिसर में खड़ी की और मां को चिकित्सक को दिखाने के लिए अंदर चला गया।कुछ देर बाद जब राघव वापस बाहर आया तो जिस स्थान पर उसने बाइक खड़ी की थी, वहां बाइक गायब मिली।

अचानक बाइक गायब देखकर उसके होश उड़ गए। उसने अस्पताल परिसर और आसपास के क्षेत्र में बाइक की काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।सीसीटीवी में कैद हुआ बाइक चोर बाइक नहीं मिलने पर पीड़ित ने अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की कोशिश की। फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति बाइक चोरी करते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।राघव ने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोर के खिलाफ कार्रवाई करने और चोरी हुई बाइक बरामद कराने की मांग की है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान और बाइक की बरामदगी के प्रयास में जुटी है। जिला संयुक्त चिकित्सालय जैसे व्यस्त परिसर में बाइक चोरी की घटना के बाद अस्पताल में आने वाले मरीजों और तीमारदारों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

शामली से अजीबोगरीब मामला: मैं लॉरेंस बिश्नोई की पत्नी हूँ...बोल कर युवक को दी जान से मारने की धमकी, महिला गिरफ्तार

शामली। अखिल भारतीय जाट महासभा के युवा जिला अध्यक्ष को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ टिप्पणी करना उस समय भारी पड़ गया, जब खुद को लॉरेंस बिश्नोई की पत्नी बताने वाली एक महिला ने सोशल मीडिया मैसेंजर के जरिए उसे जान से मारने की धमकी दे दी। धमकी से डरे युवक ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के जयपुर निवासी महिला बिंदु को गिरफ्तार कर लिया।मामला शामली के गढ़ीपुख्ता थाना क्षेत्र के गांव जानधेड़ी का है। यहां के निवासी और अखिल भारतीय जाट महासभा के युवा जिला अध्यक्ष मुकुल चौधरी ने एक निजी यू-ट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर साबरमती जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के संबंध में टिप्पणी की थी। आरोप है कि यह टिप्पणी राजस्थान के जयपुर निवासी बिंदु को नागवार गुजरी और उसने सोशल मीडिया मैसेंजर के माध्यम से मुकुल चौधरी को धमकी दे दी।बताया गया कि महिला ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई की पत्नी बताते हुए मुकुल चौधरी को जान से मारने की धमकी दी। धमकी मिलने के बाद युवक ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज किया और आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी। शनिवार को पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ

में सामने आया कि आरोपी महिला मूल रूप से बिहार की रहने वाली है और वर्तमान में राजस्थान के जयपुर में रहकर बाउंसर का काम करती है। पुलिस के अनुसार, महिला के करीब चार बच्चे हैं और वह पिछले करीब आठ वर्षों से अपने पति से अलग रह रही है। पूछताछ के दौरान महिला ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ वर्षों से लॉरेंस बिश्नोई को मन ही मन अपना पति मानती है। उसका कहना था कि लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ कोई भी गलत बात सुनना उसे बर्दाश्त नहीं होता। इसी वजह से मुकुल चौधरी की सोशल मीडिया पर सामने आई टिप्पणी से वह कथित तौर पर नाराज हो गई और उसने युवक को धमकी दे दी। हालांकि, पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि महिला की अब तक न तो लॉरेंस बिश्नोई से मुलाकात हुई है और न ही उसके किसी साथी से उसकी मुलाकात होने की बात सामने आई है। इसके बावजूद महिला द्वारा खुद को लॉरेंस की पत्नी बताए जाने का दावा चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस उसके सोशल मीडिया अकाउंट और युवक को भेजे गए धमकी भरे संदेशों की भी जांच कर रही है।

रंग संसार

'हनुमान अंश' की सफलता के बाद संत प्रेमानंद महाराज पर बनेगी 'राधा अंश'

वैष्णव किन्नर अखाड़े की हिमांगी सखी ने की घोषणाः विराट कोहली और अनुष्का शर्मा से भी सहयोग की उम्मीद

नई दिल्ली/मथुरा। बाबा नीम करोली महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' की अभूतपूर्व सफलता के बाद, वैष्णव किन्नर अखाड़े की जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी ने एक और बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान किया है। पिछले 35 दिनों से सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही 'हनुमान अंश' जल्द ही 200 करोड़ क्लब में शामिल होने जा रही है। 'हनुमान अंश' फिल्म से प्रेरणा लेते हुए हिमांगी सखी ने अब संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर 'राधा अंश' नाम से फिल्म बनाने की घोषणा की है। फिल्म की प्रोडक्शन टीम इसके निर्माण के लिए सहमत हो चुकी है, हालांकि संत प्रेमानंद महाराज और उनके सहयोगियों की ओर से अभी आधिकारिक अनुमति मिलना बाकी है। अनुमति मिलते ही इसका टीजर और प्रोमो जारी कर दिया जाएगा।

आध्यात्मिक जुड़ाव और कास्टिंग पर खास फोकस

बृज की कुंज गलियों में अपना बचपन बिताने वाली हिमांगी सखी का मन पूरी तरह राधा-भाव में रंगा है, जिससे यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव है। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनकी संस्तुति महाराज जी के सहयोगी करेंगे।

कोहली व अनुष्का से उम्मीद

इसके अलावा, इस प्रोजेक्ट से भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को भी जोड़ने की इच्छा जताई गई है, क्योंकि यह दंपत्ति अक्सर वृंदावन जाकर संत प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेते हैं। हालांकि, विराट और अनुष्का की ओर से फिल्म में काम करने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

राज काज

जोमैटो ने 'कैश ऑन डिलीवरी' पर शुरू किया अतिरिक्त शुल्क, ग्राहकों से 5 से 20 रुपए तक वसूले जाएंगे

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अब 'कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी)' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों से 5 रुपए से 20 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेना शुरू कर दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजस्व स्रोतों को मजबूत करने की रणनीति के तहत कंपनी अब ऑर्डर के दौरान भुगतान के तरीके से भी कमाई करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। कंपनी के ऐप पर दिखाई देने वाले बिल विवरण के अनुसार, 'पे ऑन डिलीवरी फीस' नाम से यह शुल्क अलग से जोड़ा जा रहा है।यह शुल्क केवल उन ग्राहकों पर लागू हो रहा है जो ऑनलाइन भुगतान के बजाय डिलीवरी के समय नकद भुगतान का विकल्प चुनते हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकांश मामलों में यह शुल्क 5 रुपए है, हालांकि कुछ ऑर्डरों में ग्राहकों से 7 रुपए और कुछ मामलों में 20 रुपए तक भी वसूले गए हैं। यह नया शुल्क जोमैटो के पहले से लागू प्लेटफॉर्म शुल्क, रेस्तरां द्वारा लिए जाने वाले पैकेजिंग शुल्क और जीएसटी से अलग है। यानी 'कैश ऑन डिलीवरी' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अब कुल बिल में एक अतिरिक्त राशि भी चुकानी पड़ेगी। वहीं, ऑनलाइन भुगतान करने वाले ग्राहकों से यह शुल्क नहीं लिया जा रहा है।जोमैटो प्रतिदिन लगभग 23 लाख से 25 लाख फूड ऑर्डर प्रोसेस करता है। ऐसे समय में जब रैपिडो का फूड डिलीवरी ब्रांड ओनली तेजी से बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है और फ्लिपकार्ट भी अपने 'ईट इन' फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का परीक्षण कर रहा है, जोमैटो नए राजस्व स्रोतों की तलाश में है। गौरतलब है कि फूड डिलीवरी कंपनियों ने वर्ष 2023 में पहली बार प्लेटफॉर्म फीस लगानी शुरू की थी। शुरूआत स्विगी ने 2 रुपए प्रति ऑर्डर शुल्क से की थी, जिसके बाद जोमैटो ने भी इसी तरह का शुल्क लागू किया। बाद में कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस को लगातार बढ़ाया और इस वर्ष इसे 12.50 रुपए से बढ़ाकर 14.99 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया। इस पर जीएसटी अलग से लिया जाता है। वर्तमान ऑर्डर वॉल्यूम को देखते हुए शुल्क में मामूली वृद्धि भी कंपनी के लिए सालाना आधार पर सैकड़ों करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकती है। इस बीच, जोमैटो हाल के महीनों में लागत नियंत्रण और परिचालन पुनर्गठन पर भी काम कर रही है।

दैनिक राशिफल रविवार 13 सितम्बर 2026

मेष – खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें।

वृष – प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा।

मिथुन : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं।

कर्क – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

सिंह– शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

कन्या – सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी।

तुला – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृश्चिक – समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

धनु – नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

मकर – सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी।

कुंभ – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मीन – यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी।

दैनिक पंचांग

13 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.07 बजे से
चंद्र	कन्या में	तुला	08.18 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.32 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.48 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.53 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.40 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.13 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.43 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.23 बजे से
		मिथुन	23.21 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कर्क	01.35 बजे से
		सिंह	03.51 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 256 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 07.09 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 13.07 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 13.43 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.09 बजे तदनन्तर तैतिल 19.04 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 01.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 52'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872831
जूलियन दिन 2461296.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 01
विशेष बाबू दोज, वराह जयंती, स्वामी ब्रह्मानंद लोधी निर्वाण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

गौकशी के 24 घंटे में पुलिस का बड़ा एक्शन, मुठभेड़ में तीन गौकश दबोचे

जानसठ-बसायच मार्ग पर पुलिस को देखते ही भागे आरोपी, फायरिंग से मचा हड़कंप, जवाबी कार्रवाई में एक के पैर में लगी गोली, तमंचा-कारतूस और गौकशी के औजार बरामद

मुजफ्फरनगर। सादपुर के जंगल में गोवंश के अवशेष मिलने से मचे हड़कंप के बाद जानसठ पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए गौकशी के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। शुक्रवार को जानसठ-बसायच मार्ग पर नाले की पुलिया के पास पुलिस और तीन संदिग्ध आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, घेराबंदी होते ही आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी, जबकि दो अन्य को पुलिस ने दबोच लिया। मुठभेड़ के बाद मौके से 315 बोर का तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस तथा गौकशी के उपकरण बरामद किए गए।

सादपुर जंगल में मिले थे गोवंश के पैर और सिर, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि मामला 10 सितंबर का है। सादपुर गांव के जंगल में गोवंश के पैर और सिर पड़े होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मामले में मिली तहरीर के आधार पर थाना जानसठ में मुकदमा अपराध संख्या 126/26, धारा 3/5/8 गौवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले के शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई और स्थानीय स्तर पर सुराग जुटाने शुरू किए गए।

मुखबिर ने खोला राज, जंगल में घूम रहे थे तीन संदिग्ध

11 सितंबर को जानसठ पुलिस टीम कस्बे से बसायच की ओर जाने वाले मार्ग पर संदिग्धों की तलाश में थी। इसी दौरान मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि सादपुर जंगल में गौकशी करने वाले तीन लोग जानसठ-बसायच मार्ग के आसपास जंगल में घूम रहे हैं। उनके पास अवैध हथियार होने की भी आशंका जताई गई। पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए बताए गए स्थान की घेराबंदी की। मुखबिर ने दूर से तीन संदिग्धों की ओर इशारा कर उनकी पहचान बताई और वहां से निकल गया।

पुलिस पहुंची तो तीनों ने दौड़ लगा दी, फिर बरसने लगीं गोलियां

पुलिस के अनुसार, टीम जैसे ही संदिग्धों की ओर बढ़ी, तीनों पुलिस

को देखकर आम के बाग की तरफ भागने लगे। पुलिस ने उन्हें रुकने और आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन आरोप है कि बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया।अचानक हुई फायरिंग से पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की गोलीबारी में टीम बाल-बाल बची। इसके बाद पुलिस ने तीनों को घेर लिया और दोबारा आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन आरोपियों ने फिर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में लगी गोली

पुलिस के मुताबिक, जान बचाने के लिए पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। इस दौरान एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई। गोली लगने के बाद वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया, जबकि मौके से उसके दो साथियों को भी पकड़ लिया गया। घायल आरोपी की पहचान सावेज पुत्र अब्बास निवासी अखलाखपुर, थाना जानसठ के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों की पहचान परवेज पुत्र अब्बास निवासी थाना जानसठ और सनव्वर पुत्र महताब निवासी अखलाखपुर, थाना जानसठ के रूप में हुई।

एक तमंचा, दो कारतूस और गौकशी के औजार बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद करने का दावा किया। इसके अलावा गौकशी में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण भी बरामद हुए। बरामद सामान में एक कुल्हाड़ी, एक दाव, एक छुरा और रस्सी समेत अन्य उपकरण शामिल हैं। पुलिस ने बरामद अवैध हथियार के मामले में अलग से मुकदमा दर्ज किया है।

मुठभेड़ के बाद दूसरा मुकदमा, धाराएं भी बढ़ीं

पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ और अवैध हथियार की बरामदगी के संबंध में थाना जानसठ में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घायल सावेज को उपचार के बाद पुलिस अभिरक्षा में लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी सादपुर जंगल की गौकशी के मुकदमे में भी नामजद हैं। सावेज, परवेज और सनव्वर के आपराधिक इतिहास में मुकदमा अपराध संख्या 126/26 धारा 3/5/8 गौवध अधिनियम तथा मुठभेड़ के बाद दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 130/26 शामिल किया गया है। पुलिस अब तीनों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि गौकशी की घटना में उनके साथ और कौन लोग शामिल थे और क्या इस गिरोह द्वारा पहले भी ऐसी घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

गंगनहर पुल के पास मिली बाइक, 60 घंटे बाद भी मोनू अली का सुराग नहीं

करहेड़ा गांव का युवक बसेड़ा से पैसे लेने निकला था, दोपहर में भाई से हुई आखिरी बात

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के करहेड़ा गांव निवासी मोनू अली के अचानक लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है। गुरुवार सुबह घर से निकले मोनू का करीब 60 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। तलाश के दौरान उनकी स्प्लेंडर बाइक बेलड़ा गंगनहर पुल के पास खड़ी मिली, जबकि उनका मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा है। बाइक मिलने के बाद परिजनों की चिंता और बढ़ गई है। भाई की शिकायत पर भोपा पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पैसे लेने के लिए बसेड़ा गया था मोनू

करहेड़ा गांव निवासी मोहम्मद शाहवेज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई मोनू अली गुरुवार सुबह करीब 11 बजे बसेड़ा में आरा मशीन चलाने वाले व्यक्ति से अपने पैसे लेने के लिए घर से निकला था। दोपहर करीब एक बजे शाहवेज की फोन पर मोनू से बातचीत भी हुई थी। बातचीत के दौरान मोनू ने बताया था कि वह करीब 10 मिनट में भोपा पहुंच जाएगा। इसके बाद अचानक मोनू का मोबाइल फोन बंद हो गया। काफी समय बीतने के बावजूद जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन बंद मिला।

इसके बाद परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां जानकारी की तथा अपने स्तर से उसकी तलाश शुरू कर दी।

बेलड़ा गंगनहर पुल के पास मिली स्प्लेंडर बाइक

परिजनों और ग्रामीणों ने मोनू की तलाश के दौरान आसपास के इलाकों में जानकारी जुटाई। इसी दौरान उसकी स्प्लेंडर बाइक बेलड़ा गंगनहर पुल के पास खड़ी मिली। बाइक तो मिल गई, लेकिन मोनू का कहीं पता नहीं चल सका। सुनसान स्थान पर बाइक मिलने और मोबाइल बंद होने से परिवार की चिंता और गहरी हो गई। परिजनों ने पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए मोनू के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

शनिवार को मोनू की तलाश को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मोरना चौकी पहुंचे। ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों से मोनू को जल्द से जल्द तलाश कर सकुशल बरामद करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि कई घंटे बीत जाने के बावजूद युवक का कोई सुराग न लगना चिंता का विषय है। मोरना चौकी पहुंचे लियाकत ने बताया कि मोनू को लापता हुए करीब 60 घंटे बीत चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। उन्होंने पुलिस से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द तलाश अभियान तेज करने की मांग की।

परिवार में पसरी चिंता, अपनों को सकुशल लौटने का इंतजार

मोनू के अचानक लापता होने से उसके परिवार के लोग बेहद परेशान हैं। पिता शमशाद अल्वी, माता बानो, पत्नी शबनूर और बच्चे तमन्ना, फरहा, इनाया, गजाला, मोहम्मद साद और हुमैरा उसके सकुशल लौटने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

बेगराजपुर में प्रदूषण पर बड़ी कार्रवाई, भारत मेटल वर्क्स फैक्ट्री सील

पुरानी बैटरियों के सेल्स गलाने और प्लास्टिक बैटरी बॉक्स रिफर्निश करने की शिकायतों पर पहुंची प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम, नाले में मिला रसायनयुक्त पानी, सिटी मजिस्ट्रेट के निर्देश पर कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। बेगराजपुर औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन की शिकायतों को लेकर शुक्रवार शाम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने भारत मेटल वर्क्स फैक्ट्री का निरीक्षण करने के बाद फैक्ट्री को सील कर दिया। फैक्ट्री में पुरानी बैटरियों के सेल्स गलाने तथा प्लास्टिक के बैटरी बॉक्स को रिफर्निश करने का काम किए जाने की शिकायतें लगातार अधिकारियों तक पहुंच रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए सिटी मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर के निर्देश पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम को जांच के लिए भेजा गया।

शाम सात बजे पहुंची टीम, शुरू हुआ मौके का निरीक्षण

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम शुक्रवार शाम करीब सात बजे बेगराजपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित भारत मेटल वर्क्स फैक्ट्री पहुंची। टीम ने फैक्ट्री परिसर में पहुंचकर वहां चल रही गतिविधियों, उत्पादन प्रक्रिया और पर्यावरणीय मानकों से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर के विभिन्न हिस्सों को देखा और मौके पर मौजूद परिस्थितियों की

जानकारी जुटाई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एई कुंवर संतोष कुमार के मुताबिक निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में कई अनियमितताएं सामने आईं। टीम ने मौके पर मिले तथ्यों और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन से जुड़े बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए फैक्ट्री के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई शुरू की।

नाले में बहता मिला रसायनयुक्त और प्रदूषित पानी

निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री से निकलने वाला प्रदूषित पानी भी जांच के दायरे में आया। अधिकारियों के अनुसार फैक्ट्री परिसर से रसायनयुक्त और खतरनाक पानी नाले में बहता हुआ पाया गया। पानी के नाले में जाने की स्थिति को पर्यावरण की दृष्टि से गंभीर माना गया। टीम ने मौके पर मिली स्थिति को कार्रवाई के महत्वपूर्ण आधारों में शामिल किया। फैक्ट्री में पुरानी बैटरियों के सेल्स गलाने की गतिविधि को लेकर भी पर्यावरणीय मानकों के पालन पर सवाल खड़े हुए। बैटरियों से संबंधित प्रक्रिया में निकलने वाले अपशिष्ट और रसायनों के उचित निस्तारण की व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों ने मौके की स्थिति का जायजा लिया।

पुरानी बैटरियों और प्लास्टिक बॉक्स के काम को लेकर शिकायतें

भारत मेटल वर्क्स को लेकर अधिकारियों को शिकायतें मिल रही थीं कि फैक्ट्री में पुरानी बैटरियों के सेल्स गलाने के साथ-साथ प्लास्टिक के बैटरी बॉक्स को रिफर्निश करने का काम किया जा रहा है। शिकायतों में पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन और प्रदूषण फैलने की आशंका जताई गई थी। शिकायतों के आधार पर प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मौके पर जांच के निर्देश दिए। शुक्रवार शाम टीम के पहुंचने के बाद शिकायतों से जुड़े बिंदुओं की मौके पर जांच की गई। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री प्रतिनिधि ने रोकने की गुहार लगाई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री प्रतिनिधि मोहम्मद नवाब भी मौके पर मौजूद रहे। बताया गया कि कार्रवाई शुरू होने के बाद फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से अधिकारियों से कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई गई। हालांकि अधिकारियों ने नियमों और मौके पर मिली परिस्थितियों के आधार पर कार्रवाई जारी रखी। टीम ने फैक्ट्री परिसर में आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद भारत मेटल वर्क्स को सील कर दिया। सीलिंग की कार्रवाई के बाद फैक्ट्री में उत्पादन संबंधी गतिविधियों पर रोक लग गई।

सीलिंग के बाद औद्योगिक क्षेत्र में मचा हड़कंप

शुक्रवार शाम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई की सूचना मिलते ही बेगराजपुर औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई। औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद अन्य इकाइयों में भी पर्यावरणीय मानकों को लेकर चर्चा शुरू हो गई। अधिकारियों का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाना जरूरी है।

मौके पर मिली अनियमितताओं की विस्तृत जांच जारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम अब फैक्ट्री में मिली अनियमितताओं और पर्यावरणीय नियमों के पालन की स्थिति की विस्तृत जांच कर रही है। फैक्ट्री में किस प्रकार की उत्पादन गतिविधियां संचालित की जा रही थीं, उनसे निकलने वाले अपशिष्ट का निस्तारण किस तरह किया जा रहा था और रसायनयुक्त पानी नाले तक कैसे पहुंच रहा था, इन सभी बिंदुओं को जांच में शामिल किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक मौके पर सामने आए तथ्यों और जांच की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

तहसील सदर के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण छठी महोत्सव, भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर। मेरठ रोड स्थित तहसील सदर परिसर के प्राचीन शिव मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का छठी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या में देर तक भक्ति की धारा बहती रही। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के भजनों पर झूमते और नृत्य करते नजर आए। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

दीप प्रज्वलित कर एसडीएम सदर ने किया भजन संध्या का शुभारंभ

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाएं भक्ति, प्रेम, नीति और शक्ति का संदेश देती हैं। उनकी शिक्षाएं हर युग में समाज का मार्गदर्शन करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। विधि-विधान से संपन्न हुआ पूजा-पाठ और भोग का कार्यक्रम छठी महोत्सव के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का विधि-विधान से पूजन किया गया। पूजा-पाठ, भोग और प्रसाद सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम पंडित द्वारका प्रसाद सिद्ध पीठ वाले गुरुजी, पंडित संजय मिश्रा और पंकज जिंदल गुरुजी द्वारा संयुक्त रूप से संपन्न कराए गए। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भगवान

श्रीकृष्ण के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

तहसील परिवार की पुरानी परंपरा के तहत हुआ आयोजन

तहसील बार संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट योगेंद्र काम्बोज ने कहा कि तहसील परिवार द्वारा स्थापित परंपरा के अनुरूप हर वर्ष भगवान श्रीकृष्ण की छठी का महोत्सव और भजन संध्या आयोजित की जाती है। इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, कर्मचारी और आम श्रद्धालु एक साथ शामिल होकर धार्मिक उत्सव का हिस्सा बनते हैं। भजनों पर देर तक झूमते रहे श्रद्धालु भजन संध्या में कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की भक्ति से जुड़े भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। ह्यफूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी लालह्ल और ह्यराधे-राधे नाम रटा करोह्ल जैसे भजनों ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु खुद को नृत्य करने से नहीं रोक सके। मंदिर परिसर में जयकारों और भजनों से वातावरण गूंजता रहा। तहसील बार संघ के अध्यक्ष हाजी कमरुज्जमा एडवोकेट और सचिव हेमंत अरोरा एडवोकेट ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों, अधिवक्ताओं और श्रद्धालुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों को सफल बनाने में सभी का सहयोग महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में तहसील परिवार से जुड़े लोगों ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम में जिला बार संघ अध्यक्ष प्रमोद त्यागी, सचिव सुरेंद्र मलिक, सिविल बार संघ से सुनील मित्तल, आंचल अग्रवाल, एडवोकेट हरिओम गोयल, एडवोकेट अंकित गोयल, एडवोकेट एवं समाजसेवी अनुराधा वर्मा, उमा, सुषमा त्यागी, संजीव काम्बोज उर्फ पिंटू, सतीश शर्मा, संजय, शिवम, एडवोकेट रवि जैन, मनोज पाल, पंकज कपूर और किशनचंद एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भोपा के किशनपुर गांव में सांप के डसने से दुधारू भैंस की मौत: गरीब परिवार पर रोजी-रोटी का संकट

ग्रामीणों ने प्रशासन से की गरीब मजदूर को उचित मुआवजा देने की मांग

मोरना(मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के ग्राम किशनपुर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां जहरीले सांप के काटने से एक गरीब मजदूर की दुधारू भैंस की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। भैंस की मौत से पीड़ित परिवार को लगभग एक लाख रुपये से अधिक का भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में मातम पसरा है, वहीं ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से गरीब मजदूर को उचित मुआवजा दिलाने की पुरजोर मांग की है।

बहन के शोर मचाते ही सांप ने भैंस को डसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम किशनपुर निवासी मयराज पुत्र मुस्तफा शनिवार दोपहर अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान उसकी बहन शहनाज ने भैंस के पास एक जहरीले सांप को देखा और घबराकर शोर मचा दिया। शोर सुनकर

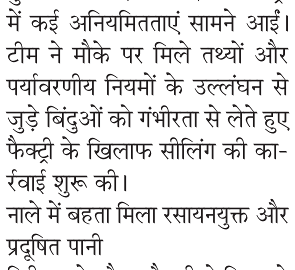

मयराज तुरंत भैंस की तरफ दौड़ा, लेकिन तब तक जहरीले सांप ने भैंस को डस लिया था। सांप के डसते ही कुछ ही देर में विष के असर से भैंस की हालत बिगड़ने लगी और तड़पते-तड़पते उसने दम तोड़ दिया। पीड़ित मयराज ने रुंधे गले से बताया कि वह भैंसा-बोगी से भाड़ा ढोकर और मजदूरी करके किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। जिस भैंस की मौत हुई है, वह दूध देती थी और साथ ही पांच माह की ग्याभिन (गर्भवती) भी थी। भैंस की असमय मौत से मयराज की पत्नी परवीना, बेटे शाद व आएद तथा बेटी सदिया का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार की आजीविका के मुख्य सहारे के छीन जाने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद भोपा सरकारी पशु अस्पताल में तैनात पशु चिकित्सक डॉ. कमल कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मृत भैंस का पोस्टमार्टम किया। पीड़ित ने मामले की लिखित सूचना भोपा थाना पुलिस को भी दी है। घटना से दुखी गांव के फखरुद्दीन, वासीद, फिरोज, सलमान, जाबिद, राशिद, साकिब, आदिल आदि ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व राजस्व विभाग से मांग की है कि गरीब मजदूर मयराज को आपदा राहत कोष से अविलंब आर्थिक सहायता व मुआवजा प्रदान किया जाए।

108 सखियों के संकल्प से पहली बार सजेगा भक्ति का भव्य दरबार

16 से 23 सितंबर तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन, मंगल कलश यात्रा से होगा शुभारंभ; कृष्ण जन्मोत्सव, गोवर्धन लीला, छप्पन भोग, रासलीला और सुदामा चरित्र रहेंगे विशेष आकर्षण

मुजफ्फरनगर। धर्मनगरी मुजफ्फरनगर में पहली बार महिलाओं के सामूहिक संकल्प और नेतृत्व में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। श्यामा-श्याम जू की 108 सखियों के संकल्प से 16 से 23 सितंबर तक आशीर्वाद बैंकट हॉल में भक्ति और आध्यात्मिकता का भव्य दरबार सजेगा। आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से लेकर उनकी बाल लीलाओं, गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग, रासलीला, श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह और सुदामा चरित्र तक के प्रसंगों का भक्तिमय वर्णन किया जाएगा। शनिवार को श्री गणपति धाम में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। नगर पालिका परिषद की पूर्व चेयरमैन अंजू अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन को विशेष रूप देने के लिए 108 महिलाओं का समूह तैयार

किया गया है। महिलाओं के सामूहिक संकल्प और सहभागिता से होने वाला यह आयोजन नगर में धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी विशेष संदेश देगा। आयोजन का शुभारंभ बुधवार 16 सितंबर को सुबह 8:30 बजे भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ होगा। यात्रा शिव दुर्गा मंदिर, लक्ष्मण विहार से प्रारंभ होकर कथा स्थल आशीर्वाद बैंकट हॉल पहुंचेगी। मंगल कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा के दौरान भक्ति गीतों और भगवान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय रहने की संभावना है। इसके बाद प्रतिदिन अपराह्न तीन बजे से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा व्यास हिमेश शास्त्री महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का रसपान कराएंगे।।16 सितंबर को कथा के प्रथम दिन श्रीमद्भागवत महात्म्य, राजा परीक्षित को श्राप और शुकदेव जी के आगमन का प्रसंग सुनाया जाएगा। इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का विशेष आयोजन भी होगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। 17 सितंबर को श्री शुक-परीक्षित चरित्र, मनु-कर्दम चरित्र, वराह अवतार और कपिलोपदेश का वर्णन किया जाएगा। 18 सितंबर को सती चरित्र, ध्रुवाख्यान, जड़ भरत चरित्र, अजामिलोद्धार और भगवान नृसिंह अवतार की कथा सुनाई जाएगी। 19 सितंबर को गजेन्द्र मोक्ष, वामन अवतार और श्रीराम चरित्र के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव का आयोजन होगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और नंदोत्सव के प्रसंग पर श्रद्धालु भक्ति और उल्लास में सराबोर नजर आएंगे। 20 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया जाएगा। इसी दिन गोवर्धन लीला, छप्पन भोग और अन्नकूट महोत्सव विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। भगवान को छप्पन प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे और श्रद्धालुओं को गोवर्धन लीला का आध्यात्मिक संदेश बताया जाएगा। 21 सितंबर को रासलीला तथा श्रीकृष्ण-रुक्मणी मंगल विवाह का प्रसंग सुनाया जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह प्रसंग के दौरान कथा स्थल का वातावरण भक्ति और उत्सव के रंग में रंगा नजर आएगा। श्रद्धालुओं के लिए यह दिन विशेष आकर्षण वाला रहेगा। 22 सितंबर को सुदामा चरित्र, भागवत धर्म, उद्धवोपदेश और श्रीमद्भागवत कथा सार का वर्णन किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रसंग के माध्यम से प्रेम, त्याग, समर्पण और सच्ची मित्रता का संदेश दिया जाएगा। इसी के साथ कथा का विश्राम होगा। 23 सितंबर को हवन, प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन कर आठ दिवसीय धार्मिक आयोजन का विधिवत समापन किया जाएगा।

किसान बचाओ देश बचाओ महापंचायत का ऐलान, 7 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर में होगी किसान बचाओ देश बचाओ महापंचायत

जीआईसी मैदान में जुटेंगे हजारों किसान, 22 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आगामी 7 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में विशाल महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। महापंचायत को ह्लकिसान बचाओ, देश बचाओह्व नाम दिया गया है। संगठन का दावा है कि महापंचायत में मुजफ्फरनगर के साथ ही आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में किसान पहुंचेंगे और किसानों का जनसैलाब उमड़ेगा।

राष्ट्रीय कार्यालय पर आयोजित संगठन की बैठक में चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर महापंचायत में 22 सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इन मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों की प्रमुख मांगों में गन्ने का लाभकारी भाव घोषित करना, गन्ने के बकाया भुगतान की समस्या का समाधान, किसानों की कर्जमाफी, स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक, 60 वर्ष की आयु के बाद किसानों को पेंशन, बिजली, खाद और पानी पर 50 प्रतिशत की छूट सहित अन्य मांगें शामिल हैं। संगठन का कहना है कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए।

बिजनौर में किसानों पर दर्ज मुकदमे को बताया फर्जी

बैठक के दौरान बिजनौर जनपद में किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। चौधरी संजीव तोमर ने वन विभाग के अधिकारियों पर किसानों को परेशान करने का आरोप लगाते हुए संबंधित मुकदमे को पूरी तरह फर्जी बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग के रेंजर महेश गौतम की ओर से किसानों पर वाहन जबरन छुड़ाने का आरोप लगाया गया, जबकि संगठन के अनुसार वाहन को छुड़ाने के लिए 50 हजार रुपये की रसीद जमा कराई गई थी और रेंजर के आदेश पर ही वाहन छोड़ा गया। चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि वाहन छोड़ने की पूरी प्रक्रिया वन विभाग के कैमरों में रिकॉर्ड होने का दावा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वाहन छोड़ने के लिए वन विभाग के दरोगा द्वारा चार लाख रुपये की मांग की जा रही थी। इसके विरोध में भाकियू तोमर के प्रदेश प्रभारी अजय त्यागी ने डीएफओ कार्यालय पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया, जिसके बाद रेंजर महेश गौतम के कहने पर वाहन छोड़े जाने की बात कही गई।

चौधरी संजीव तोमर ने रेंजर महेश गौतम पर पूर्व में भी विवादों में रहने और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का सामना करने के आरोप लगाए। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मुकदमा वापस नहीं हुआ तो चार जिलों में आंदोलन की चेतावनी

भाकियू तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने चेतावनी दी कि यदि वन विभाग द्वारा किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए कथित फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो संगठन एक साथ लखनऊ, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर में धरना-प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों के उत्पीड़न को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी, जिला अध्यक्ष निखिल चौधरी, कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष महबूब बालियान, पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष अंकित गुर्जर, युवा जिला अध्यक्ष सोनू चौधरी, मंडल प्रभारी

महिला मोर्चा विजय लक्ष्मी, महिला मोर्चा युवा जिला अध्यक्ष रंजनी शर्मा, प्रदेश महासचिव नीशु त्यागी, अजय त्यागी, प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र सैनी, साऊद हसन, सलमान सलमानी, पंकज चौधरी, सद्दाम, जाहिद, शाने आलम, अरुण कश्यप, महबूब, सिराजुद्दीन, मुजफ्फरनगर अली, शाकिब, आसिफ साकिब, नितिन शर्मा, मेहरबान, मुस्तफा, जावेद आलम, अमित छोटा, आकिल, शुभान, आजम, सुहैल मखयाली, शाहरुख, सलीम मलिक, मोनू धीमान, जाहिद, नईम अंसारी, विनीत त्यागी, डॉ. इसराइल, शाहरुख कवाल, सोनू सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रतनपुरी में युवक की मौत के मामले में बड़ा खुलासा, पत्नी और कथित प्रेमी गिरफ्तार

राकिब को नशीली दवा देने का आरोप, उपचार के दौरान हुई थी मौत, एसपी ग्रामीण ने प्रेसवार्ता में दी कार्रवाई की जानकारी

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों पर युवक को नशीली दवा देने का आरोप है। हालत बिगड़ने के बाद युवक को उपचार के लिए ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के परिजन की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी। शनिवार को पुलिस ने दोनों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से दो नशीली गोलियां मय रेपर बरामद किए गए हैं।

एसपी ग्रामीण ने पुलिस लाइन सभागार में खोला कार्रवाई का ब्यौरा

मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि आठ सितंबर को रतनपुरी थाना क्षेत्र निवासी वादी ने पुलिस को लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया कि उसकी पुत्रवधू तबस्सुम ने अपने कथित प्रेमी शाहरुख के साथ मिलकर उसके पुत्र राकिब को नशीली दवा दे दी। नशीली दवा दिए जाने के बाद राकिब की हालत बिगड़ गई और उसे उपचार के लिए ले जाया गया। परिजनों द्वारा उपचार कराने के बावजूद राकिब की जान नहीं बच सकी और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

तहरीर के आधार पर दर्ज हुआ हत्या का मुकदमा

मामले की गंभीरता को देखते हुए रतनपुरी पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया। पुलिस टीमों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस द्वारा उनके संभावित ठिकानों और संबंधित स्थानों पर दबिश देने के साथ ही मामले से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

चार दिन तक तलाश के बाद पुलिस के हत्थे चढ़े दोनों आरोपी

पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर को मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस टीम लगातार उनकी तलाश में जुटी थी। शनिवार 12 सितंबर को पुलिस ने वांछित अभियुक्ता तबस्सुम और अभियुक्त शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तबस्सुम पुत्री शकील, पत्नी स्वर्गीय राकिब, ग्राम हुसैनाबाद भनवाड़ा, थाना रतनपुरी, जनपद मुजफ्फरनगर की निवासी है। वहीं दूसरा आरोपी शाहरुख पुत्र मतलूब ग्राम हमजागढ़, थाना गंगोह, जनपद सहारनपुर का निवासी बताया गया है।

कब्जे से दो नशीली गोलियां और रेपर बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो नशीली गोलियां मय रेपर बरामद की हैं। पुलिस ने बरामद नशीली गोलियों और रेपर को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामदगी को पुलिस ने मामले की विवेचना में महत्वपूर्ण माना है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ के साथ ही मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। नशीली गोलियां कहां से हासिल की गईं और युवक को किस प्रकार दवा दी गई, इन बिंदुओं को भी विवेचना में शामिल किया गया है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद विवेचना में जुटी पुलिस

दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस मामले की विवेचना को आगे बढ़ा रही है। पुलिस बरामद नशीली गोलियों और रेपर के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। साथ ही घटना के दौरान मौजूद परिस्थितियों, मृतक को दवा दिए जाने और इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने से लेकर उपचार के दौरान हुई मौत तक के घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

इन अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई

रतनपुरी पुलिस की यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन मेरठ और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण में की गई। कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह और थाना प्रभारी रतनपुरी राकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भूमिका निभाई।

ट्रैक्टरों की कतार के साथ किसानों ने किया भाकियू सेवक के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

दीदाहेड़ी में किसान पंचायत में गूंजा किसानों के हक-अधिकार का मुद्दा, स्थापना दिवस पर सरकार के सामने रखी जाएंगी 10 सूत्रीय मांगें

मुजफ्फरनगर। चरथावल विकासखंड के गांव दीदाहेड़ी में भारतीय किसान यूनियन सेवक की ओर से किसान पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर दीपक सोम और उनकी टीम का ग्रामीणों व किसानों ने ट्रैक्टरों की लंबी कतार के साथ जोरदार स्वागत किया। पंचायत में किसानों की समस्याओं, उनके हक-अधिकार और संगठन को गांव-गांव मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने और उनके हितों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

किसानों के हक की आवाज बुलंद करना संगठन का दायित्व

किसान पंचायत को संबोधित करते हुए युवा जिला संगठन महामंत्री ठाकुर धीरज सिंह राणा ने कहा कि किसानों की आवाज को बुलंद करना और उनके हक-अधिकारों की रक्षा करना भारतीय किसान यूनियन सेवक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर संगठन गंभीर है और जरूरत पड़ने पर किसानों के हित में पूरी मजबूती के साथ संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। संगठन का प्रयास रहेगा कि किसानों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों और सरकार तक प्रभावी तरीके से पहुंचाया जाए।

11 अक्टूबर को रतनपुरी में मनाया जाएगा पहला स्थापना दिवस

पंचायत के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर दीपक सोम ने भारतीय किसान यूनियन सेवक के पहले स्थापना दिवस की घोषणा की। उन्होंने बताया कि संगठन का पहला स्थापना दिवस 11 अक्टूबर को सुबह 11 बजे खतौली क्षेत्र के रतनपुरी कस्बे में मनाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी किसानों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। ठाकुर दीपक सोम ने कहा कि स्थापना दिवस केवल संगठन का कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि किसानों के मुद्दों को मजबूती से उठाने का बड़ा अवसर भी होगा। उन्होंने किसानों से एकजुट होकर कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की।

सरकार के सामने रखी जाएंगी किसानों की 10 सूत्रीय मांगें

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के हितों से जुड़ी 10 सूत्रीय मांगें सरकार के सामने रखी जाएंगी। इन मांगों को लेकर किसानों की समस्याओं और उनके अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसानों का ज्ञापन लेने के लिए सरकार की ओर से एक अधिकारी के कार्यक्रम में पहुंचने की बात कही गई है। उन्होंने दावा किया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे और किसानों की आवाज को मजबूती से सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

संगठन को मजबूत करने पर भी हुआ मंथन

किसान पंचायत में संगठन की आगामी रणनीति और ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन को और मजबूत करने पर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों की समस्याओं को जमीनी स्तर से समझकर उन्हें संगठन के माध्यम से उठाया जाएगा। इसके लिए गांव-गांव किसानों से संपर्क बढ़ाने और उन्हें संगठन से जोड़ने पर जोर दिया गया।

बप्पा के स्वागत को सजेगा मुजफ्फरनगर, 14 से 24 सितंबर तक गूंजेगा गणपति बप्पा का जयघोष

भव्य शोभायात्रा में स्वर्ण रथ, 12 झांकियां और बैंड-ढोल रहेंगे आकर्षण का केंद्र, स्वर्ण श्रृंगार, 56 भोग और रजत पालना के होंगे दर्शन

मुजफ्फरनगर। अग्रपूज्य भगवान श्री गणपति के जन्मोत्सव को लेकर मुजफ्फरनगर भक्ति और आस्था के रंग में रंगने जा रहा है। श्री गणपति खाटू श्याम मंदिर परिवार, भरतिया कॉलोनी की ओर से 14 से 24 सितंबर तक गणपति धाम मंदिर परिसर में भव्य गणपति जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी, वहीं भगवान गणपति के स्वर्ण श्रृंगार, 56 भोग और रजत पालना के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेंगे। गणपति जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर शनिवार को गणपति धाम में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन की विस्तृत जानकारी दी गई। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत रोशनी, रंग-बिरंगे फूलों और सजावटी सामग्री से सजाने का कार्य शुरू हो चुका है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। महोत्सव का शुभारंभ सोमवार 14 सितंबर को सुबह 10 बजे भगवान श्री गणपति महाराज

की भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। शोभायात्रा गणपति धाम मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नवीन मंडी स्थल (गुड़ मंडी), राजबाहा रोड, मुनीम कॉलोनी, नई मंडी बड़े डाकखाने के सामने, गौशाला रोड, नंदी स्वीट्स के बराबर से पुरानी गुड़ मंडी, पीठ बाजार और बिंदल बाजार पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा मेहता क्लब के बराबर से वकील रोड, चौड़ी गली, गौशाला रोड, भोपा पुल के बराबर से वकील रोड, नई मंडी बिजलीघर और बड़े डाकखाने के सामने से होते हुए वापस गणपति धाम मंदिर पहुंचेगी। यहां शोभायात्रा का समापन किया जाएगा। शोभायात्रा में भगवान श्री गणपति का भव्य स्वर्ण रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। श्रद्धालु भगवान गणपति के स्वर्ण स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। यात्रा मार्ग को तोरणद्वारों, झंडों और आकर्षक सजावट से सजाया जा रहा है। जगह-जगह गणपति बप्पा के जयघोष और भक्ति संगीत से वातावरण भक्तिमय रहने की उम्मीद है। धार्मिक आयोजन में भगवान खाटू श्याम जी का विशाल रथ भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। रथयात्रा में 12 भव्य झांकियां शामिल होंगी, जिनके माध्यम से धर्म, संस्कृति, आध्यात्मिकता, शक्ति और देशभक्ति के संदेश प्रस्तुत किए जाएंगे। देशभक्ति, महाकाल, हरसिद्धि माता और भगवान के विराट स्वरूप पर आधारित झांकियां विशेष आकर्षण रहेंगी। यात्रा में चार बैंड, दो ढोल-ताशे, दो रथ, दो भव्य आतिशबाजी कार्यक्रम, दो डीजे और दो टैंपू शामिल रहेंगे। भक्ति संगीत, बैंड और ढोल-ताशों की गूंज के बीच शहर का माहौल पूरी तरह श्याम और गणपति भक्ति में रंगा नजर आएगा। गणपति महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 सितंबर को राधा नाम कीर्तन, 16 सितंबर को श्रीराम संकीर्तन, 17 सितंबर को ताली कीर्तन और 18 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। 19 सितंबर को श्री राधाष्टमी उत्सव मनाया जाएगा। इसी क्रम में 20 सितंबर को श्री सुंदरकांड पाठ, 21 सितंबर को देशभक्ति एवं भक्तिरस कार्यक्रम तथा 22 सितंबर को एकादशी संकीर्तन का आयोजन होगा। 23 सितंबर को शाम चार बजे पूणार्हुति होगी। आयोजकों के अनुसार इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। महोत्सव का समापन 24 सितंबर को भगवान श्री गणपति जी के विसर्जन के साथ होगा। श्रद्धालु गणपति बप्पा को भावभीनी विदाई देंगे और गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष से वातावरण गूंज उठेगा। विसर्जन कार्यक्रम हरिद्वार स्थित सर्वानन्द घाट पर भंडारे के साथ संपन्न किया जाएगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से गणपति जन्मोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने और भगवान गणपति के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया है। आयोजन समिति के अनुसार विघ्नविनाशक भगवान गणपति की आराधना से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाती है। गणपति जन्मोत्सव के दौरान पूरा क्षेत्र गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंजता नजर आएगा।

मुजफ्फरनगर की जूनियर कबड्डी टीम ने बढ़ाया जिले का मान, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। जिले की जूनियर बालक कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुजफ्फरनगर का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया है। फिरोजाबाद में 7 सितंबर को आयोजित यूपी जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप जोन-ए में प्रथम स्थान हासिल करने वाली जिले की टीम का पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने अपने आवास पर स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और आगामी स्टेट चैंपियनशिप के लिए उनका उत्साह बढ़ाया। जोन-ए चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन मुजफ्फरनगर की जूनियर बालक कबड्डी टीम ने 7 सितंबर को फिरोजाबाद में आयोजित यूपी जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप जोन-ए में दमदार प्रदर्शन किया। टीम ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का परिचय दिया। इस उपलब्धि के बाद टीम का चयन आगामी स्टेट चैंपियनशिप के लिए हुआ है, जो शामली में आयोजित की जाएगी। टीम की इस सफलता से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और कबड्डी से जुड़े पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। खिलाड़ियों की मेहनत और मैदान पर

बेहतर तालमेल को इस उपलब्धि की अहम वजह माना जा रहा है। स्टेट चैंपियनशिप से पहले खिलाड़ियों को मिली प्रोत्साहन की सौगात

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें खेल किट और बैग प्रदान किए। उन्होंने खिलाड़ियों से मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। खिलाड़ियों को सम्मानित किए जाने से टीम के सदस्यों में भी उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी महत्वपूर्ण जरिया है। ग्रामीण और छोटे शहरों से निकलने वाली खेल प्रतिभाओं को उचित मंच और प्रोत्साहन मिलने से वे प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकती हैं। जोन-ए में प्रथम स्थान हासिल करने के बाद मुजफ्फरनगर की टीम अब शामली में होने वाली स्टेट चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। यहां टीम के सामने प्रदेश की अन्य मजबूत टीमों की चुनौती होगी। खिलाड़ियों ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी है और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले के लिए एक और उपलब्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। टीम से जुड़े पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों को उम्मीद है कि जिस तरह खिलाड़ियों ने जोन-ए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया

नाबालिग के लापता होने के मामले में युवक गिरफ्तार, रामपुर तिराहे से दबोचा

चरथावल पुलिस ने नाबालिग को सकुशल बरामद किया, पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में किया पेश, अदालत के आदेश पर जेल भेजा

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र से नाबालिग के घर से बिना बताए चले जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

आठ सितंबर को पिता ने दर्ज कराई थी शिकायत

पुलिस के अनुसार, आठ सितंबर को नाबालिग के पिता ने चरथावल थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि उनकी बेटी घर से बिना बताए चली गई है। परिजनों ने अपने स्तर से काफी तलाश की, रिश्तेदारों और परिचितों से भी जानकारी की, लेकिन

नाबालिग का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से उसकी तलाश कर सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई। शिकायत मिलने के बाद चरथावल पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज किया और नाबालिग की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाने के साथ ही मामले से जुड़े लोगों के संबंध में भी पड़ताल शुरू की।

जांच में सामने आया युवक का नाम

पुलिस के मुताबिक, नाबालिग की तलाश के दौरान जांच आगे बढ़ने पर उसके बयानों और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर एक युवक का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम लगातार उसकी लोकेशन और संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाती रही। जांच के दौरान पुलिस को युवक के रामपुर तिराहे की ओर होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए मौके पर पहुंचकर युवक को गिरफ्तार कर लिया। इसी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया।

रामपुर तिराहे से पुलिस ने आरोपी को दबोचा

चरथावल पुलिस के अनुसार सूचना के आधार पर रामपुर तिराहे से आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और मामले से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाई। नाबालिग की सकुशल बरामदगी के बाद पुलिस ने नियमानुसार उसके बयान और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी करने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद नाबालिग के परिजनों ने राहत की सांस ली। कई दिनों से बेटी के लापता होने के कारण परिवार में चिंता का माहौल बना हुआ था।

कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजा गया आरोपी

पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी युवक को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार, न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया।

गोगा महाड़ी मेले में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, सुरक्षा के लिए पुलिस ने कसी कमर

दूधली में 13 सितंबर से शुरू होगा तीन दिवसीय ऐतिहासिक मेला, राजस्थान, हरियाणा और यूपी के कई जिलों से पहुंचेंगे लाखों श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर। चरथावल विकासखंड के गांव दूधली स्थित प्रसिद्ध गोगा महाड़ी पर 13 सितंबर से तीन दिवसीय ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ होगा। मेले में राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। भीड़ के मद्देनजर कानून-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सीओ सदर ने गोगा महाड़ी परिसर का किया निरीक्षण

मेले की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सीओ सदर सुनील कुमार पुलिस टीम के साथ दूधली पहुंचे। उन्होंने गोगा महाड़ी परिसर के साथ ही आसपास के क्षेत्रों का बारीकी से निरीक्षण किया। उनके साथ चरथावल थाना प्रभारी सत्यनारायण दहिया, दूधली चौकी प्रभारी विशाल राठी और पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने मेला स्थल के आसपास श्रद्धालुओं की संभावित आवाजाही, भीड़ के दबाव वाले स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति को देखा। पुलिस अधिकारियों ने

मेले के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न होने देने के लिए मौके पर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गांव की गलियों में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस टीम ने दूधली गांव की गलियों और आसपास के क्षेत्रों में फ्लैग मार्च भी किया। पुलिस की मौजूदगी से जहां ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम हुआ, वहीं मेले के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की तैयारियों का भी संदेश गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध स्थानों और संवेदनशील इलाकों पर भी नजर रखी। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी मेले के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर पुलिस अलर्ट

गोगा महाड़ी का मेला क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। हर वर्ष मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बार भी राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है।

श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी में तैनात रहने वाले पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि भीड़ के बीच लगातार निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें।

अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश

सीओ सदर सुनील कुमार ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि मेले के दौरान सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मी तैयार रहें। उन्होंने भीड़ के बीच महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। पुलिस को मेले के दौरान लगातार गश्त और निगरानी बनाए रखने को कहा गया है।

कानून-व्यवस्था के साथ यातायात पर भी रहेगा फोकस

तीन दिवसीय मेले के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण यातायात का दबाव भी बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। भीड़ वाले स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर आवागमन को व्यवस्थित रखने की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान कानून-व्यवस्था से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

ट्रांसफार्मर चोर गिरोह का भंडाफोड़, मुठभेड़ में तीन बदमाश घायल, छह गिरफ्तार

अंसल टाउन में 250 केवी ट्रांसफार्मर काटकर तार उड़ाने वाले गिरोह का नई मंडी पुलिस ने किया पदार्फाश, 110 किलो एल्युमिनियम तार, वैगनआर-स्कार्पियो और पांच तमंचे बरामद

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर से तांबा और एल्युमिनियम तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीन बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीन अन्य को पुलिस ने मौके से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया करीब 110 किलोग्राम एल्युमिनियम तार, वारदात में इस्तेमाल वैगनआर और स्कार्पियो, पांच तमंचे, पांच जिंदा और पांच खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस लाइन में पत्रकार वार्ता में एसपी ग्रामीण ने खोला पूरा राज

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि नई मंडी क्षेत्र के अंसल टाउन में पांच सितंबर को 250 केवी के ट्रांसफार्मर को काटकर उसके अंदर से तार चोरी किए जाने की घटना सामने आई थी। मामले में स्टेट मैनेजर दीपेश कुमार की तहरीर पर थाना नई मंडी में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया था। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान गिरोह से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। इसके बाद संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई। पुलिस आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी और लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।

बागोवाली चौराहे पर चेकिंग के दौरान मिली बड़ी सूचना

पुलिस के अनुसार शुक्रवार की रात बागोवाली चौराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि करीब एक सप्ताह पहले ट्रांसफार्मर चोरी करने वाला गिरोह नेशनल हाईवे-58 पर आयशर वर्कशॉप के पीछे खाली पड़े प्लाट में मौजूद है। बताया गया कि गिरोह के सदस्य किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए नई मंडी पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, जैसे ही टीम ने घेराबंदी शुरू की, वहां मौजूद बदमाशों ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाते हुए फायरिंग शुरू कर दी।

चेतावनी के बाद भी नहीं माने बदमाश,

पुलिस ने की जवाबी फायरिंग

पुलिस टीम ने खुद को सुरक्षित करते हुए बदमाशों को आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन आरोप है कि बदमाशों ने दोबारा पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में चांद उर्फ समर निवासी ताज कालोनी, मसूरी, गाजियाबाद, दानिश निवासी यासीन गढ़ी, डासना, गाजियाबाद, और कय्यूम निवासी ईशाक नगर, डासना गोली लगने से घायल हो गए। वहीं मौके पर मौजूद चेतन चौधरी निवासी चिपियाना बुजुर्ग, गौतमबुद्धनगर, अली उर्फ इकबाल अहमद निवासी चिपियाना बुजुर्ग, गौतमबुद्धनगर और मोनिश खान निवासी चरण सिंह कालोनी, प्रतापविहार, गाजियाबाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपियों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

110 किलो एल्युमिनियम तार देखकर पुलिस भी रह गई हैरान

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ट्रांसफार्मर से चोरी किया गया करीब 110 किलोग्राम एल्युमिनियम तार बरामद किया है। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई एक वैगनआर और एक स्कार्पियो भी पुलिस के हाथ लगी है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के पास से पांच 315 बोर के तमंचे, पांच जिंदा कारतूस और पांच खोखा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने बरामदगी और मुठभेड़ के संबंध में थाना नई मंडी में धारा 109(1), 3(5) बीएनएस तथा धारा 3/25/28 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

गाजियाबाद से मेरठ तक फैला है गिरोह का आपराधिक नेटवर्क

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों में कई का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। विशेष रूप से घायल आरोपी चांद उर्फ समर के खिलाफ चोरी, चोरी का माल रखने, गैंगस्टर एक्ट, विद्युत अधिनियम और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। चांद उर्फ समर के खिलाफ मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा और मुजफ्फरनगर के अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इनमें थाना नौचंदी मेरठ का चोरी का मुकदमा, मसूरी, नंदग्राम, क्रॉसिंग रिपब्लिक, कोतवाली और सिविल लाइन गाजियाबाद के मुकदमे तथा गैंगस्टर एक्ट का मामला शामिल है। उसके खिलाफ धौलाना, हापुड़ में आर्म्स एक्ट और मसूरी में विद्युत अधिनियम का मुकदमा भी दर्ज रहा है। चांद उर्फ समर के खिलाफ अब नई मंडी थाने में ट्रांसफार्मर चोरी के मामले के साथ-साथ पुलिस मुठभेड़ और अवैध हथियार बरामदगी का नया मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, घायल आरोपी दानिश के खिलाफ भी गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ में चोरी, चोरी का माल रखने, वाहन संबंधी धाराओं, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 14 सितंबर से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं दूर्वा की माला

गणेश जी को दूर्वा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 दूर्वा दूर्वा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होंगी।

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 6 मिनट पर आरंभ होगी और 15 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 45 मिनट पर खत्म होगी। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था।

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रात:काल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं।

इसलिए गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा।

कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 14 सितंबर से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरो में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।

गणपति स्थापना में कलश क्यों है जरूरी? कौन सी 7 चीजें रखते हैं कलश में

गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन घरों और पंडालों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना की जाती है. इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर दिन सोमवार को मनाया जाएगा. हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को घरों और पंडालों में गणेशजी की स्थापना की जाती है और पर्व की शुरुआत हो जाती है. 10 दिन तक चलने वाले इस पर्व का समापन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन के साथ हो जाता है. गणपति स्थापना की पूजा में मूर्ति के साथ कलश स्थापना का भी विशेष महत्व माना गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश को शुभता, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है.

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है. मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने से कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है. गणेश चतुर्थी पर घर में गणपति की स्थापना करना श्रद्धालुओं के लिए भगवान के स्वागत का प्रतीक है. पूजा के दौरान भक्त भगवान गणेश को दूर्वा, मोदक, लड्डू और लाल फूल अर्पित करते हैं. इसके बाद आरती और मंत्र-जाप किया जाता है. गणपति स्थापना केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि परिवार में सुख-शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा की कामना से जुड़ी परंपरा भी है.

क्यों जरूरी माना जाता है कलश?

हिंदू पूजा पद्धति में कलश को देवताओं का प्रतीक माना जाता है. गणेशजी की स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश स्थापित किया जाता है. सामान्यत: मिट्टी, तांबे या पीतल के कलश में जल भरकर उसके ऊपर आम या अशोक के पत्ते और नारियल रखा जाता है. मान्यता है कि कलश में जल जीवन और ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि नारियल पूर्णता और शुभता का प्रतीक माना जाता है. कलश की स्थापना से पूजा स्थल को पवित्र और सकारात्मक बनाने की परंपरा है. गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के दौरान कलश को भगवान गणेश के समीप रखा जाता है. कई परिवारों में कलश को पूजा की शुरुआत में स्थापित किया जाता है और इसके बाद गणे जी का आह्वान, संकल्प और पूजन किया जाता है. धार्मिक दृष्टि से यह पूरी पूजा को शुभ आधार प्रदान करने वाली परंपरा मानी जाती है.

कलश में रखी जाने वाली 7 चीजें

स्वच्छ जल, अक्षत यानी चावल, सुपारी, सिक्का, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, नारियल

गणेश स्थापना के लिए कैसे रखें कलश

धार्मिक मान्यताओं में कलश को मंगल, शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. गणेश स्थापना के समय पूजा स्थल को साफ करके चौकी पर कलश रखें. हमेशा गणेश स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश की स्थापना की जाती है. कलश में शुद्ध जल भरें और उसमें अक्षत, गंगाजल, सुपारी व सिक्का डालें. कलश के मुख पर आम या अशोक के पत्ते रखें और ऊपर नारियल स्थापित करें. कलश के पास भगवान गणेश की मूर्ति रखें. इसके बाद कलश और गणपति का विधिवत पूजन करें. हालांकि कलश स्थापना की विधि और उसमें रखी जाने वाली सामग्री अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों की धार्मिक परंपराओं के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है. इस प्रकार कलश और गणपति स्थापना का संबंध पूजा की पवित्रता, शुभता और मंगलकामना से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से की गई गणेश पूजा से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन से विघ्न दूर करते हैं.

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है।

अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर

गणेशजी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

हवा में फेल हुआ विमान का इंजन: 40 यात्रियों में मची खलबली

दिल्ली में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रयागराज से नई दिल्ली आ रहे एलायंस एयर के विमान का एक इंजन शुक्रवार दोपहर हवा में फेल हो गया। इसके चलते आईजीआई एयरपोर्ट पर विमान की आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार क्रू समेत 40 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

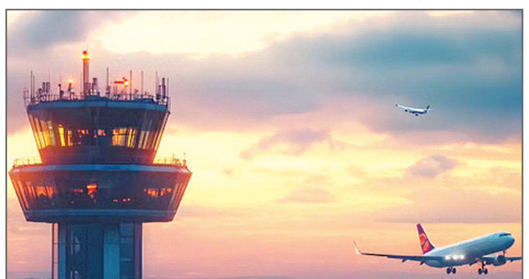

सूत्रों के मुताबिक, एलायंस एयर की उड़ान संख्या 9आई-698 ने दोपहर प्रयागराज से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान मेरठ के आसपास पायलट को विमान के एक इंजन में तकनीकी दिक्कत महसूस हुई। इसके बाद पायलट ने स्थिति की जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दी। सूचना मिलते ही दिल्ली हवाईअड्डे पर आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट कर दिया गया। विमान के उतरने से पहले रनवे और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा एवं आपात सेवाओं की टीमें तैनात कर दी गईं। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान की दोपहर करीब 2:15 बजे आपात लैंडिंग कराई गई। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों और चालक दल ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार, जिस विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आई, उसने शुक्रवार सुबह करीब 10:45 बजे बिलासपुर से प्रयागराज के लिए उड़ान भरी थी। विमान करीब 11:58 बजे प्रयागराज पहुंचा। यहां कुछ देर रुकने के बाद दोपहर 12:33 बजे विमान ने नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी। दिल्ली पहुंचने से पहले मेरठ के आसपास विमान में तकनीकी समस्या सामने आई। फिलहाल एलायंस एयर की ओर से घटना को लेकर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विमान की तकनीकी जांच भी की जाएगी। एलायंस एयर के विमानों में तकनीकी खराबी की यह दो सप्ताह के भीतर दूसरी गंभीर घटना है। इससे पहले 28 अगस्त को दिल्ली से बिलासपुर पहुंची उड़ान संख्या 9आई-613 के साथ हादसा होते-होते बचा था। बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का बायां टायर फट गया था। इससे रनवे पर चिंगारी उठने के साथ तेज घर्षण हुआ था। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से विमान को सुरक्षित रोक लिया गया।

7 मौतों के बाद भी नहीं चेती एमसीडी, दिल्ली में अवैध पीजी सर्वे की कछुआ चाल; इस साल पूरा होना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में सात लोगों की मौत के बाद एक बार फिर कागजी लीपापोती शुरू हो गई है। अवैध निर्माण और पीजी के सर्वे के नाम पर खानापूरी की जा रही है। साथ ही जिस गति से एमसीडी काम कर रही है उससे नहीं लगता है कम से कम 2026 में इस समस्या से मुक्ति मिल पाएगी।

सत्य निकेतन की घटना के बाद हाईकोर्ट के आदेश पर हुए सर्वे में एमसीडी मात्र 1500 पीजी का पता चार दिन में लगा पाई है जबकि अवैध निर्माण पर हुई कार्रवाई का आंकड़ा ही मात्र 100 पर पहुंचा है। जबकि इसकी मूल संख्या लाखों में हैं। जहां पर चौथी मंजिल से अतिरिक्त अवैध निर्माण किया गया है या फिर अवैध निर्माण जारी है। जबकि राजधानी में पीजी और अवैध रूप से संचालित इमारतों की संख्या अनुमानित रूप से 50 हजार है। जिसमें करीब पांच से सात लाख विद्यार्थी या नौकरी पेशा लोग रहते हैं। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट मांगी तो एमसीडी ने पहले ही दिन सर्वे में 1100 इमारतों की पहचान कर ली। जिससे लगा कि एमसीडी इस बार सख्ती से काम करेगी लेकिन, अगले तीन दिन में यह आंकड़ा बमुश्किल 1500 पार हो पाया है। एमसीडी की इस कछुआ चाल से 50 हजार अगर पीजी को सर्वे में शामिल करना है तो जनवरी 2027 तक का समय लगेगा क्योंकि 1523 पीजी का सर्वे चार दिन में हो पाया है। 50 हजार पीजी के सर्वे में लगेंगे 131 दिन ऐसे में औसतन 380 पीजी का सर्वे एक दिन में शामिल हो रहे हैं। प्रतिदिन 380 पीजी भी सर्वे में शामिल होते हैं तो 50 हजार पीजी का सर्वे करने में 131 दिन लगेंगे। वहीं, दिल्ली की चौथी मंजिल से अतिरिक्त की इमारतों को गिराने में तीन से चार साल का समय लगेगा। क्योकि पांच से सात लाख इमारतें ऐसी है। अकेले दक्षिणी दिल्ली ओखला और तेहखंड जैसे इलाके में ऐसी इमारतों की संख्या ही हजारों में हैं। यह संख्या लाखों में हैं। एमसीडी से सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता जेपी वर्मा कहते हैं कि वैसे तो जो भी इमारतों की मजबूती का देखकर सर्वे करना यह अपने आप में हास्यस्पद है। अगर, हमे सही में पीजी में रहने वाले बच्चों की सुरक्षा की चिंता है तो स्टक्चरल सर्वे होना चाहिए। लेकिन , चिंताजनक यह है कि एक ही इमारत को स्टक्चरल सर्वे कराने में लाखों का खर्चा होता है तो इसका खर्चा कौन वहन करेगा।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएस किरण बेदी की मांग, विधायक-पार्षदों को प्रॉपर्टी का खुलासा करने का निर्देश दे हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व आईपीएस अफसर किरण बेदी ने कहा कि दिल्ली के मौजूदा और पूर्व विधायकों, पार्षदों एवं एमसीडी अधिकारियों से उनकी संपत्तियों का ब्योरा सार्वजनिक कराया जाना चाहिए ।इस संबंध में उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश और रजिस्ट्रार से सार्वजनिक अपील की है। बेदी ने संबंधित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज संपत्तियों को भी सार्वजनिक कराने की मांग की है। पूर्व आईपीएस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और गृह मंत्रालय को टैग करते हुए कहा, राजधानी दिल्ली में ऐसी कई संपत्तियों को लेकर लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनके कानून और नियमों का उल्लंघन कर हासिल किए जाने या संचालित होने का संदेह है। उन्होंने आशंका जताई कि भवन निर्माण अथवा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े ऐसे मामलों की वजह से कानूनी और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं।

दिल्ली के रिहायशी इलाकों की बदली तस्वीर: कहीं पीजी तो कहीं कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रिहायशी कॉलोनियों में मकानों के इस्तेमाल का स्वरूप

तेजी से बदल रहा है। जिन घरों और फ्लैटों में पहले परिवार रहते थे, उनमें अब कहीं पीजी-हॉस्टल चल रहे हैं तो कहीं कोचिंग सेंटर, कार्यालय, सैलून और दुकानें संचालित हो रही हैं। कई इलाकों में मकानों का पूरा ग्राउंड फ्लोर कारोबारी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे एक ही रिहायशी इलाके में आवासीय और कारोबारी गतिविधियां साथ-साथ नजर आने लगी हैं। सत्य निकेतन में आवासीय मकानों का पीजी और हॉस्टल के रूप में इस्तेमाल लंबे समय से चर्चा में है। लक्ष्मी नगर में कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और विद्यार्थियों से जुड़ी गतिविधियों के साथ पीजी का विस्तार रिहायशी हिस्सों तक हुआ है। मुखर्जी नगर में भी कोचिंग, लाइब्रेरी, पीजी और हॉस्टल के कारण भवनों का उपयोग पारंपरिक आवासीय गतिविधियों से अलग हो गया है। यह बदलाव विद्यार्थी बहुल इलाकों तक सीमित नहीं है। मालवीय नगर, गोविंदपुरी, करोल बाग, जनकपुरी और विकासपुरी समेत दक्षिण दिल्ली के कई हिस्सों में भी आवासीय संपत्तियों के विभिन्न कारोबारी इस्तेमाल के उदाहरण सामने आते हैं। डीडीए की कई कॉलोनियों में ग्राउंड फ्लोर पर यह बदलाव अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। फ्लैटों और मकानों के बाहर दुकान, कार्यालय, क्लिनिक, सैलून और ट्यूशन सेंटर के साइन बोर्ड नजर आते हैं। कुछ जगह गतिविधियां भवन के भीतर तक संचालित हो रही हैं। इसके चलते सामान्य आवासीय माहौल वाले इलाकों में ग्राहकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और डिलीवरी वाहनों की आवाजाही बढ़ी है। रिहायशी इलाके की सड़क पर कारोबार के लिए सिर्फ दुकानें काफी नहीं, नोटिफिकेशन जरूरी : रिहायशी इलाके की सड़क पर दुकान या अन्य कारोबारी गतिविधियां चलने मात्र से उसे मिश्रित उपयोग वाली सड़क नहीं माना जा सकता। मास्टर प्लान में इसके लिए सड़क की चौड़ाई, कॉलोनी की श्रेणी, अनुमत गतिविधियों और अधिसूचना की प्रक्रिया तय है।

आखिरी सांस तक चाकू से करते रहे वार... जीजा ने बहन को छोड़ा तो भाइयों ने प्रेमी को उतारा मौत के घाट

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में दो भाइयों ने शादीशुदा बहन की शादी टूटने पर उसके प्रेमी की सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर चाकू से 17 वार करके हत्या कर दी। युवक के आखिरी सांस तक आरोपी उस पर चाकू से वार करते रहे।

आरोपी खून से लथपथ हालत में उसे सड़क पर छोड़कर भाग गए। मृतक की पहचान वंश डेढ़ा के रूप में हुई है। मंडावली थाना ने हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटे में आरोपी केशव डेढ़ा को गिरफ्तार कर लिया है। इसके भाई की तलाश में पुलिस करावल नगर क्षेत्र व गाजियाबाद में छापामारी कर रही है। वंश डेढ़ा अपने परिवार के साथ मंडावली में रहते थे। परिवार में मां सहित कई सदस्य हैं। उनकी शादी नहीं हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 7:54 बजे पुलिस को चाकूबाजी होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस ज्ञान वाटिका स्कूल के पास पहुंची। वहां गंभीर रूप से घायल हालत में युवक सड़क पर पड़ा मिला। इसके बाद पुलिस ने उसे पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल जांच में सामने आया कि वंश के पेट, हाथ, कमर, चेहरे समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से 17 वार किए गए थे। वहीं, आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने कई टीमें बनाईं। सीसीटीवी कैमरों से आरोपियों की पहचान की। देर रात पुलिस ने एक आरोपी केशव को करावल नगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में पुलिस अधिकारियों को बताया कि उसने अपने भाई के साथ मिलकर वंश की हत्या की साजिश रची थी। कुछ दिनों पहले उनकी बहन को पति ने छोड़ दिया था। उसे शक था कि उनकी बहन वंश से प्रेम करती है, दोनों भाई इस बात से बहुत नाराज थे और दो सप्ताह से साजिश रच रहे थे। वह वंश की रेकी कर रहे थे। बृहस्पतिवार को उन्हें पता चला कि रात के वक्त वंश ज्ञान वाटिका स्कूल के पास है। दोनों बाइक से वहां पहुंचे। वंश को देखते ही उस पर टूट पड़े। चाकू से वार करते रहे।

2005 में की 20 रुपये की थी बेईमानी, अब नौकरी की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट ने लगाई मुहर

नईदिल्ली, एजेंसी। डीटीसी के एक कंडक्टर को टिकट बिक्री के दौरान 20 रुपये की बेईमानी की कीमत अपनी नौकरी खोकर चुकानी पड़ी। साल 2005 में हुई घटना के बाद नौकरी की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट ने 2026 में मुहर लगा दी। हाईकोर्ट ने डीटीसी के कंडक्टर सुखपाल सिंह की बर्खास्तगी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने मौखिक आदेश में कहा कि जांच प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं हुआ और श्रम न्यायालय के फैसले में कोई मनमानी या विकृति नहीं दिखाई देती। याचिकाकर्ता सुखपाल सिंह 1998 में डीटीसी में रिटेनर क्रू कंडक्टर के रूप में नियुक्त हुए थे। आरोप है कि 3 दिसंबर 2005 को बस नंबर 5286 पर ड्यूटी के दौरान चेकिंग टीम ने पाया कि उन्होंने दो यात्रियों से 20 रुपये लेकर टिकट नहीं दिया। साथ ही सोहना से गुड़गांव के सही किराये से 4 रुपये कम वसूले। उन्हें गबन का दोषी पाया गया और बर्खास्त कर दिया गया। श्रम न्यायालय ने 16 जुलाई 2016 के आदेश में जांच को वैध ठहराया और 12 अगस्त 2016 के अवार्ड में बर्खास्तगी को सही माना। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में दलील दी कि जांच में यात्रियों की गवाही नहीं ली गई।

दिल्ली हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड नीति में देरी पर डीडीए को 28 सितंबर तक का अल्टीमेटम

नई दिल्ली, एजेंसी। लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने की नीति को अंतिम रूप देने में देरी के लिए दिल्ली दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, डीडीए और भूमि एवं विकास ऑफिस (एलएंडडीओ) के रवैये पर नाराजगी व्यक्त की।

न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने अधिकारियों को 28 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई से कम से कम तीन दिन पहले अंतिम नीति तैयार कर अदालत में दाखिल करने का आखिरी मौका दिया।

अदालत ने कहा कि इस नीति से बड़ी संख्या में प्रभावित नागरिकों को अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता। पूर्व के आदेश के बावजूद भी कोई प्रगति नहीं होने पर अदालत ने मंत्रालय व विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों के बीच हुई बैठक के मिनट्स (कार्यवृत्त) पर गौर करते हुए कहा कि इनमें किसी भी नीति को लेकर कोई स्पष्टता नहीं दिखाई देती है।

इसके साथ ही अदालत ने मंत्रालय के राजधानी विकास विभाग के सचिव व डीडीए के उपाध्यक्ष को अगली सुनवाई के दौरान कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया। पीठ ने उक्त निर्देश लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड संपत्तियों के कन्वर्जन के लिए डीडीए के पोर्टल से जुड़ी शिकायतों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। यह पोर्टल फरवरी 2026 से आफलाइन है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी नई नीति भविष्य के लिए लागू होगी। कोर्ट ने बताया कि कन्वर्जन चार्ज जमा होने के बावजूद कई आवेदन लंबित हैं क्योंकि पोर्टल बंद होने के कारण आवेदन की प्रोसेसिंग रुकी हुई है। पिछले आदेश का जिक्र करते हुए पीठ ने रिकॉर्ड पर लिया कि 1,373 आवेदन लंबित थे और डीडीए ने कन्वर्जन चार्ज के तौर पर 155.1 करोड़ रुपये जमा किए थे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी आवेदनों पर पेमेंट के समय लागू नीति के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। लीजहोल्ड प्रॉपर्टी को फ्रीहोल्ड में बदलने का मतलब है संपत्ति और उस पर बनी जमीन का पूरा और स्थायी स्वामित्व प्राप्त करना।

पुलिस ने दाखिल किया आरोपपत्र

दिल्ली में बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या, कैब ड्राइवर का लाइसेंस बना अहम सबूत

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के महरौली थाना क्षेत्र से 10 वर्षीय बच्ची का

अपहरण कर दुष्कर्म और फिर हत्या मामले में पुलिस ने 1,500 से अधिक पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें आरोपी कैब चालक की हर गतिविधि का ब्योरा दर्ज किया गया है। शव को छिपाने की कोशिश के दौरान आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस गिर गया था। बाद में आरोपी के खिलाफ यही महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य बना। आरोपपत्र के मुताबिक, आरोपी ने कई घंटे तक इलाके में गाड़ी घुमाई, दो राइड रद की और फिर छतरपुर 100 फुटा लाल बत्ती के पास लौटा, जहां 10 वर्षीय बच्ची माता-पिता के बीच में सो रही थी। गुरुग्राम के जंगल में बच्ची का शव जिस जगह फेंककर तीन बड़े पत्थरों के नीचे छिपाने की कोशिश की थी, वहां से मिला ड्राइविंग लाइसेंस मामले में महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया है।

आरोपी बाशु कुमार सिंह बच्ची का अपहरण करने से करीब एक घंटे पहले छतरपुर एक्सटेंशन पहुंचा था। उसने शुरू में उस फुटपाथ के पास से गाड़ी निकाली थी, जहां बच्ची अपने माता-पिता और तीन छोटे भाई-बहनों के साथ सो रही थी। आरोपपत्र में 89 पन्नों का मुख्य विवरण शामिल है, जिसमें आरोपी की कार की तस्वीरें, बच्ची के परिवार के साथ फुटपाथ पर सोने की तस्वीरें, आरोपी के आने-जाने के रास्ते का ब्योरा और जंगल वाले इलाके में शव मिलने की जगह की तस्वीरें शामिल हैं। आरोपी के कार की स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली (एएनपीआर) कैमरों से मिली तस्वीरें भी इनमें शामिल की गई हैं। पुलिस के मुताबिक इन तस्वीरों में सटीक समय दर्ज है, जिससे जांचकर्ताओं को अपराध से पहले और बाद में आरोपी की गतिविधियों का पता लगाने में मदद मिली। आरोपपत्र के मुताबिक, गुरुग्राम से आने के बाद आरोपी संगम विहार में एक यात्री को छोड़ चुका था और करीब ढाई घंटे में उसने दो अन्य राइड रद कर दी थीं।

पीजी संचालक शुभम त्यागी ने किया आत्मसमर्पण

ठेकेदार ने माना- इमारत मालिक के बेटे के कहने पर हटाया पिलर-सीढ़ियां, आधे घंटे बाद ढहा पीजी

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में डेज पीजी हॉस्टल

हादसे की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। गिरफ्तार ठेकेदार सनोज ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि इमारत के मालिक के बेटे महेश के कहने पर उसने पिलर, बेसमेंट से ऊपर जाने वाली सीढ़ियां और पार्टिशन की दीवार हटाई थी। पिलर और सीढ़ियां हटाने के करीब आधे घंटे बाद ही इमारत जमींदोज हो गई।

पुलिस की शुरुआती जांच में भी पिलर हटाए जाने और इमारत ढहने के बीच संबंध सामने आया है।दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय इमारत के बेसमेंट को भरने का काम चल रहा था। बेसमेंट का एक हिस्सा लगभग भर दिया गया था। वहां बीच में पिलर के अलावा बेसमेंट से ऊपर आने वाली सीढ़ियां और पार्टिशन के लिए बनी दीवार मौजूद थी।

आरोप है कि भवन मालिक और उसके बेटे महेश के कहने पर इन हिस्सों को हटाया गया। पुलिस के मुताबिक, सनोज के पास निर्माण कार्य का न तो कोई अनुभव था और न ही लाइसेंस। वह कामचलाऊ मिस्त्री के तौर पर काम करता था। उसे और उसके दो मजदूरों को एक दिन के काम के करीब 2800 रुपये मिलते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बिना तकनीकी जानकारी और विशेषज्ञ की सलाह के महत्वपूर्ण संरचनात्मक हिस्सों को हटाने का फैसला क्यों लिया गया।

सत्य निकेतन इमारत ढहने के मामले में पीजी संचालक शुभम त्यागी ने शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। त्यागी मकान मालिक हरिराम गुप्ता से पट्टे पर लेकर पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास चला रहा था। हादसे के बाद से वह भाग निकला था और उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी थीं। सत्य निकेतन में रविवार को मरम्मत और विस्तार का काम चल रहा था, तभी इमारत ढह गई थी। मामले में इमारत मालिक के बेटे महेश, श्रमिक ठेकेदार सनोज कुमार और अब शुभम त्यागी को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, 81 वर्षीय हरिराम गुप्ता और उनकी 75 वर्षीय पत्नी उर्मिला भी न्यायिक हिरासत में हैं। उधर, दिल्ली नगर निगम ने दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त राकेश कुमार समेत चार इंजीनियरों को अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित रहने तक निलंबित किया है। इमारत में किए गए।

एनएसयूआई में बगावत! दीपांशु और विशेष के एएसएपी में शामिल होने की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। डूसू चुनाव में नाम वापसी के बाद भले ही उम्मीदवारों की तस्वीर साफ हो गई हो, लेकिन छात्र राजनीति में असली हलचल अब शुरू हुई है। एनएसयूआई की संभावित सूची में मजबूत दावेदार माने जा रहे दीपांशु शौकीन और विशेष यादव को टिकट नहीं मिलने के बाद दोनों के बागी तेवर संगठन के लिए नई चुनौती बन गए हैं। दोनों के समर्थकों में नाराजगी है और कुछ समर्थक तो डीयू की सड़कों पर भावुक होकर रोते हुए भी नजर आए। वहीं, अब चर्चा है कि दोनों प्रत्याशी आम आदमी पार्टी से संबंधित छात्र संगठन एएसएपी का दामन थाम सकते हैं। यदि दोनों एएसएपी में शामिल होकर चुनाव लड़ते हैं तो एनएसयूआई के सामने अपने ही संभावित समर्थक आधार को संभालने की चुनौती खड़ी हो सकती है।

एबीवीपी को मिल सकता है लाभ

एनएसयूआई के सामने वोट बचाने की चुनौती रहेगी। दूसरी ओर, वोटों के बंटवारे की स्थिति में एबीवीपी को चुनावी लाभ मिलने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। एएसएपी ने अध्यक्ष पद पर अनन्या रतूड़ी और सचिव पद पर दृष्टिबाधित पंकज कुमार को मैदान में उतारा है। उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर संगठन की ओर से अभी प्रत्याशी नहीं है। वहीं, ऐसे में दीपांशु और विशेष के लिए इन दोनों खाली सीटों पर उतरने की संभावना ने चुनावी समीकरण को और दिलचस्प बना दिया है।

एएसएपी ने जारी किया 'बदलाव का मैनिफेस्टो': आम आदमी पार्टी की छात्र विंग एएसएपी ने शिक्षा, हास्टल, फीस, छात्र सुविधाओं और लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रमुख मुद्दा बनाया।

जयपुर नगर निगम चुनावः सीएम-डिप्टी सीएम के इलाकों में कम वोटिंग ने चौंकाया

जयपुर, एजेंसी। जयपुर नगर निगम चुनाव में मतदान ने शहर के अलग-अलग इलाकों का अलग-अलग मूड दिखाया। 150 वार्डों के शाम 6 बजे तक के आंकड़ों के विधानसभा-वार विश्लेषण में आमेर सबसे आगे रहा, जबकि सिविल लाइंस में सबसे कम मतदान दर्ज हुआ। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदान प्रतिशत में करीब 25 प्रतिशत अंक का अंतर रहा।

आमेर विधानसभा क्षेत्र के तीन वार्डों में कुल 81.41 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां तीनों वार्डों में वोटिंग 79 प्रतिशत से ऊपर रही। वार्ड 150 में सबसे ज्यादा 83.70 प्रतिशत, वार्ड 148 में 81.84 प्रतिशत और वार्ड 149 में 79.97 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके उलट सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र 56.69 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे नीचे रहा। यहां कई वार्डों में मतदान 50 प्रतिशत के आसपास या उससे नीचे रहा। वार्ड 100 में महज 46.33 प्रतिशत मतदान हुआ, जो जयपुर के 150 वार्डों में सबसे कम रहा।

आदर्श नगर और हवामहल में भी खूब निकले वोटर

आमेर के बाद आदर्श नगर में 69.25 प्रतिशत और हवामहल में 68.06 प्रतिशत मतदान हुआ। आदर्श नगर के वार्ड 117 में 76.73 प्रतिशत, जबकि वार्ड 126 में 75.46 प्रतिशत और वार्ड 128 में 74.73 प्रतिशत मतदान हुआ। हवामहल में भी ज्यादातर वार्डों में मतदान 60 प्रतिशत से ऊपर रहा। वार्ड 146 में 77.08 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि वार्ड 134 में 73.95 प्रतिशत और वार्ड 136 में 73.72 प्रतिशत वोट पड़े। किशनपोल में 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां वार्ड 113 में 72.91 प्रतिशत और वार्ड 108 में 70.31 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। झोटवाड़ा में 64.26 प्रतिशत वोटिंग हुई। हालांकि यहां वार्डवार बड़ा अंतर नजर आया। वार्ड 25 में 70.31 प्रतिशत और वार्ड 28 में 69.62 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि वार्ड 30 में यह आंकड़ा सिर्फ 56.87 प्रतिशत रहा।

विद्याधर नगर में 62.95 प्रतिशत और बगरू में 61.26 प्रतिशत मतदान हुआ। बगरू में वार्ड 61 में 77.39 प्रतिशत और वार्ड 60 में 74.19 प्रतिशत मतदान हुआ, लेकिन वार्ड 66 में यह सिर्फ 46.52 प्रतिशत रहा। विद्याधर नगर में वार्ड 1 सबसे ज्यादा 78.58 प्रतिशत मतदान के साथ आगे रहा, जबकि वार्ड 6 में 52.95 प्रतिशत और वार्ड 16 में 54.07 प्रतिशत मतदान हुआ। सांगानेर में 57.73 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां वार्ड 51 में 75.03 प्रतिशत वोट पड़े, लेकिन वार्ड 42 में सिर्फ 47.80 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी तरह वार्ड 41 में 48.87 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई।

जलवायु बदलाव से बदल रहा हिमाचल और लद्दाख की नदियों का मिजाज, पानी और बस्तियों पर बढ़ रहा दबाव

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश से लद्दाख तक ऊंचे हिमालयी क्षेत्र की नदियों पर जलवायु परिवर्तन का असर अब सिर्फ पानी की मात्रा तक सीमित नहीं है। तापमान बढ़ने, बर्फ और ग्लेशियर पिघलने के समय में बदलाव, नदी में तलछट बढ़ने और किनारों की स्थिरता कमजोर होने से कई घाटियों में नदी के बहाव की प्रकृति बदल रही है। यह तस्वीर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूरू, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र अहमदाबाद, राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र गोवा और एबरडीन विश्वविद्यालय ब्रिटेन के वैज्ञानिकों के अध्ययनों से सामने आती है। लद्दाख पर 2026 में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार 1975 से 2024 के बीच क्षेत्र के तापमान में औसतन प्रति वर्ष 0.02 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज हुई। बर्फ पिघलने का समय भी पहले हो रहा है। अध्ययन में ग्लेशियरों के द्रव्यमान में लगातार कमी और झरनों के बहाव में गिरावट दर्ज की गई। ऊपरी सिंधु की सहायक नदियों में कुल बहाव का 62 से 72 फीसदी हिस्सा बर्फ और ग्लेशियरों से मिलने वाले पानी से जुड़ा है।

वार्षिक नदी बहाव में बर्फ पिघलने की हिस्सेदारी 65 फीसदी: लद्दाख के स्टोक क्षेत्र में 2003 से 2019 के अध्ययन के अनुसार वार्षिक नदी बहाव में बर्फ पिघलने की हिस्सेदारी 65 फीसदी, ग्लेशियर पिघलने की 19 फीसदी और बारिश की 16 फीसदी रही। इस दौरान ग्लेशियर क्षेत्र में 4.2 फीसदी कमी दर्ज हुई। स्टोक के 300 से अधिक परिवारों की सिंचित खेती के लिए पिघला पानी महत्वपूर्ण है। ऐसे में बर्फ के जल्दी पिघलने से अल्प अवधि में बहाव बढ़ सकता है, लेकिन ग्लेशियरों के लगातार घटने से लंबे समय में गर्मियों के पानी का आधार कमजोर पड़ सकता है।

चंद्रा-भागा नदी तंत्र से जुड़े 251 ग्लेशियरों पर हुए अध्ययन में 1993 से 2019 के बीच ग्लेशियर क्षेत्र 996 से घटकर 973 वर्ग किलोमीटर रह गया। यानी 23 वर्ग किलोमीटर की कमी हुई। ग्लेशियर क्षेत्र घटने की औसत दर 1993-2000 में 0.025 वर्ग किलोमीटर प्रति वर्ष थी, जो 2010-2019 में बढ़कर 0.036 वर्ग किलोमीटर प्रति वर्ष हो गई। ग्लेशियरों पर जमा मलबे के क्षेत्र में भी 15.2 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई।

संक्षिप्त समाचार

भद्रवाह में जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर ढेर, एम4 राइफल बरामद

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह स्थित सेओज धार इलाके में

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकी कमांडर का शव बरामद किया। आतंकी को पहले एक संयुक्त अभियान के दौरान मार गिराया गया था।

महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन सुधारने के लिए फिटनेस पर जोर

कानपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश महिला क्रिकेट टीम ने 2025 में खराब फिटनेस और फील्डिंग के कारण मिली निराशा से सबक लेते हुए आगामी सत्र के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों के लिए यो-यो और ब्रोंको टेस्ट अनिवार्य किया हैं। कमला क्लब में शनिवार और रविवार को अंडर-15 महिला खिलाड़ियों के चयन ट्रायल होंगे। पिछले सत्र 2025 में कई मुकाबले खराब फील्डिंग और फिटनेस के कारण हाथ से निकल गए। इस बार खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता बढ़ाने के साथ कैचिंग, ग्राउंड फील्डिंग, थ्रो की सटीकता और चुस्ती पर विशेष काम किया जा रहा है। लखनऊ में 40 खिलाड़ियों का विशेष कंडीशनिंग कैंप आयोजित किया गया, जिसमें फिटनेस विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण दिया। चयन प्रक्रिया के तहत लगभग सभी वर्गों के ट्रायल पूरे हो चुके हैं। अब कानपुर में अंडर-15 खिलाड़ियों की परीक्षा होगी। 2024 में यूपी की अंडर-19 टीम वनडे चैंपियन बनी थी और टी-20 में उपविजेता रही थी। 2025 में प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। प्रबंधन 2026 सत्र के लिए टीम को मजबूत कर रहा है। यूपीसीए की ओर से अंडर-15 बालिका यूपी टीम के चयन मुकाबलों में कई जिलों से चुनी गई महिला क्रिकेटर हिस्सा लेंगी। कानपुर से चयन मुकाबलों के लिए 11 खिलाड़ियों को चुना गया है। इनमें अनुश्री कश्यप, भव्या अवस्थी, दिव्या दिशाद, दिशा सिंह, काव्या बंदोह, माही, मनी पाल, नंदिका यादव, परी यादव, वंशिका यादव और आराध्या सिंह शामिल हैं। अन्य जिलों से लगभग 90 से अधिक खिलाड़ी इस कैंप में प्रतिभाग करेंगी।

फर्श पर इलाज, दावों का जनाजा

आगरा, एजेंसी। वायरल के बढ़ते प्रकोप, तेज बुखार और हादसों के बीच शुक्रवार को फिरोजाबाद का सरकारी मेडिकल कॉलेज कराहते मरीजों से खचाखच भर गया। इमरजेंसी, सर्जरी और मेडिसिन वार्ड के सभी बेड फुल हो गए। 30 गंभीर मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर जिंदगी से जंग लड़ रहे थे। वार्डों में कोई जगह नहीं बची और संक्रमण का खतरा बढ़ गया। अस्पताल प्रशासन ने किसी को बिना इलाज नहीं लौटाने की अपनी शपथ पर अडिग रहकर मिसाल पेश की। बेड की किल्लत के बीच डॉक्टरों ने हार मानने के बजाय फर्श और बेंचों पर चादरें बिछवाईं और वहीं ड्रिप लगाकर इलाज शुरू किया। शुक्रवार दोपहर 12 बजे ईडी-3 वार्ड में कृष्णा नगर (थाना उत्तर) निवासी प्रेमदास (50) पहुंचे। सांस लेने में उन्हें तकलीफ थी। बेड न मिलने पर जमीन पर लिटाकर इलाज दिया गया। खैरगढ़ के गांव खैय्यातान निवासी 15 वर्षीय कन्हैया को सड़क हादसे में घायल होने के बाद सीएचसी से रेफर होकर आने पर फर्श पर ही उपचार मिला। जनरल वार्ड में भी सम्राट नगर की मुस्कान (24) और हाजीपुरा की अफसा (12) को एक ही बेड पर भर्ती किया गया। मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि वायरल के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

चंडीगढ़ में देर रात फायरिंगः पेट्रोल पंप पर रुके वांछितों को पुलिस ने घेरा, गाड़ियों को टक्कर मारकर भागे

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ के सेक्टर-52 स्थित इंडियन ऑयल करन फिलिंग प्वाइंट पर शुक्रवार रात करीब 11:15 बजे खरड़ सीआईए टीम और एंडेवर कार में सवार दो संदिग्ध आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई।

मोहाली की तरफ से आरोपियों का पीछा करते हुए पहुंची सीआईए टीम ने तीन काली स्कॉर्पियो से उनकी एंडेवर कार को घेर लिया। खुद को पुलिस वाहनों से घिरा देख आरोपियों ने रास्ता बनाने के लिए पुलिस की गाड़ियों को टक्कर मारते हुए भागने का प्रयास किया। इसी दौरान पेट्रोल पंप पर खड़ी एक मोटरसाइकिल भी एंडेवर की चपेट में आ गई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों को रोकने के लिए सीआईए टीम ने आत्मरक्षा में तीन से चार राउंड फायर किए, लेकिन गोली किसी आरोपी को नहीं लगी। दोनों आरोपी पुलिस की घेराबंदी तोड़कर तेज रफ्तार से मोहाली की तरफ फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, खरड़ सीआईए की टीम को इन दोनों आरोपियों के किसी मामले में वांटेड होने की सूचना थी। टीम तीन काली स्कॉर्पियो में सवार होकर एंडेवर कार का पीछा कर रही थी। पीछा करते हुए आरोपी सेक्टर-52 स्थित पेट्रोल पंप तक पहुंचे। बताया जा रहा है कि आरोपी वहां कार में तेल भरवाने के लिए रुके थे। इसी दौरान पीछे से पहुंची सीआईए टीम ने तीनों पुलिस वाहनों से एंडेवर को घेर लिया।

पुलिस वाहनों को टक्कर मारकर बनाया रास्ताः पुलिस के मुताबिक, चारों तरफ से घिरने के बाद आरोपियों ने अचानक एंडेवर को तेज रफ्तार में दौड़ा दिया। भागने के दौरान उन्होंने पुलिस की गाड़ियों को टक्कर मारी। पेट्रोल पंप पर मौजूद लोगों के बीच अचानक अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान एंडेवर ने वहां खड़ी एक बाइक को भी टक्कर मार दी। आरोपियों को रोकने के लिए सीआईए टीम ने फायरिंग की, लेकिन दोनों आरोपी भागने में सफल रहे। फायरिंग के दौरान पेट्रोल पंप और आसपास मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। कुछ ही क्षणों में एंडेवर कार मोहाली की दिशा में निकल गई।

अमृतसर में एएसआई को सिर में मारी गोलीः घायल हालत में खुद बाइक चलाकर पहुंचे थाने, ड्यूटी से लौटते समय हमला

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर के अजनाला थाना क्षेत्र में ड्यूटी से लौट रहे एक एएसआई पर अज्ञात व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। गोली एएसआई के सिर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि गंभीर चोट के बावजूद एएसआई ने हिम्मत नहीं हारी और खुद मोटरसाइकिल चलाकर थाना अजनाला पहुंचे। पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल अमृतसर अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात एएसआई जसवंत सिंह अमृतसर पुलिस लाइन में ड्यूटी पूरी करने के बाद मोटरसाइकिल से अजनाला की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान भल्ला पिंड गांव के पास एक व्यक्ति ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली उनके सिर में लगी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने मोटरसाइकिल नहीं रोकी और किसी तरह थाना अजनाला पहुंचकर पुलिस कर्मचारियों को अपने साथ हुई फायरिंग की जानकारी दी। थाने पहुंचने के बाद पुलिस कर्मचारियों ने घायल एएसआई जसवंत सिंह को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हालांकि सिर में गोली लगने के कारण उन्हें गंभीर चोट आई है और डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह ने बताया कि घटना थाना राजासांसी के क्षेत्र में हुई है।

मेट्रो रूट को लेकर शिंदे सेना में घमासान हो गया

मंत्री के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

ठाणे, एजेंसी। ठाणे रिंग मेट्रो के रूट को लेकर सत्ताधारी शिंदेसेना के अंदर ही मतभेद सामने आने लगे हैं। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने रिंग मेट्रो के लिए एक दूसरे रूट का सुझाव दिया है। हालांकि, पार्टी के ही कुछ स्थानीय नगरसेवक और इलाके के लोग इस रूट के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि मेट्रो का काम पहले से तय रूट पर ही होना चाहिए।

सरनाईक के सुझाए रूट का विरोध क्यों? रिंग मेट्रो का जो रूट पहले तय किया गया था, उसमें लोकमान्यनगर, शिवाईनगर और उपवन इलाके शामिल थे। अब परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस रूट में बदलाव का सुझाव दिया है। उनके सुझाव के मुताबिक मेट्रो को लोकमान्य टीएमटी डिपो, आई माता मंदिर, कोरस रोड, वर्तकनगर नाका और शास्त्रीनगर की तरफ से ले जाने का प्रस्ताव है। इसी बदलाव को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध शुरू हो गया है। सरनाईक के सुझाए नए रूट के विरोध में नगरसेवक दिलीप बारटक्के और कांचन चिंदरकर के नेतृत्व में लोगों ने आई माता चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन में इलाके की अलग-अलग सोसायटियों के लोग भी शामिल हुए। लोगों की मांग है कि रिंग मेट्रो का रूट बदला न जाए और पहले से तय रूट पर ही काम आगे बढ़ाया जाए।

लोगों को किन दिक्कतों की चिंता? विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि नया रूट बनने पर इलाके में कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। उनका दावा है कि इसके लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटने पड़ सकते हैं।इसके अलावा सड़कों के नीचे मौजूद सर्विस लाइन और दूसरी सुविधाओं को भी दूसरी जगह ले जाने की जरूरत पड़ सकती है। लोगों को विस्थापन की भी चिंता है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिन इलाकों में पहले से ट्रैफिक की समस्या है, वहां नया रूट बनने से परेशानी और बढ़ सकती है।प्रदर्शन में शामिल लोगों ने साफ कहा कि वे रिंग मेट्रो के खिलाफ नहीं हैं। उनकी मांग सिर्फ इतनी है कि मेट्रो को पहले से तय रूट पर ही बनाया जाए। लोगों ने 'मेट्रो चाहिए, लेकिन मूल रूट पर ही' का नारा भी लगाया। प्रदर्शन में म्हाडा वसाहत, दोस्ती, वेदांत कॉम्प्लेक्स, कोरस टॉवर, रुणवाल प्लाजा समेत कई इलाकों की सोसायटियों के लोग शामिल हुए।

हाथियों की बढ़ती आवाजाही और ग्रामीणों का आक्रोश

झबरावाला गांव में हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत, दहशत और आक्रोश

देहरादून,एजेंसी। डोईवाला के कांसरो वन रेंज के झबरावाला गांव में हाथी के हमले से

एक ग्रामीण की जान चली गई। यह घटना शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे हुई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय जमील पुत्र असगर अली के रूप में हुई है। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति गहरा रोष है। जमील अपने साथी नफीस के साथ स्कूटी से घर लौट रहे थे। गांव के खेतों के पास हाथीकुंड क्षेत्र में अचानक एक हाथी उनके सामने आ गया। दोनों हाथी को देखकर बदहवास होकर भागने लगे। इसी दौरान हाथी ने जमील को अपनी चपेट में ले लिया। हाथी ने जमील को उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कूटी चला रहे नफीस ने तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। ग्रामीणों की सहायता से घायल जमील को हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट पहुंचाया गया। उपचार के दौरान अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कांसरो वन रेंज के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। हाथी सुरक्षा दीवार को कूदकर या तोड़कर खेतों और आबादी क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। इससे ग्रामीणों को हमेशा जान-माल के नुकसान का खतरा बना रहता है। ग्रामीण इस समस्या से बेहद परेशान हैं। उन्होंने वन विभाग से हाथियों की आबादी क्षेत्र में आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीण की मौत से गांव में शोक के साथ-साथ आक्रोश भी है। ग्राम प्रधान परमिंदर सिंह ने बताया कि मृतक जमील करीब 55 वर्ष के थे। वह खेती-किसानी के साथ मजदूरी का काम भी करते थे। जमील अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। ग्राम प्रधान ने इस घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हाथियों की समस्या का स्थायी समाधान होना चाहिए।

मजदूरी अवधि में किस्तों में वसूला जाएगा

अब मजदूर परिवार की जरूरतों से तय होगी न्यूनतम मजदूरी, चिकित्सा, शिक्षा और मनोरंजन खर्च भी बना आधार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अब न्यूनतम मजदूरी तय करने का आधार सिर्फ महंगाई या काम की प्रकृति नहीं होगा। नई नियमावली में पहली बार मजदूर परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों का पूरा खाका खींच दिया गया है। सरकार न्यूनतम मजदूरी तय करते समय मानक मजदूर परिवार के लिए रोज 2700 कैलोरी भोजन, साल में 66 मीटर कपड़े, भोजन-कपड़े के खर्च का 10 प्रतिशत आवास, न्यूनतम मजदूरी का 20 प्रतिशत ईंधन-बिजली और 25 प्रतिशत बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा, मनोरंजन व आकस्मिक खर्च के लिए मानेगी। यानी मजदूरी तय करने का आधार अब मजदूर की वास्तविक जीवन-जरूरतों से सीधे जुड़ गया है। श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम ने बताया कि उत्तर प्रदेश मजदूरी संहिता नियमावली-2026 ने मजदूरी से जुड़े पुराने ढांचे को बदल दिया है। नई नियमावली पूरे प्रदेश में लागू कर दी गई है। इसके साथ उत्तर प्रदेश मजदूरी भुगतान नियमावली 1936, न्यूनतम मजदूरी नियमावली 1952 तथा मजदूरी संहिता नियमावली 2021 का स्थान ले लिया है।

उन्होंने बताया कि नई नियमावली में मानक मजदूर परिवार में कमाने वाले कर्मचारी के अलावा पति या पत्नी और दो बच्चों को तीन वयस्क उपभोग इकाइयों के बराबर माना गया है। नई व्यवस्था में महंगाई भत्ते के पुनरीक्षण की प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। इसके लिए श्रम ब्यूरो के औद्योगिक कामगारों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को आधार बनाया जाएगा और साल में दो बार एक अप्रैल और एक अक्टूबर से पहले इसकी गणना की जाएगी।

साप्ताहिक अवकाश दिवस पर काम कराने पर ओवरटाइम की दर से भुगतान होगा। साथ ही वैकल्पिक विश्राम दिवस भी देना होगा। वैकल्पिक छुट्टी की व्यवस्था ऐसी नहीं हो सकती जिससे कर्मचारी लगातार दस दिन से अधिक बिना

अवकाश काम करता रहे। किसी कर्मचारी की मजदूरी से कुल कटौतियां 50 प्रतिशत से अधिक होने पर उसे आगे की मजदूरी अवधि में किस्तों में वसूला जाएगा।

नियोक्ता किसी कर्मचारी पर जुर्माना लगाने से पहले उसे आरोप और उसके आधार की जानकारी लिखित देगा। कर्मचारी को जवाब के लिए सात दिन मिलेंगे। आरोप साबित होने पर ही जुर्माना लगाया जाएगा। जुर्माने, कटौती और वसूली से जुटी रकम का इस्तेमाल संस्थान में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए श्रम विभाग से अनुमोदित कल्याणकारी योजनाओं में किया जाएगा। नई व्यवस्था में वेतन पर्ची में निर्धारित प्रारूप में कर्मचारी का यूएएन, बैंक खाता, मूल वेतन, महंगाई भत्ता, अन्य भत्ते, उपस्थिति, ओवरटाइम, सकल वेतन, पीएफ-ईएसआई समेत कटौतियां और हाथ में मिलने वाली शुद्ध मजदूरी दर्ज होगी। नई नियमावली में कामगारों को अकुशल, अर्धकुशल, कुशल और अतिकुशल श्रेणियों में वर्गीकृत करने की व्यवस्था भी विस्तार से की गई है।

राजद उम्मीदवारों की घोषणा पर भड़कीं रोहिणी, तेजस्वी यादव पर आरोप लगाकर क्या मैसेज दिया?

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य की अपने भाई तेजस्वी यादव से नाराजगी दूर नहीं हुई है। वह एक फिर से अपने भाई तेजस्वी यादव पर भड़क गईं हैं।

शिक्षक-स्नातक विधान परिषद् चुनाव में राजद की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा के बाद रोहिणी का गुस्सा सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर बता दिया कि उम्मीदवारों के चयन से वह खुश नहीं हैं। शनिवार को रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वैचारिक निष्ठा और लंबे संघर्ष को दरकिनार कर ऐन चुनाव (विधान परिषद चुनाव) से पहले आए अवसरवादी चेहरों को प्राथमिकता देना समर्पित नेताओं-कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का घोर अनादर है। दशकों तक लाठियां खाकर पार्टी और संगठन को सींचने वाले नेताओं को दरकिनार करना राजद के आंतरिक लोकतंत्र और जमीनी कैडर के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। यह निर्णय न केवल निष्ठावान लालूवादियों के साथ वादाखिलाफी है, बल्कि लालू जी की विचारधारा, पार्टी के मूल सिद्धांतों और संगठन की मजबूती पर भी गहरा आघात है। राजद ने कुल छह उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इनमें चार स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी हैं। प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने बताया कि पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजीव कुमार सिंह को टिकट दिया है। वहीं सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रो. जयराम यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। स्नातक से नितेश कुमार, दरभंगा स्नातक से अनिल कुमार झा और तिरहुत स्नातक से डॉ. रश्मि विनायक गौतम को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

जिनपिंग के भारत दौरे से पहले बड़ा एलान: छह साल बाद फिर शुरू होगी भारत-चीन के बीच सीधी उड़ान, कब होगी शुरुआत

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भारत पहुंचने से पहले चाइना सदर्न एयरलाइंस ने शनिवार को घोषणा की कि वह 21 सितंबर से ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट पर नियमित यात्री उड़ान सेवा फिर से शुरू करेगी। करीब छह साल तक बंद रही यह सेवा दोबारा शुरू होने के साथ भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को एक बार फिर मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। एयरलाइन के मुताबिक, सेवा बहाल होने के बाद वह दक्षिण एशिया में अपने आठ राउंड-ट्रिप रूट पर हर सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों का संचालन करेगी। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार, पर्यटन और आवाजाही को भी गति मिलने की उम्मीद है।

2020 के बाद थम गया था हवाई संपर्क

भारत और चीन के बीच नियमित हवाई संपर्क को 2020 में कोरोना महामारी के बाद बड़ा झटका लगा था। महामारी के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए थे, लेकिन इसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव ने सामान्य हवाई सेवाओं की बहाली को और मुश्किल बना दिया। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में गंभीर गिरावट आई और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बहाली लंबे समय तक अटकी रही।

सीमा तनाव का असर विमान सेवाओं पर भी

कोविड प्रतिबंध हटने के बाद भी भारत और चीन के बीच सीधी यात्री उड़ानें सामान्य नहीं हो सकीं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और कूटनीतिक तनाव का असर व्यापार और लोगों की आवाजाही पर भी पड़ा। ऐसे में चाइना सदर्न का ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट फिर शुरू होना केवल विमान सेवा की बहाली नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच धीरे-धीरे लौटती व्यावहारिक भागीदारी का संकेत भी माना जा रहा है।

शी जिनपिंग के भारत दौरे से जुड़ा बड़ा संदर्भ: भारत और चीन के रिश्तों में हाल के वर्षों में तनाव कम करने और संवाद बढ़ाने की कोशिशें तेज हुई हैं। इसी व्यापक कूटनीतिक प्रक्रिया के बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत को अहम माना जाता है। शीर्ष स्तर पर संवाद का सीधा असर हमेशा तत्काल नहीं दिखता, लेकिन इससे कारोबार, यात्रा और संपर्क बहाल करने के लिए माहौल तैयार होता है। ऐसे में चाइना सदर्न की उड़ान सेवा की वापसी को दोनों देशों के संबंधों में धीरे-धीरे आ रही नरमी के संकेत के तौर पर देखा जा सकता है। बता दें कि जिनपिंग सात साल बाद भारत के दौरे पर आ रहे हैं।

दक्षिण एशिया में बढ़ाएगी परिचालन: एयरलाइन ने कहा है कि नई दिल्ली सेवा शुरू होने के बाद दक्षिण एशिया में उसके आठ राउंड-ट्रिप रूट पर हर सप्ताह 100 से ज्यादा उड़ानें संचालित होंगी। नई सेवा से चीन जाने वाले भारतीय यात्रियों के साथ-साथ चीन से भारत आने वाले कारोबारी, पर्यटक और अन्य यात्रियों को सीधा हवाई संपर्क मिलेगा। लंबे अंतराल के बाद सीधी उड़ानें शुरू होने से यात्रा का समय और कनेक्टिंग फ्लाइट पर निर्भरता भी कम हो सकती है। भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क की बहाली ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश रिश्तों को सामान्य बनाने और व्यावहारिक सहयोग के रास्ते तलाश रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद बिन सलमान चाहते थे अमेरिका करे हूतियों पर हमला, दो बार लगाया फोन पर नहीं मानें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। इस साल 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया में संघर्ष थमने का

नाम नही ले रहा है। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी युद्ध के अलावा अब सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच भी तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका से हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की अपील की है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, मामले को लेकर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार फोन पर बात की। उन्होंने ट्रंप से हूतियों के खिलाफ हमला करने का आग्रह किया। हूतियों ने लाल सागर के एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को रोक रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने यमन में बढ़ते संघर्ष को लेकर अपनी चिंता जताई, लेकिन फिलहाल हूतियों के खिलाफ अमेरिकी हमले शुरू करने से इनकार कर दिया। वहीं, मामले को लेकर अमेरिका के दो अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप प्रशासन की फिलहाल हूतियों के खिलाफ सीधे सैन्य हस्तक्षेप करने की कोई योजना नहीं है। अमेरिकी कमांडर ने किया रियाद का दौरा मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने रियाद का दौरा किया। उन्होंने वहां तत्काल समन्वय बैठकों में हिस्सा लिया। हालांकि, इस मामले पर अभी तक व्हाइट हाउस या सऊदी अरब की सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इससे पहले सऊदी अरब और हूतियों के बीच संघर्ष जुलाई 2026 उस समय भड़क गया था, जब समय सऊदी अरब ने एक ईरानी विमान को यमन की राजधानी सना में उतरने से रोक दिया था। विमान में हूतियों का एक वरिष्ठ अधिकारी सवार था। इसके बाद हूतियों ने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमले शुरू कर दिए। इससे सऊदी अरब के तेल निर्यात के रास्ते को खतरा पैदा हो गया। यह स्थिति ऐसे समय बनी है।

अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन, ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े।

भारत को लेकर चीन की क्या है मुख्य चिंता: अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, 'भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग निश्चित रूप से दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।'चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह दौरा 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार की प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को और भी अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन में भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई: वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत और चीन के रिश्तों में अनिश्चितता ने इन दोनों परमाणु-हथियार वाले पड़ोसी देशों के लिए तनाव कम करने का मौका दिया है।

भारतीय मूल के कारोबारी को पांच साल की जेल, 2.7 करोड़ डॉलर की आय छिपाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को कर (टैक्स) चोरी के मामले में पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उस पर अपने ग्राहकों को टैक्स से बचने में मदद करने का आरोप था। उसने सरकार से 2.7 करोड़ डॉलर से ज्यादा की आय छिपाने में भी मदद की। टेक्सस के जोन्सटाउन निवासी आनंद शुक्ला ने अपना अपराध कबूल कर लिया था। अदालत के दस्तावेजों के मुताबिक, उसने अमेरिका को धोखा देने की साजिश में शामिल होने की बात मानी। वह देशभर के कारोबारियों को फर्जी टैक्स योजना बेचने में शामिल था। टेक्सस की पश्चिम जिला अदालत ने शुक्ला को 60 महीने यानी पांच साल जेल की सजा सुनाई।

अदालत के दस्तावेजों और कोर्ट में दिए बयानों के मुताबिक, आनंद शुक्ला और उसके साथियों ने 2017 से 2025 के बीच एक टैक्स योजना चलाई। वे इस योजना का प्रचार करते थे। इसे ग्राहकों को बेचते भी थे। वे खुद भी इसका इस्तेमाल करते थे। इस योजना में ग्राहकों से कहा जाता था कि वे कुछ भी अपने नाम पर न रखें, लेकिन हर चीज पर उनका नियंत्रण रहे।

इसके जरिये उन्हें अपने कारोबार की लगभग पूरी कमाई पर टैक्स खत्म करने का भरोसा दिया जाता था। साथ ही, उनके पैसे पर उनका पूरा नियंत्रण रहने की बात कही जाती थी। इस योजना के लिए ग्राहकों से 2.25 लाख डॉलर तक का शुल्क लिया जाता था।

शुक्ला ने पूरे अमेरिका में इस योजना का प्रचार किया। इसके लिए सेमिनार और वेबिनार किए गए। पॉडकास्ट के जरिये भी प्रचार किया गया। सीधे ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें यह योजना बेची गई। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, आनंद शुक्ला ग्राहकों को अपनी कंपनियों का ढांचा बदलने के लिए कहता था। वह कहता था कि कारोबार की करीब 98 प्रतिशत कमाई कई ट्रस्टों और एक निजी फैमिली फाउंडेशन के जरिये भेजी जाए। इस तरह कारोबार की कमाई को सरकार से छिपाने की कोशिश की जाती थी। शुक्ला ग्राहकों से कहता था कि वे अपने निजी खर्च भी ट्रस्ट के खातों से करें। इन खर्चों में गाड़ियां, मनोरंजन और घर की किस्त जैसे खर्च शामिल थे। वह ग्राहकों से इन खर्चों को टैक्स में कटौती के तौर पर दिखाने के लिए कहता था।

भारत-अमेरिका सहयोग बढ़ाने पर हुए सहमत, अमेरिकी राजदूत ने एक्स पोस्ट में बताया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और भारत ने वैश्विक अंडरसी केबल नेटवर्क को सुरक्षित, मजबूत और ज्यादा विविध बनाने के लिए साझेदारी का फैसला किया है। डिजिटल कनेक्टिविटी के बढ़ते वैश्विक महत्व के बीच यह कदम भारत की एक उभरते हुए ग्लोबल डिजिटल हब के तौर पर बढ़ती रणनीतिक भूमिका को भी रेखांकित करता है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस साझेदारी की जानकारी दी। दूतावास ने बताया कि सितंबर में दोनों देशों ने सरकार और इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर 'अंडरसी केबल्स वर्कशॉप' आयोजित की थी। इसका मकसद दुनिया के लिए बेहद अहम सबसी कम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मजबूत करना था। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि अंडरसी केबल्स ग्लोबल डिजिटल कनेक्टिविटी की रीढ़ हैं, जो अर्थव्यवस्थाओं, क्लाउड सेवाओं और‌ढ्ढ क्रांति को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अमेरिका और भारत अब इन नेटवर्क की सुरक्षा, मजबूती और विविधता बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, जो दुनिया को डिजिटल तौर पर आपस में जोड़े रखते हैं।

अमेरिकी दूतावास ने (स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजीज का इस्तेमाल करके रिश्तों को बदलना) पहल के तहत अंडरसी केबल नेटवर्क के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया। दूतावास के मुताबिक, सबसी केबल नेटवर्क वैश्विक डिजिटल कॉमर्स, डेटा सेंटर, क्लाउड प्लेटफॉर्म और तेजी से विस्तार कर रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था की बुनियाद हैं। दुनिया भर में डेटा और डिजिटल सेवाओं का लगातार बढ़ता प्रवाह इन्हीं नेटवर्क पर निर्भर करता है। ऐसे में इन केबल्स की सुरक्षा और मजबूती सिर्फ इंटरनेट कनेक्टिविटी का सवाल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर वैश्विक कारोबार, डेटा के आदान-प्रदान और डिजिटल अर्थव्यवस्था की निरंतरता पर पड़ता है। अमेरिका और भारत इसी अहम इंफ्रास्ट्रक्चर को ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में साझेदारी कर रहे हैं।

अमेरिकी दूतावास ने तेजी से विस्तार कर रहे वैश्विक डिजिटल नेटवर्क में भारत की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित किया। दूतावास के अनुसार, भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, क्लाउड और‌ढ्ढ क्षमताओं की बढ़ती मांग और दुनिया के बड़े बाजारों को जोड़ने वाली उसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति देश को एक प्रमुख ग्लोबल सबसी केबल हब के तौर पर स्थापित करने का बड़ा अवसर देती है। अंडरसी केबल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश और उसका विस्तार भारत की डिजिटल क्षमता को और मजबूत कर सकता है। इसके साथ ही वैश्विक डेटा और संचार नेटवर्क में नई दिल्ली की रणनीतिक भूमिका भी बढ़ सकती है। ऐसे में अंडरसी केबल नेटवर्क भारत के लिए सिर्फ कनेक्टिविटी का माध्यम नहीं, बल्कि उसकी डिजिटल और तकनीकी ताकत को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने का एक महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। इससे पहले मई में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा था कि ञ्जक्रस्ञ्ज पहल दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग को नई गति दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान पिछले साल शुरू की गई इस पहल के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। गोर ने कहा था कि अमेरिका उन देशों के साथ साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है जिन्हें वह उभरती तकनीकों के क्षेत्र में भरोसेमंद सहयोगी मानता है और भारत उन्हीं सहयोगियों में शामिल है। उन्होंने 'पैक्स सिलिका' पहल में भारत की भागीदारी को भी अहम बताया। यह अमेरिका के नेतृत्व में तैयार किया जा रहा एक भरोसेमंद टेक्नोलॉजी और सप्लाई-चेन नेटवर्क है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण तकनीकों और उनसे जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। शामिल होने की वजह यह है कि हम इस जगह पर भरोसा करते हैं। हम यहां के लोगों पर भरोसा करते हैं, हम टेक्नोलॉजी पर भरोसा करते हैं, हम आपकी सरकार पर भरोसा करते हैं।' उन्होंने कहा कि भारत ऐसे 'भरोसेमंद इकोसिस्टम और मजबूत सप्लाई चेन के नेटवर्क' का हिस्सा बन रहा है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं।

नेपाल मांगेगा 'क्लाइमेट जस्टिस': पीएम बालेन शाह को यूएन जाने की मिली कैबिनेट मंजूरी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कैबिनेट ने प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के इस महीने के आखिर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में भागीदारी को मंजूरी दे दी है। उम्मीद है कि वे हाल ही में आई भयानक अचानक बाढ़ के बाद जलवायु परिवर्तन के असर पर बात करेंगे। शाह 22 से 26 सितंबर तक न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। गुरुवार को मंत्रिपरिषद से मंजूरी मिलने के बाद होने वाली यह यात्रा, मार्च में पद संभालने के बाद शाह की पहली विदेश यात्रा होगी। संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक भाषण कार्यक्रम के अनुसार, शाह 24 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करने वाले हैं। अपने संबोधन के दौरान, उनके जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर बात करने और इसे 26 अगस्त को आई भयानक भोटेकोशी अचानक बाढ़ से जोड़ने की उम्मीद है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हिमस्खलन से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया, जिसमें 1,300 से अधिक लोग मारे गए, जबकि 5,000 से अधिक लोग लापता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र 8 सितंबर को शुरू हुआ है। इसमें दुनिया भर के नेता 22 से 28 सितंबर तक चलने वाली जनरल डिबेट में 193 सदस्यों वाले इस संगठन को संबोधित करेंगे। बता दें कि राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 26 अगस्त को नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद वहां फंसे सिक्किम के आठ निवासी सुरक्षित घर लौट आए हैं।

अलास्का के ठंडे समुद्र में पलटी नाव पर दो दिन चिपका रहा 15 साल का किशोर; बची जान, भाई की मौत

अलास्का, एजेंसी। अलास्का के ठंडे बेरिंग सागर में 15 साल का एक लड़का करीब दो दिन तक पलटी हुई छोटी नाव के ऊपर चिपका रहा। बाद में मछली पकड़ने वाली एक नाव ने उसे बचा लिया। उसके साथ मछली पकड़ने गए बड़े भाई और एक रिश्तेदार की जान नहीं बच सकी। किशोर ने बचाव दल के एक सदस्य को बताया कि वह और उसका रिश्तेदार कुछ समय तक पलटी नाव को पकड़े रहे। इसके बाद उसका रिश्तेदार पानी में फिसलकर गिर गया। बाद में किशोर के भाई और रिश्तेदार दोनों के शव बरामद कर लिए गए।

किशोर को कहां से बचाया गया: उसे रूस के ज्यादा करीब स्थित सेंट लॉरेंस द्वीप के पास समुद्र से बचाया गया। यह अलास्का का एक दूरदराज द्वीप है। यह अमेरिका की मुख्य भूमि के मुकाबले रूस के ज्यादा करीब है।

इतनी ठंड में कैसे बचा रहा?

मछली पकड़ने वाली नाव द नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर के कप्तान एडम व्हाइट ने बताया कि किशोर अंधेरे में भी नाव से चिपका रहा। समुद्र के पानी का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस था। कप्तान ने उसकी हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत मजबूत बच्चा है। उन्होंने बताया कि किशोर के दांत ठंड से कांप रहे थे। उसने बताया कि उसका भाई अभी भी नाव के नीचे है। उसने यह भी बताया

कि बचाव से पिछली रात उसका रिश्तेदार पानी में गिर गया था।

तीनों की तलाश कब शुरू हुई?

अमेरिकी तटरक्षक बल ने सोमवार सुबह तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने रविवार रात तीनों के लापता होने की सूचना दी थी। तीनों शुक्रवार को सेंट लॉरेंस द्वीप के सावूंगा गांव से निकले थे। उन्हें रविवार सुबह वापस लौटना था। सावूंगा गांव में हैलिबट मछली पकड़ना जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा है। गांव में करीब 800 लोग रहते हैं। यहां रोजगार के मौके भी कम हैं। किशोर की मौसी कोलन वॉकर ने बताया कि लोग अक्सर पकड़ी गई मछलियां परिवार और पड़ोसियों के साथ बांटते हैं। उन्होंने कहा कि उनके समुदाय में लोग एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं। दुनिया बदल रही है, लेकिन वे आज भी पारंपरिक तरीके से जीवन जीते हैं।

किशोर के भाई कौन थे?

वॉकर ने बताया कि बचाए गए किशोर डेरेक पार्कर अघनांगा अक्सर अपने 35 साल के बड़े भाई सिडनी कुलोवियी के साथ मछली पकड़ने जाता था। अपने पिता की मौत के बाद किशोर अपने भाई को पिता जैसी शख्सियत मानता था। वॉकर ने बताया कि कुलोवियी व्यावसायिक मछली पकड़ने वाली नाव के कप्तान थे। वह गांव के लोगों की मदद करने वाले शांत और प्यार करने वाले व्यक्ति थे।

पलटी नाव कैसे मिली?

तटरक्षक बल के एक विमान ने सोमवार सुबह किशोर को देखा। बचाव दल ने उसके लिए जरूरी सामान पहुंचाया। इसके बाद नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर नाव से संपर्क किया गया। बताया गया कि नाव शनिवार रात समुद्र में काफी दूर पलट गई थी।

बघाई ने पीट हेगसेथ के बयान पर बोला हमला, कहा- 9/11 की आड़ में ईरान के खिलाफ जंग को सही ठहरा रहा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने वाशिंगटन के रुख पर कड़ा एतराज जताते हुए अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार 9/11 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों की 25वीं बरसी का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ एक 'लापरवाह और गैर-कानूनी युद्ध' को सही ठहराने के लिए कर रही है। बघाई ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान की कड़ी निंदा की, जो उन्होंने 9/11 के एक स्मृति समारोह के दौरान दिया था। ईरानी प्रवक्ता ने अमेरिकी विदेश नीति के बुनियादी अंतर्विरोधों पर सवाल उठाते हुए आतंकवाद की परिभाषा तय करने के वाशिंगटन के 'अकेले अधिकार' को खारिज कर दिया।

बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 9/11 हमले के जिम्मेदार लोग ईरानी नहीं थे। उन्होंने अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका खुद दूसरे देशों में सैन्य कार्रवाई करता है, अधिकारियों की हत्या करता है और आम नागरिकों को निशाना बनाता है, फिर भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने का अधिकार अपने पास रखता है। ऐतिहासिक दावों का खंडन करते हुए बघाई ने स्पष्ट किया कि 2001 के हमलों में ईरान की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि 9/11 के हमलावर ईरानी नहीं थे, बल्कि ये वही लोग थे जिन्हें पिछले दशकों में खुद अमेरिका ने हथियार दिए, संगठित किया और तैयार किया था।

बघाई ने कहा कि 9/11 के बाद अमेरिका के तथाकथित 'आतंक के खिलाफ युद्ध' ने इराक और अफगानिस्तान में केवल दशकों का कब्जा, विनाश और निर्दोष नागरिकों की मौतें दीं। उन्होंने हेगसेथ के इस रुख को पूरी तरह बेतुका बताते हुए कहा कि किसी संप्रभु देश के अधिकारियों की हत्या करने और महिलाओं व बच्चों सहित आम नागरिकों को निशाना बनाने वाले आपराधिक युद्ध को आतंकवाद-निरोध के नाम पर नैतिक रूप से सही नहीं ठहराया जा सकता। बघाई ने अमेरिकी नीति का मजाक उड़ाने के लिए फिल्म 'डेस्पिकेबल मी' का लोकप्रिय 'ग्रूज प्लान' मीम भी साझा किया। दूसरी तरफ, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने अपने आक्रामक भाषण में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अमेरिका के आतंकवाद-विरोधी अभियान से जोड़ा था।

हेगसेथ ने दावा किया कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी सैनिकों ने आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरानी नेताओं को मार गिराया है, उनकी वायुसेना को तबाह किया है और उनकी नौसेना व तेल टैंकरों को समुद्र में डुबो दिया है। हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि अमेरिका जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखता है, आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है और ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। उन्होंने बाइबिल के वचनों और फ्लाइट 93 के यात्री टॉड बीमर के प्रसिद्ध शब्दों 'लेट्स रोल' का हवाला देते हुए इस लड़ाई को खत्म करने का संकल्प जताया। गौरतलब है कि 11 सितंबर 2001 को अल-कायदा के 19 आतंकियों ने चार यात्री विमानों का अपहरण कर अमेरिका पर हमला किया था। दो विमान न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से टकराए, तीसरा विमान वर्जीनिया स्थित पेंटागन से टकराया और चौथा विमान यात्रियों के विरोध के बाद पेंसिल्वेनिया के शैंक्सविले में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। अमेरिकी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस भीषण आतंकी हमले में 2,977 लोग मारे गए थे।

● एशियन गेम्स 2026 से पहले भारत को झटका

● अन्नू रानी ने 2022 में जीता था स्वर्ण पदक

3 एथलीट भारतीय दल से बाहर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को एक और झटका लगा है। हाल ही में जहां भारत के दो रेसलर डोपिंग के कारण बाहर हो गए थे। वहीं अब तीन स्टार एथलीट भारतीय दल से बाहर हो गए हैं। खास बात यह है कि इन तीन एथलीट में से एक नाम है भारत की स्टार महिला जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी का जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आपको बता दें पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी समेत उभरते हुए लॉन्ग जम्प एथलीट शहनवाज खान और रेसर नित्या गांधे को प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों के चलते भारत की एशियाई खेलों की एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही जापान जाने वाली भारतीय ट्रैक एवं फील्ड टीम की संख्या घटकर 74 रह गई है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इससे पहले आगामी एशियाई खेलों के लिए 77 एथलीटों का चयन किया था। बृहस्तिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल के बाद टीम में बदलाव किया गया। इस प्रतियोगिता को अंतिम पुष्टि के लिए चयन ट्रायल के तौर पर आयोजित किया गया था।

एएफआई चयन समिति के अध्यक्ष अदिल सुमरिवाला ने पीटीआई से कहा, 'अन्नू ने बृहस्पतिवार को हुए अंतिम ट्रायल में एएफआई द्वारा निर्धारित क्वालीफाइंग मार्क हासिल नहीं किया, इसलिए उन्हें एशियाई खेलों के लिए नहीं चुना गया।' उन्होंने कहा, 'नित्या और शहनवाज खराब प्रदर्शन और चिकित्सकीय कारणों से एशियाई खेलों में नहीं जाएंगे।'

तीनों खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने का फैसला शुक्रवार को एएफआई चयन समिति की ऑनलाइन बैठक में लिया गया। अब भारतीय एथलेटिक्स टीम के 74 सदस्य शनिवार को नयी दिल्ली से जापान के लिए रवाना होंगे।

सार-समाचार

अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35

गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।
त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।
इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 8 विकेट पर 126 रन बनाए थे। जस्टिन ग्रीव्स ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 16 गेंदों पर 26, और एलेक्स हेल्स ने 26 गेंदों पर 22 रन बनाए। अकील हुसैन ने 12 और किरोन पोलार्ड ने 10 रन बनाए। गुयाना अमेजन वॉरियर्स की तरफ से मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट लिए। शमार जोसेफ ने 2, जबकि ड्वेन प्रिटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने 1-1 विकेट लिए।

कॉनर एस्टरहुइजेन ने खेली शतकीय पारी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे वनडे में नामीबिया को 157 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को दूसरे वनडे मुकाबले में 157 रनों से रौंदा। साउथ अफ्रीका से मिले 336 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की पूरी टीम 178 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन और मालन क्रूगर बिना खाता

खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जेन फ्रीलिंक भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए। लॉरेन स्टीनकैंप भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन भी महज 6 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया की टीम महज 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, जेन ग्रीन ने कप्तान गेरहार्ड इरास्मस का साथ देने का प्रयास किया और छठे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। ग्रीन 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जैन बाल्ट ने सातवें विकेट के लिए इरास्मस संग मिलकर 71 रनों की साझेदारी निभाई। बाल्ट 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे।
इरास्मस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों में 68 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 27 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि वाल्डो स्मिथ ने 10 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से डुआन जानसेन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, ईथन बॉश ने 3 विकेट अपने नाम किए।
इससे पहले, साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और जॉर्डन हरमन 24 गेंदों में 20 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कॉनर एस्टरहुइजेन और टोनी डी जोर्जी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 गेंदों में 183 रन जोड़े। टोनी जोर्जी ने 87 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए।

भारत-श्रीलंका 7वीं बार आज खेलेंगे फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 13 सितंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। महिला एशिया कप के इतिहास में ये 7वां मौका होगा जब खिताबी जीत के लिए भारत और श्रीलंका की टीम आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत और श्रीलंका के बीच 6 बार फाइनल मुकाबले खेले जा चुके हैं जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने इस बार बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

7वीं बार खेलेंगे फाइनल

भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप में 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 6 फाइनल खेले जा चुके हैं जिसमें से भारत को 5 बार जीत मिली जबकि श्रीलंका ने एक बार भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारत और श्रीलंका के बीच 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 और 2024 फाइनल में भिड़ंत हुई थी जिसमें से भारत ने 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2022 के फाइनल में श्रीलंका को हराया था। वहीं श्रीलंका की टीम ने साल 2024 के फाइनल में भारत को हराया था। अब दोनों देश 2026 में एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। इस बार महिला एशिया कप का 10वां सीजन खेला जा रहा है। महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और पिछले 9 सीजन में भारत 7 बार चैंपियन बन चुका है। भारत ने साल 2004, 2005-06, 2006, 2008, 2012, 2016, 2022 में चैंपियन बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने कटाया फाइनल का टिकट

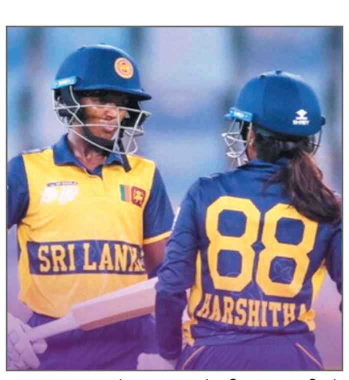

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने फाइनल में जगह बना ली है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की बल्लेबाजों ने पाकिस्तान से मिले 131 रनों के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल किया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान चमारी अटापट्टू 5 रन बनाकर फातिमा सना का शिकार बनीं। संजना कविंदी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हसीना परेरा सिर्फ 3 रन ही बना सकीं। इमेशा दुलानी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाईं और 21 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की अहम पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 2 चौके लगाए। कविशा दिलहारी ने 33 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में नीलाक्षी डी सिल्वा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 10 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए, जबकि कौशानी नुथ्यंगना 4 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर नीलाक्षी ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाते हुए श्रीलंका को फाइनल का टिकट दिलाया। इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

यूएस ओपनः करेन खाचानोव को दी मात

अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला।

रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें। खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया। तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

'मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती', वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं। एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है।

ओडिशा टी-20 लीग 2026

सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर बने रैना और देबाशीष मोहंती

कटक। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को '**ओडिशा टी 20 लीग**' 2026 सीएम ट्रॉफी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह टूर्नामेंट 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। इन दो पूर्व भारतीय क्रिकेटरों की नियुक्ति से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ जाएगी। इस टूर्नामेंट का मकसद ओडिशा के युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपना हुनर दिखाने और कीमती अनुभव हासिल करने का मंच देना है। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटन्स, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 20 सितंबर को होगी, जिसमें पहला मैच संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स के बीच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में लीग-स्टेज और नॉकआउट मैच होंगे। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम को बाराबती स्टेडियम में होने वाले फाइनल में सीधे जगह मिलेगी। इस स्टेडियम में पहले भी इंटरनेशनल मैच हो चुके हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर में एक-दूसरे का सामना करेंगी और जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। 28 सितंबर को महिलाओं का एक एग्जीबिशन मैच भी खेला जाएगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए एक और आकर्षण होगा। '**ओडिशा टी 20 लीग**' लीग 2026 सीएम ट्रॉफी का ग्रैंड फाइनल 29 सितंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दो बेहतरीन टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सुरेश रैना ने कहा, 'छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी, जिससे 10 दिनों तक रोमांचक और जबरदस्त क्रिकेट देखने को मिलेगा। यह खिलाड़ियों के लिए अपना हुनर दिखाने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को साबित करने का एक शानदार मंच होगा। अपनी तारीखें नोट कर लें और एक ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट के लिए तैयार हो जाएं। जय जगन्नाथ।'

देबाशीष मोहंती ने भी ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं और कहा, 'ओडिशा में क्रिकेट फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। '**ओडिशा टी 20 लीग**' सीएम ट्रॉफी 20 से 29 सितंबर तक कटक के बाराबती स्टेडियम में खेली जाएगी, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने और दबाव वाले माहौल में खेलने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म देगा। मैं इस टूर्नामेंट को आयोजित करने की कोशिशों के लिए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन का शुक्रगुजार हूं। मुझे यकीन है कि यह लीग फैंस के लिए बहुत रोमांचक क्रिकेट और यादगार पल लेकर आएगी। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे तारीखें नोट कर लें और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जरूर आएं। जय जगन्नाथ।'

ओसीए सेक्रेटरी संजय बेहरा ने भी पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा, '**ओडिशा टी 20 लीग**' सीएम ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती जैसे बेहतरीन भारतीय क्रिकेटरों का जुड़ना सम्मान की बात है। उनके जुड़ने से टूर्नामेंट की अहमियत और बढ़ेगी और ओडिशा के युवा क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने और इस प्लेटफॉर्म पर अपना टैलेंट दिखाने की प्रेरणा मिलेगी।'